@Qpatrika
@qaumipatrika hindi
instagram.com/qaumipatrika

दिल्ली-हरियाणा-पंजाब-चण्डीगढ़-उत्तर प्रदेश से प्रसारित
शुक्रवार, 21 जून 2024

कौमी पत्रिका
राष्ट्रीय दैनिक अखबार

VISIT:
www.qaumipatrika.in
Email: qpatrika@gmail.com

R.N.I. No. UP-HIN/2007/21472 सम्पादक - गुरचरन सिंह बब्बर वर्ष 17 अंक 213 qaumipatrikahindi 011-41509689, 23315814, 9312262300 गाजियाबाद संवत् 2077-78, पेज (12) मूल्य 3.00 रुपये (हवाई शुल्क 50 पैसे अतिरिक्त)

राजधानी पर जारी करेंगे श्वेत पत्रः मुख्यमंत्री चंद्रबाबू नायडू

अमरावती, 20 जून। आंध्र प्रदेश के मुख्यमंत्री एन. चंद्रबाबू नायडू ने गुरुवार को अमरावती का दौरा किया। उन्होंने ग्रीनफील्ड राजधानी शहर परियोजना का जायजा लिया, जिसका उन्होंने समर्थन किया था। अमरावती राजधानी शहर परियोजना वाई एस जगन मोहन रेड्डी के नेतृत्व वाली सरकार में पांच वर्षों (2019 से 2024) से लटकी हुई थी। हालांकि, सरकार बदलने के साथ ही नायडू ने राजधानी शहर परियोजना में नई जान फूंक दी है। यह पहली बार है जब मुख्यमंत्री नायडू चौथे कार्यकाल के लिए पद संभालने के बाद अमरावती का दौरा किया। उन्होंने कई निर्माण परियोजनाओं जैसे का निरीक्षण किया। नायडू ने अधिकारियों, विधायकों, न्यायाधीशों के लिए आवासीय घर और उच न्यायालय, सचिवालय और अन्य निर्माण स्थलों का भी निरीक्षण किया। मुख्यमंत्री ने एक प्रेस कॉन्फ्रेंस के दौरान कहा, मैं स्थिति का जायजा लेने गया था कि क्या करना है। हम सभी विवरणों के साथ अमरावती पर एक श्वेत पत्र जारी करेंगे। प्रेस कॉन्फ्रेंस में उनके साथ नगरपालिका मंत्री पी नारायण और वरिष्ठ भी मौजूद थे। नायडू ने आगे कहा कि अगर अमरावती शहर परियोजना योजना के मुताबिक आगे बढ़ती तो सड़क का बुनियादी ढांचा अब तक तैयार हो गया होता। उन्होंने कहा कि अमरावती में सभी स्त्रोतों से करीब 55 हजार एकड़ भूमि उपलब्ध है। नायडू ने ग्रीनफील्ड राजधानी शहर के लिए अपनी जमीने देने के लिए किसानों क धन्यवाद दिया। नायडू ने कहा, आज मैंने अमरावती क्षेत्र का निरीक्षण किया।

मुख्यमंत्री अरविंद केजरीवाल को मिली जमानत

सिम्मी कौर बब्बर

नई दिल्ली, 20 जून। दिल्ली के मुख्यमंत्री अरविंद केजरीवाल को गुरुवार को बड़ी राहत मिली है। उन्हें राउज एवेन्यू कोर्ट से मनी लॉन्ड्रिंग केस में जमानत मिल गई। कोर्ट ने एक लाख रुपये के मुचलके पर जमानत मंजूर की है। इससे पहले बुधवार को सुनवाई के दौरान प्रवर्तन निदेशालय (ईडी) ने शराब नीति में अरविंद केजरीवाल की ओर से 100 करोड़ रुपये की रिश्वत मांगे जाने का दावा किया था। सुनवाई के दौरान केजरीवाल वीडियो कॉन्फ्रेंस के जरिये पेश हुए थे। केजरीवाल की जमानत याचिका का विरोध करते हुए जांच एजेंसी ने यह भी स्पष्ट किया कि रिश्वत के आरोप केंद्रीय जांच ब्यूरो (सीबीआई) की तरफ से लगाए गए थे। ईडी ने अदालत को बताया कि केजरीवाल ने आप पार्टी के लिए साउथ ग्रुप से रिश्वत की मांग की। अगर आम आदमी पार्टी (आप) को मामले में आरोपी बनाया गया है तो पार्टी के प्रभारी व्यक्ति को दोषी ठहराया जाएगा। ईडी ने अदालत को बताया कि जब इस मामले में पूर्व उपमुख्यमंत्री मनीष सिसोदिया को आरोपी बनाया गया था, तो उस वक्त आम आदमी पार्टी को आरोपी के रूप में नामित नहीं किया गया था। प्रवर्तन निदेशालय ने गुरुवार को आबकारी नीति पर केजरीवाल की जमानत याचिका पर विरोध जताते हुए कहा कि केजरीवाल के ठहरने का भुगतान रिश्वत के पैसे से किया गया था। वहीं, केजरीवाल ने खुद को बेगुनाह

ऐसा नहीं है कि वह हवा में जांच कर रही है। हमारे पास ठोस सबूत हैं। उनके पास नोटों की तस्वीरें हैं, जो रिश्वत के तौर पर दिए गए पैसे का हिस्सा थे। इसके अलावा गोवा में सात सितारा होटल में बताते हुए कहा कि ईडी एक स्वतंत्र एजेंसी नहीं, बल्कि कुछ राजनीतिक आकाओं के हाथों में खेल रही है। अदालत ने दोनों पक्षों को सुनने के बाद अपना फैसला सुरक्षित रख लिया।

हमारी वित्तीय प्रणाली कोविड संकट से पहले की तुलना में मजबूत स्थिति मेंः शक्तिकांत दास

कौमी संवाददाता

नई दिल्ली, 20 जून। मजबूत पूंजी पर्याप्तता, गैर-निष्पादित परिसंपत्तियों का निम्न स्तर और स्वस्थ लाभप्रदता देश के बैंकिंग और गैर-बैंकिंग उधारदाताओं की पहचान बन चुकी है। ये बातें केंद्रीय बैंक आरबीआई के गवर्नर शक्तिकांत दास ने कही है। मुंबई में एक कार्यक्रम के दौरान आरबीआई गवर्नर शक्तिकांत दास ने कहा है कि भारत की घरेलू वित्तीय प्रणाली अब कोविड संकट पहले की तुलना में बहुत मजबूत स्थिति में है। आरबीआई गवर्नर दास ने मुंबई में वित्तीय प्रणाली को लचीला, भविष्य के लिए तैयार और संकट से निपटने में सक्षम बनाए रखने से जुड़े एक सत्र के उद्घाटन के दौरान यह बात कही। दास ने कहा, मैं बैंकों और अन्य वित्तीय क्षेत्र की संस्थाओं को 31 मार्च को समाप्त हुए वित्तीय वर्ष में इस तरह के शानदार प्रदर्शन के लिए बधाई देना चाहता हूं। आत्मसंतोष के लिए बिल्कुल कोई जगह नहीं है क्योंकि दुनिया बदल रही है, चुनौतियां आ रही हैं, जटिलताएं बढ़ रही हैं, और समस्याएं देश के भीतर वित्तीय प्रणाली के किसी भी कोने से उत्पन्न हो सकती हैं, या दुनिया कुछ ऐसी चीज के कारण जो आपके और मेरे लिए पूरी तरह से अनजान हो सकती है। लेकिन हमें अपना सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन करना होगा।

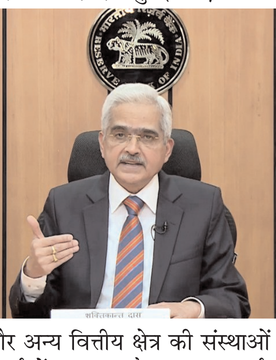

केंद्र दर्शक बनकर नहीं रह सकता, मामलों को हल करेंः शरद पवार

तेजिन्दर कौर बब्बर

मुंबई, 20 जून। राष्ट्रवादी कांग्रेस पार्टी (एनसीपी) प्रमुख शरद पवार ने गुरुवार को एक बार फिर केंद्र पर हमला बोला। उन्होंने कहा कि केंद्र केवल दर्शक नहीं बना रह सकता। उसे मराठा समुदाय और अन्य पिछड़ा वर्ग (ओबीसी) द्वारा आरक्षण की मांग से संबंधित मामलों को हल करने के लिए पहल करनी चाहिए। महाराष्ट्र में आरक्षण के मुद्दे पर बढ़ते मराठा-ओबीसी संघर्ष के बारे में पूछे जाने पर पवार ने कहा कि इसका एक ही समाधान है कि केंद्र को इसे सुलझाने के लिए पहल करनी चाहिए। इसके लिए कानून तथा राय एवं केंद्र की नीतियों में संशोधन की जरूरत है। बता दें, पूर्व केंद्रीय मंत्री महाराष्ट्र के पुणे जिले के बारामती में संवाददाताओं से बात कर रहे थे। इस साल फरवरी में महाराष्ट्र विधानसभा ने सर्वसम्मति से मराठा समुदाय को एक अलग श्रेणी के तहत शिक्षा और नौकरियों में अलग से 10 प्रतिशत आरक्षण देने वाला विधेयक पारित किया था। हालांकि, समुदाय ओबीसी समूह के तहत आरक्षण की मांग कर

रहा है। कार्यकर्ता मनोज जरांगे मराठाओं को कुनबी समाज में शामिल कराने मांग कर रहे हैं, जो अन्य पिछड़ा वर्ग (ह्लक्चष्ट) की श्रेणी में आती है। वे चाहते हैं कि मराठाओं के सभी रक्त संबंधियों का कुनबी जाति में पंजीकरण किया जाए। महाराष्ट्र में कुनबी खेती-बाड़ी से जुड़ा समुदाय है, जिसे ओबीसी में शामिल किया गया है। इन लोगों को सरकारी नौकरियों से लेकर शैक्षणिक संस्थानों में आरक्षण मिलता है। अब जरांगे मांग कर रहे हैं कि सभी मराठाओं को कुनबी प्रमाण पत्र जारी किए जाएं, इस प्रकार वे सरकारी नौकरियों और शिक्षा में कोटा के लिए पात्र हो जाएं। मराठा आरक्षण की मांग के बीच दो ओबीसी कार्यकर्ता जालना जिले में भूख हड़ताल पर बैठे हैं और सरकार से यह आश्वासन मांग रहे हैं कि अन्य पिछड़ा वर्ग (ओबीसी) के मौजूदा आरक्षण में बदलाव नहीं किया जाएगा। पवार ने कहा कि राय और केंद्र सरकारों को नीति में बदलाव करना होगा। उन्होंने कहा, सरकारों, विशेष रूप से केंद्र को दोनों समुदायों की मांगों का समाधान करने में अगुवाई करनी चाहिए और यह सुनिश्चित करना चाहिए कि आंदोलन सीमा पार न कर पाए और सामाजिक तनाव उत्पन्न न हो। सरकारें इस मुद्दे पर केवल दर्शक बनकर नहीं रह सकतीं।

चुनाव आयोग को मिले आठ लोकसभा सीटों पर ईवीएम सत्यापन के आवेदन

नई दिल्ली, 20 जून। चुनाव आयोग को लोकसभा चुनाव में ईवीएम में छेड़छाड़ के मामले में भारतीय जनता पार्टी और कांग्रेस सहित आठ उम्मीदवारों के आवेदन प्राप्त हुए हैं। बता दें कि इससे पहले सर्वोच अदालत ने 26 अप्रैल को इलेक्ट्रॉनिक वोटिंग मशीनों में हेरफेर के संदेह को निराधार बताया था। इसके साथ ही पेपर बैलेट प्रणाली को बहाल करने की मांग को भी खारिज किया गया था। हालांकि उसी दौरान सर्वोच अदालत ने असफल उम्मीदवारों को एक विकल्प दिया था। अदालत ने कहा था कि चुनाव परिणाम में दूसरे और तीसरे स्थान पर आने वाले उम्मीदवार प्रत्येक चुनावी क्षेत्र से पांच प्रतिशत ईवीएम के सत्यापन के लिए लिखित अनुरोध कर सकते हैं। कोर्ट ने इस प्रक्रिया के लिए चुनाव आयोग को एक निश्चित शुल्क निर्धारित करने की अनुमति दी थी। महाराष्ट्र के अहमदनगर से भारतीय जनता पार्टी उम्मीदवार सुजय विखे पाटिल ने 40 मतदान केंद्रों की मशीनों के सत्यापन की मांग की है। पाटिल को लोकसभा चुनाव में राकांपा (एसपी) प्रत्याशी नीलेश लंके ने हराया था। इसके अलावा भाजपा उम्मीदवारों ने तमिलनाडु के वेल्लोर और तेलंगाना की जहीराबाद सीटों से ईवीएम सत्यापन की मांग की है। हरियाणा की करनाल और फरीदाबाद सीट, छत्तीसगढ़ की कांकेर सीट से कांग्रेस उम्मीदवारों ने ईवीएम सत्यापन की मांग की है। चुनाव आयोग द्वारा साझा किए गए आंकड़ों के अनुसार आंध्र प्रदेश में युवजन श्रमिक रायथू कांग्रेस पार्टी (वाईएसआरसीपी) और तमिलनाडु में देसिया मुरपोक्कू द्रविड़ कड़गम (डीएमडीके) के एक-एक उम्मीदवार ने भी सत्यापन के लिए आवेदन किया है।

यूजीसी-नेट अदालत की निगरानी में हो जांचः सीताराम येचुरी

नई दिल्ली, 20 जून। नीट और यूजीसी-नेट परीक्षा का मुद्दा तूल पकड़ता जा रहा है। माकपा महासचिव सीताराम येचुरी ने गुरुवार को कहा कि वह इस मामले की अदालत की निगरानी में जांच चाहते हैं। येचुरी ने कहा, व्यापमं मामला भी केंद्रीय अन्वेषण ब्यूरो (सीबीआई) के पास था, उसका क्या हुआ? सीबीआई कभी किसी कमी को जनता के सामने लाया? सीबीआई की खासियत केवल विपक्षी नेताओं के पीछे पड़ना है। वहीं, नीट-यूजी परीक्षा के मुद्दे पर कांग्रेस के विरोध प्रदर्शन को लेकर अन्नाद्रमुक प्रवक्ता कोवई सत्यन ने कहा कि वे (द्रमुक और कांग्रेस) पूरी तरह से समाधान के लिए कभी काम नहीं करेंगे। कांग्रेस अब नीट को खत्म करने का समर्थन कर रही है। उन्हें अपने-अपने रायों में प्रस्ताव पारित करने और इसे राष्ट्रपति के पास

भेजने से किसने रोका है? आप मुद्दों से पीछे नहीं हट सकते हैं और इसके चारों ओर एक कहानी बनाने की कोशिश कर सकते हैं। कल्लाकुरिची जहरीली शराब त्रासदी को लेकर उन्होंने कहा, यह घटना मुख्यमंत्री एमके स्टालिन और उनकी शासन करने की अक्षमता को उजागर करती है। हमारे विधायक ने ज्ञापन दिया था कि जिले में नशीले पदार्थों और अवैध शराब खुलेआम बिक रही है। कृपया कार्रवाई कीजिए। कल रात तक या आज सुबह तक द्रमुक इससे इनकार करने की मुद्रा में थी। कलेक्टर ने खुलेआम कहा था कि अवैध शराब कहीं नहीं है। उन्होंने द्रमुक सरकार की अक्षमता को छिपाने के लिए तमिलनाडु की जनता से झूठ बोला। यह पूरे विभाग और सरकार की भारी विफलता है। कांग्रेस नेता शशि थरूर ने नीट और यूजीसी-नेट परीक्षा के मुद्दे पर कहा, यह हैरान करने वाला है। यह सिस्टम के कामकाज के तरीके में कुछ गड़बड़ी को दिखाता है। यह भयानक स्थिति है और सरकार को मिलकर इस पर कार्रवाई करनी होगी। अब जब उन्होंने राष्ट्रीय परीक्षण एजेंसी (एनटीए) बनाने और इस प्रकार की राष्ट्रीय परीक्षाएं कराने की जिम्मेदारी ली है तो उन्हें और अधिक निष्पक्ष तरीके से आयोजित करनी होगी। पेपर लीक की इस हास्यास्पद प्रथा को रोकने के लिए कड़ी सजा दी जानी चाहिए।

सत्तापक्ष के विधायक अयोग्य घोषित हो सकते हैं, इसलिए विधान परिषद चुनाव पर लगे रोक

मुंबई, 20 जून। शिवसेना (यूबीटी) नेता संजय राउत ने गुरुवार कहा कि उनकी पार्टी आगामी महाराष्ट्र विधान परिषद चुनावों पर रोक लगाने के लिए सर्वोच न्यायालय का रुख करेगी। उन्होंने कहा कि सत्तारूढ़ दलों के जो विधायक चुनाव में डालेंगे, उन्हें अयोग्य ठहराए जाने की संभावना है। उन्होंने कहा कि शीर्ष अदालत ने अयोग्यता याचिका पर सुनवाई के दौरान टिप्पणी की थी कि सत्तारूढ़ शिवसेना और अजित पवार नीत राकांपा के विधायकों को अयोग्य ठहराया जा सकता है। उन्होंने कहा, ऐसी परिस्थितियों में जब विधायकों को अयोग्य ठहराया जा सकता है और मामले की सुनवाई उचतम न्यायालय में चल रही है, तो यह असंवैधानिक होगा कि ये विधायक एमएलसी चुनें। उन्हें वोट देने का कोई अधिकार नहीं है। राउत ने कहा, हम सर्वोच न्यायालय से आग्रह करेंगे कि यह चुनाव असंवैधानिक और अवैध हैं और चुनावों पर रोक लगाई जानी चाहिए।

दुनिया के सबसे ऊंचे रेलवे पुल पर फिर दौड़ी रेलगाड़ी

रियासी, 20 जून। उधमपुर-श्रीनगर-बारामुला रेल लिंक परियोजना के तहत ट्रेन के जरिये कश्मीर जाने वालों का सपना पूरा होने में कुछ ही दिन बाकी रह गए हैं। यह सपना धीरे-धीरे वास्तविकता के और करीब आता जा रहा है। गुरुवार को संगलदान से रियासी के लिए दस डिब्बों वाली रेलगाड़ी का ट्रायल किया गया, जो कि पूरी तरह से सफल रहा। इस दौरान ट्रेन दुनिया के सबसे ऊंचे चिनाब रेलवे पुल से होकर भी गुजरी। यह पुलिस एफिल टावर से भी ऊंचा है। इस पुल की ऊंचाई 359 मीटर है और एफिल टावर की ऊंचाई 300 मीटर है। 1,486 करोड़ की लागत से निर्मित इस पुल के निर्माण में 30 हजार मीट्रिक टन स्टील का उपयोग किया गया है। यह 260 किलोमीटर प्रति घंटे तक की हवा का सामना कर सकता है। गुरुवार को बारह बजे के करीब ट्रेन संगदान से रियासी के लिए निकली। दोपहर दो बजे के करीब ट्रेन रियासी रेलवे स्टेशन पर पहुंची। ट्रेन में परियोजना पर काम करने वाले कर्मचारियों को बिठाया गया था। इसके अलावा रेलवे के अधिकारी भी उसमें मौजूद रहे। ट्रेन के रियासी रेलवे स्टेशन पर पहुंचते ही भारत माता की जय के जयघोष गूंज उठे। मौके पर स्थानयी लोग इन पलों का साक्षी बनने के लिए उपस्थित रहे। बताया जाता है कि रियासी से कश्मीर तक ट्रेन को जल्द ही चलाया जा सकता है। इससे पहले रविवार, 16 जून को संगलदान से रियासी तक रेल के इंजन का सफल ट्रायल हुआ। संगलदान से रिसासी तक रेल चलाने के सफल ट्रायल के बाद से लोगों, खासकर युवाओं में खुशी की लहर है। रविवार को ट्रैक के निरीक्षण के लिए पहली बार रियासी स्टेशन तक विद्युत चलित इंजन सीटियां बजाता हुआ पहुंचा था।

पटना हाईकोर्ट ने बिहार में 65% आरक्षण को बताया असंवैधानिक

सौरभ शर्मा

पटना, 20 जून। राय की राष्ट्रीय जनतांत्रिक गठबंधन सरकार ने बिहार में जाति आधारित जनगणना का फैसला किया था। जनगणना का काम बीच में बनी महागठबंधन सरकार के दौरान पूरा हुआ। महागठबंधन सरकार के भी मुखिया मुख्यमंत्री नीतीश कुमार ही थे। महागठबंधन सरकार ने जातीय जनगणना के आंकड़ों को आधार बनाकर राय में आरक्षण का प्रतिशत 65 तक पहुंचा दिया था। लोकसभा चुनाव 2024 में महगठबंधन के मुख्य दल राष्ट्रीय जनता दल ने इस आरक्षण का क्रेडिट भी लिया। किसी भी दल ने आरक्षण प्रतिशत बढ़ाने को गलत नहीं बताया था। लेकिन अब, पटना हाई कोर्ट ने आरक्षण प्रतिशत बढ़ाने के राय सरकार के फैसले को असंवैधानिक करार दिया है। कोर्ट का यह फैसला नीतीश सरकार को बड़ा झटका माना जा रहा है। गुरुवार को सुनवाई की दौरान पटना हाईकोर्ट ने बिहार सरकार के अनुसूचित जाति, जनजाति, अत्यंत पिछड़े और अन्य पिछड़े वर्ग को 65 आरक्षण देने वाले कानून को रद्द कर दिया है। पटना हाईकोर्ट ने इसे असंवैधानिक करार दिया है। यानी अब शिक्षण संस्थानों व सरकारी नौकरियों में अनुसूचित जाति, जनजाति, अत्यंत

पिछड़े और अन्य पिछड़े वर्ग को 65 आरक्षण नहीं मिलेगा। 50 प्रतिशत आरक्षण वाली पुरानी व्यवस्था ही लागू हो जाएगी। दरअसल, 65 प्रतिशत आरक्षण कानून के खिलाफ गौरव कुमार व अन्य लोगों ने पटना हाईकोर्ट में याचिका दायर की थी। याचिकाकर्ता की ओर से दायर याचिका में कहा गया है कि संवैधानिक प्रावधानों के अनुसार, सामाजिक और शैक्षणिक रूप से पिछड़े वर्गों को उचित प्रतिनिधित्व देने के लिए आरक्षण की व्यवस्था की गयी थी। न कि जनसंख्या के अनुपात में आरक्षण देने का प्रावधान। यह जो 2023 का संशोधित अधिनियम बिहार सरकार ने पारित किया है, वह भारतीय संविधान के मौलिक अधिकारों का उल्लंघन करता है। इसमें सरकारी नौकरियों में नियुक्ति के समान अधिकार का उल्लंघन करता है, वहीं भेद भाव से संबंधित मौलिक अधिकार का भी उल्लंघन है। चीफ जस्टिस केवी चंद्रन की खंडपीठ ने इस पर लंबी सुनवाई की। इसके बाद 11 मार्च को कोर्ट ने फैसला सुरक्षित रख लिया था। आज कोर्ट ने 50 प्रतिशत आरक्षण की सीमा को बढ़ाकर 65 प्रतिशत करने जाने के राय सरकार ने निर्णय को रद्द करने का फैसला सुनाया। बिहार सरकार ने आरक्षण संशोधन बिल के जरिए आरक्षण दायरा बढ़ा 65 फीसदी कर दिया था। 10 प्रतिशत आर्थिक रूप से कमजोर वर्ग को मिलने वाले आरक्षण को जोड़ दें जो कुल 75 फीसदी आरक्षण का लाभ मिलेगा।

नीट परीक्षा में कथित गड़बड़ियों पर राहुल का केंद्र पर वार

नई दिल्ली, 20 जून। कांग्रेस नेता राहुल गांधी ने गुरुवार को यूजीसी नीट यूजी परीक्षा में कथित पेपर लीक को लेकर प्रेस कॉन्फ्रेंस की। उन्होंने इसे लेकर केंद्र सरकार और

पीएम नरेंद्र मोदी का नाम लेकर हमला बोला। राहुल ने कहा, सभी शिक्षण संस्थानों को भाजपा के लोगों ने कैप्चर कर रखा है। जब तक इन्हें मुक्त नहीं कराया जाएगा, तब तक यह चलता रहेगा। पीएम मोदी इस लीक को रोक नहीं पाए। एक परीक्षा में गड़बड़ियों के बाद आप रद्द कर चुके हैं, पता नहीं दूसरे को रद्द किया जाएगा या नहीं। लेकिन कोई न कोई तो इसके लिए जिम्मेदार है और इसके लिए किसनी न किसी को तो पकड़ा जाना चाहिए। राहुल ने कहा, नीट पेपर और यूजीसी-नेट के पेपर लीक हुए हैं। कहा जा रहा था कि नरेंद्र मोदी ने यूक्रेन की लड़ाई रोक दी थी। इस्राइल और गाजा की लड़ाई को भी नरेंद्र मोदी ने रोक दी थी। लेकिन किसी न किसी कारण में हिंदुस्तान में जो पेपर लीक हो रहे हैं उन्हें नरेंद्र मोदी नहीं रोक पा रहे या फिर रोकना नहीं चाहते। कांग्रेस के पूर्व अध्यक्ष ने प्रेस कॉन्फ्रेंस के दौरान दावा किया कि शिक्षण संस्थाओं पर भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) और उसके मातृत्व संगठन से जुड़े लोगों ने कब्जा कर लिया है। उन्होंने कहा कि जब तक इस स्थिति को बदला नहीं जाएगा तब तक पेपर लीक होना बंद नहीं होंगे। उन्होंने आरोप लगाया कि मध्य प्रदेश में हुए व्यापमं घोटाले को पूरे देश में फैलाने की कोशिश की जा रही है। बिहार में पेपर लीक आरोपियों के पकड़े जाने को लेकर राहुल ने कहा कि हमने पहले ही कहा है कि जांच होनी चाहिए और जिन्होंने भी पेपर लीक कराया है उसके खिलाफ कार्रवाई होनी चाहिए। उन्होंने आगामी संसद सत्र में इस मुद्दे को उठाने की बात भी कही।

तीसरी बार किसी सरकार के बनने से बड़ा वैश्विक प्रभाव बनता हैः पीएम मोदी

नरेश मल्होत्रा

जम्मू कश्मीर, 20 जून। तीसरी बार प्रधानमंत्री बनने के बाद नरेंद्र मोदी गुरुवार को जम्मू कश्मीर दौरे पर पहुंचे। पीएम मोदी ने श्रीनगर में युवाओं का सशक्तिकरण, जम्मू-कश्मीर में बदलाव कार्यक्रम में शामिल हुए। इस दौरान जम्मू कश्मीर को करीब 3300 करोड़ रुपये का तोहफा दिया। इसके साथ ही शासकीय सेवाओं के लिए 2000 से अधिक लोगों को नियुक्ति पत्र सौंपें। कल श्रीनगर के एसकेआईसीसी में योग दिवस के मुख्य समारोह का नेतृत्व करेंगे। पीएम मोदी ने कहा उनकी सरकार ने सबको अधिकार और अवसर दिए हैं। महिलाओं को लाभ मिला। समाज के कमजोर तबकों की आवाज सुनी गई। पहली बार विधानसभा में एसटी समुदाय की सीटें आरक्षित की गई। पहाड़ी समुदाय, पाडरी, गड्डा ब्रहाम्ण को एसटी का आरक्षण मिला है। ओबीसी को उनके अधिकार मिले हैं। हमारी सरकार रिजल्ट लाकर दिखाती है। इस प्रदर्शन के आधार पर जनता ने तीसरी बार चुना है। साठ साल बाद इसी प्रदर्शन के चलते इसी भरोसे के चलते जनता ने हमारी सरकार को चुना है। उन्होंने कहा कि देश की जनता ने उनकी सरकार को तीसरी बार सेवा का अवसर दिया है। पीएम ने कहा कि तीन बार किसी सरकार का बनना बहुत बड़ा वैश्विक प्रभाव होता है। इससे देश को देखने का नजरिया बदलता है। इससे दूसरे देश अपने साथ भारत को प्राथमिकता देते हैं। जम्मू कश्मीर को करीब 3300 करोड़ रुपये की विकास परियोजनाओं को शिलान्यास और शुभारंभ किया। इसके साथ ही शासकीय सेवाओं के लिए लोगों को नियुक्ति पत्र सौंपेंगे। उपरायपाल मनोज सिन्हा ने पीएम मोदी के युवाओं का सशक्त बनाना, जम्मू-कश्मीर में बदलाव कार्यक्रम को लेकर स्वागत भाषण दिया। उन्होंने कहा की तीसरी बार देश की जनता ने प्रधानमंत्री मोदी पर विश्वास जताया है। जम्मू कश्मीर में नौजवान स्टार्ट अप और स्वरोजगार से नए कीर्तिमान स्थापित कर रहा है। आज युवाओं के हाथ में पत्थर नहीं, बल्कि परिवर्तन के टूल्स हैं। जम्मू कश्मीर के उपरायपाल मनोज सिन्हा ने पीएम

मोदी का स्वागत किया। उपरायपाल ने उन्हें पारंपरिक शाल और पेपर माशी से निर्मित एक उपहार भेंट किया। पीएम मोदी का श्रीनगर में पारंपरिक तरीके के साथ स्वागत किया गया। इस दौरान प्रदेश के लोक गीत गूंजे। एक दृश्य यह भी सामने आया जब पीएम मोदी ने स्वागत करने वाले नागरिकों का स्वागत किया। श्रीनगर में योग दिवस का मुख्य समारोह का आयोजन होगा। इसमें पीएम भाग लेंगे। और यहीं से इस बार प्रधानमंत्री मोदी योग की शांति का संदेश पूरी दुनिया में देंगे। पीएम मोदी में विकास की परियोजनाओं की सौगात जम्मू कश्मीर को देंगे। पीएम ने जम्मू कश्मीर के स्थानीय उत्पादों की प्रदर्शनियों का किया आवलोकन प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी श्रीनगर हवाई अड्डे पर पहुंच गए हैं। कुछ ही देर में वह यहां कार्यक्रम स्थल एसकेआईसीसी पहुंचेंगे। यहां वे युवाओं का सशक्तिकरण, जम्मू-कश्मीर में बदलाव कार्यक्रम शिरकत करेंगे। इस दौरान जम्मू-कश्मीर को करोड़ों की सौगात देंगे। पीएम मोदी को सुनने के लिए बड़ी संख्या में लोग पहुंच गए हैं। इनमें युवा भी बढ़चढ़ कर पहुंचे हैं।

मोरक्को की नौसेना ने अटलांटिक तट से 91 प्रवासियों को बचाया

एजेंसी

रबात। मोरक्को की नौसेना ने अटलांटिक तट से 91 पश्चिमी अफ्रीकी प्रवासियों को बचा लिया है। समाचार एजेंसी ने मोरक्को रॉयल सशस्त्र बलों के हवाले से बताया कि नौसेना इकाई ने दखला से 189 किलोमीटर दक्षिण-पश्चिम में एक अभियान के दौरान उत्तर-पश्चिमी अफ्रीका के तट से दूर स्पेन के द्वीपसमूह कैनरी द्वीप की ओर जा रही एक नाव को रोका, जिसमें अफ्रीकी प्रवासी सवार थे। बयान के अनुसार, बचाए गए सभी प्रवासी उप-सहारा देशों से हैं। उन्हें प्राथमिक उपचार दिया गया और बाद में मानक प्रशासनिक प्रक्रियाओं के लिए मोरक्को रॉयल जेंडरमेरी को सौंप दिया गया।

अमेरिका में विमान दुर्घटना, दो लोगों की मौत

सैन फ्रांसिस्को। अमेरिक के अलास्का प्रांत में केनाई प्रायद्वीप के क्रिसेंट झील में एक छोटे विमान के दुर्घटनाग्रस्त होने से दो लोगों की मौत हो गई। यह दुर्घटना अपराह्न में हुयी। यह जानकारी राज्य के सैनिकों ने दी। प्राप्त जानकारी के अनुसार दो पैदल यात्रियों ने दुर्घटना देखी और मंगलवार को अपराह्न में सैनिकों को इसकी सूचना दी। बचाव दल एक हेलीकॉप्टर और एक फ्लोट प्लेन लेकर क्षेत्र में गया और झील में मलबा पाया, लेकिन पानी में या किनारे पर किसी के जीवित बचे होने का कोई संकेत नहीं मिला।सैनिकों ने बताया कि उनके शवों को बरामद करने के प्रयास जारी रहे। क्षेत्र में दो लोगों के साथ एक पाइपर पीए-18 सुपर क्यूब विमान के देरी से आने की सूचना मिली थी। सैन्य अधिकारी ऑस्टिन मैकडैनियल ने बताया कि विमान मूस पास से रवाना हुआ था और उसी क्षेत्र में वापस आने की उम्मीद थी। राष्ट्रीय परिवहन सुरक्षा बोर्ड दुर्घटना की जांच कर रहा है।

बोलीविया में 74 शहरों में जंगल की आग को लेकर ऑरेंज अलर्ट जारी

ला पाज। बोलीविया में जंगलों में लगी आग को लेकर 74 शहरों में 'ऑरेंज अलर्ट' जारी किया गया है। उप नागरिक सुरक्षा मंत्री जुआन कार्लोस कैल्विमोंटेस ने ने यह जानकारी दी। उन्होंने संवाददाता सम्मेलन एक प्रेस कॉन्फ्रेंस में कहा कि 'ऑरेंज अलर्ट' पर्यावरणीय या आर्थिक आपदा को रोकने के लिए कार्रवाई के लिए एक तत्काल आह्वान है। उन्होंने कहा कि जंगल की आग कृषि पद्धतियों के परिणाम हैं, जो नियंत्रण से बाहर हो गई हैं। उन्होंने कहा कि इस समय सब कुछ सूखा है। उन्होंने किसानों और पशुपालकों से यह सुनिश्चित करने का आह्वान किया कि फसलों या मवेशियों के लिए भूमि साफ करने के लिए लगायी जाने वाली आग जंगल की आग में न बदल जाए। उन्होंने कहा कि जंगल की आग से सांता क्रूज़ का पूर्वी विभाग सबसे ज्यादा प्रभावित हुआ है।

अमेरिकी सेना ने सीरिया में किए हवाई हमले, इस्लामिक स्टेट के बड़े सदस्य को उतारा मौत के घाट

वाशिंगटन। अमेरिकी सेना ने कहा है कि उसने सीरिया में हवाई हमले में इस्लामिक स्टेट आतंकवादी मिलिशिया के एक बड़े सदस्य को मार गिराया है। अमेरिकी सेंट्रल कमांड ने बुधवार को सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म एक्स पर एक पोस्ट में कहा, 'अमेरिकी सेंट्रल कमांड ने सीरिया में हवाई हमला किया, जिसमें आईएसआईएस के एक वरिष्ठ अधिकारी उस्माह जमाल मुहम्मद इब्राहिम अल-जनाबी की मौत हो गई। इसमें आगे कहा गया, 'उसकी मौत से आईएसआईएस की संसाधन जुटाने और आतंकवादी हमले करने की क्षमता में कमी आएगी। इस हमले में किसी भी नागरिक को नुकसान पहुंचने की कोई जानकारी नहीं मिली है। सीरिया में आईएसआईएस फिर से उभरने की कोशिश कर रहा है। अमेरिकी सैनिक इस्लामिक स्टेट के फिर से उभरने से रोकने के लिए वहां तैनात हैं। अमेरिकी सेना को कुर्द मिलिशिया वाईपीजी और उसके सहयोगियों के नियंत्रित क्षेत्रों में तैनात किया गया है। आपको बता दे कि 2019 में चरमपंथी मिलिशिया के खत्म होने की घोषणा कर दी गई थी, इसके बावजूद यह बीच-बीच में सक्रिय हो जाता है।

श्रीलंका, भारत बिजली लाइन और भूमि कनेक्शन स्थापित करने के लिए कर रहे हैं बातचीत -विक्रमसिंघे

एजेंसी

कोलंबो/नई दिल्ली। राष्ट्रपति रानिल विक्रमसिंघे ने कहा है कि श्रीलंका और भारत के बीच बिजली लाइन कनेक्शन स्थापित करने पर व्यवहार्यता अध्ययन किया जा रहा है और गुरुवार को भारतीय विदेश मंत्री एस जयशंकर की यात्रा के दौरान आगे की चर्चा की जाएगी।

श्री विक्रमसिंघे ने यह भी कहा कि श्रीलंका और भारत के बीच भूमि कनेक्शन के लिए पूर्व-व्यवहार्यता अध्ययन पूरा हो चुका है और निकट भविष्य में पूर्ण व्यवहार्यता अध्ययन आयोजित किया जाएगा। उन्होंने मन्नार बिशप हाउस में मन्नार के बिशप डॉ. फिदेलिस लियोनेल इमैनुएल फर्नांडो के साथ अपनी बैठक के दौरान यह बात कही।दोनों नेताओं ने मुलाकात के दौरान मन्नार जिले के लिए भविष्य की विकास योजनाओं पर भी चर्चा की। एक मीडिया रिपोर्ट में कहा गया है कि मुख्य विषयों में उत्तरी जिले में प्वाइंट पेड्रो और मुल्लातिवु का नवीकरणीय ऊर्जा केंद्र के रूप में विकास शामिल है। बैठक

में यह सुनिश्चित करने पर जोर दिया गया कि ये विकास गतिविधियां पर्यावरण के अनुकूल तरीके से की जाएं। बैठक में इसके अतिरिक्त मन्नार को पर्यटन केंद्र के रूप में विकसित करने की योजनाओं पर भी चर्चा की गई, जिसमें क्रूज पर्यटकों को आकर्षित करने के लिए मन्नार किले का संभावित विकास भी शामिल है। श्री विक्रमसिंघे ने कहा कि इन पहलों से भविष्य में मन्नार जिले के सभी क्षेत्रों में व्यापक विकास होगा। मन्नार के बिशप ने राष्ट्रपति से मन्नार के मछुआरों की समस्याओं का समाधान करने का भी आग्रह किया।

मालदीव में भारतीय पर्यटकों की संख्या 2.5 फीसदी घटी

एजेंसी

मालदीव। मालदीव का दौरा करने वाले भारतीय पर्यटकों की संख्या में इस वर्ष जून में 2.58 की गिरावट आई है। पर्यटन मंत्रलय की ओर से जारी रिपोर्ट के अनुसार जून में अब तक समुद्र तट वाले देश में 44,013 से अधिक पर्यटक आ चुके हैं। रिपोर्ट ने कहा गया है कि एक जून से 12 जून के बीच वेलाना अंतर्राष्ट्रीय हवाई अड्डे (वीआईए) पर कुल 44,013 पर्यटकों का स्वागत किया गया। इस वर्ष की शुरुआत में पिछले वर्ष के 8,54,405 से 9.6 प्रतिशत की वृद्धि और 2022 के 7,47,183 से उल्लेखनीय वृद्धि देखी गई है।

आंकड़ों से पता चलता है कि जून में हर दिन औसतन लगभग 3,668 पर्यटक आ रहे हैं और पर्यटक सात दिनों तक मालदीव में रह रहे हैं। मालदीव ने वर्ष 2024 की शुरुआत से अब तक कुल 9,36,258 आगंतुकों का स्वागत किया है। जनवरी के दौरान, देश ने 192,385 आगंतुकों का स्वागत किया, इसके बाद फरवरी में 217,392, मार्च में 194,227, अप्रैल में 168,366 और मई में 119,875 पर्यटक मालदीव आए। वर्ष 2024 में अब तक दैनिक औसत 5,709 है, और पर्यटक औसतन आठ दिनों तक रह रहे हैं। चीन 60,699 आगंतुकों के साथ सबसे आगे है, उसके बाद रूस, इटली और संयुक्त राष्ट्र हैं, जो मालदीव के पर्यटन में महत्वपूर्ण योगदान दे रहे हैं। भारत, जो पहले पिछले 3 वर्षो से पर्यटकों के आगमन का प्रमुख स्रोत था, 31,437

आगमन के साथ छठे स्थान पर आ गया है। उल्लेखनीय है कि मजबूत ऐतिहासिक और सांस्कृतिक संबंधों वाले भारत और मालदीव के बीच संबंध जनवरी 2024 में मालदीव के कैबिनेट मंत्रियों की अपमानजनक टिप्पणियों और भारतीय प्रधान मंत्री नरेंद्र मोदी के साथ-साथ भारत पर लक्षित नस्लवाद पर चिंताओं के बाद तनावपूर्ण हो गए हैं।

रूस एशियाई देशों में से 'सबसे ईमानदार मित्र, सहयोगी' : किम जोंग उन

एजेंसी

फीनिक्स। उत्तर कोरियाई नेता किम जोंग उन ने रूस को एशियाई देशों में से 'सबसे ईमानदार मित्र और सहयोगी' करार देते हुए रूस के राष्ट्रपति व्लादिमीर पुतिन को कोरियाई लोगों का 'सबसे प्रिय मित्र' बताया।

उत्तर कोरियाई नेता किम जोंग उन ने पुतिन की प्योंगयांग यात्रा के दौरान एक प्रेस बयान में कहा, इस समय, जब पूरी दुनिया की निगाहें प्योंगयांग पर हैं, जो मित्रता के रूसी मिशन की मेजबानी कर रहा है, मैं अपने रूसी साथियों, सबसे ईमानदार मित्रों और सहयोगियों के साथ इस पवित्र हॉल में खड़ा हूं। उन्होंने कहा कि रूस और उत्तर कोरिया के बीच एक नयी और 'सबसे शक्तिशाली संधि' का निष्कर्ष 'कोरियाई लोगों के सबसे प्रिय मित्र' राष्ट्रपति पुतिन की उत्कृष्ट दूरदर्शिता और दृढ़ संकल्प के बिना असंभव होगा।

पुतिन और रूसी प्रतिनिधिमंडल की श्री किम और उत्तर कोरियाई प्रतिनिधिमंडल के सदस्यों के साथ डेढ़ घंटे से अधिक समय तक बातचीत हुई। यह बैठक बंद दरवाजों के पीछे हुई और दोनों नेताओं के बीच एकांत में बातचीत के साथ आगे बढ़ी। श्री किम ने कहा कि रूस

और उत्तर कोरिया ने व्यापक रणनीतिक साझेदारी समझौते पर हस्ताक्षर किये हैं, जिसका उद्देश्य द्विपक्षीय सहयोग और सैन्य संबंधों को बढ़ावा देना है।

पुतिन देर रात प्योंगयांग पहुंचे। रूसी प्रतिनिधिमंडल में रक्षा मंत्री आंद्रेई बेलौसोव, विदेश मंत्री सर्गेई लावरोव, प्रथम उप प्रधानमंत्री डेनिस मंटुरोव, उप प्रधानमंत्री अलेक्जेंडर नोवाक और रॉसकॉस्मोस प्रमुख यूरी बोरिसोव शामिल हैं। उत्तर कोरियाई नेता किम जोंग उन ने रूस को एशियाई देशों में से 'सबसे ईमानदार मित्र और सहयोगी' करार देते हुए रूस के राष्ट्रपति व्लादिमीर पुतिन को कोरियाई लोगों का 'सबसे प्रिय मित्र' बताया। उत्तर कोरियाई नेता किम जोंग उन ने पुतिन की प्योंगयांग यात्रा के दौरान एक प्रेस बयान में कहा, ÷इस समय, जब पूरी दुनिया की निगाहें प्योंगयांग पर हैं, जो मित्रता के रूसी मिशन की मेजबानी कर रहा है, मैं अपने रूसी साथियों, सबसे ईमानदार मित्रों और सहयोगियों के साथ इस पवित्र हॉल में खड़ा हूं।उन्होंने कहा कि रूस और उत्तर कोरिया के बीच एक नयी और 'सबसे शक्तिशाली संधि' का निष्कर्ष 'कोरियाई लोगों के सबसे प्रिय मित्र' राष्ट्रपति पुतिन की उत्कृष्ट दूरदर्शिता और दृढ़ संकल्प के बिना असंभव होगा।

पुतिन और रूसी प्रतिनिधिमंडल की श्री किम और उत्तर कोरियाई प्रतिनिधिमंडल के सदस्यों के साथ डेढ़ घंटे से अधिक समय तक बातचीत हुई। यह बैठक बंद दरवाजों के पीछे हुई और दोनों नेताओं के बीच एकांत में बातचीत के साथ आगे बढ़ी। श्री किम ने कहा कि रूस और उत्तर कोरिया ने व्यापक रणनीतिक साझेदारी समझौते पर हस्ताक्षर किये हैं, जिसका उद्देश्य द्विपक्षीय सहयोग और सैन्य संबंधों को बढ़ावा देना है।

पुतिन देर रात प्योंगयांग पहुंचे। रूसी प्रतिनिधिमंडल में रक्षा मंत्री आंद्रेई बेलौसोव, विदेश मंत्री सर्गेई लावरोव, प्रथम उप प्रधानमंत्री डेनिस मंटुरोव, उप प्रधानमंत्री अलेक्जेंडर नोवाक और रॉसकॉस्मोस प्रमुख यूरी बोरिसोव शामिल हैं।

हज यात्रियों पर कहर बरसा रही भीषण गर्मी, 50 डिग्री के पार तापमान; अब तक 550 जायरीनों की मौत

मक्का। इस साल गर्मी ने सारे रिकॉर्ड तोड़ दिए हैं। तापमान 50 डिग्री सेल्सियस के पार तक जा चुका है। चिलचिलाती धूप से हर कोई परेशान हैं। वहीं, यह गर्मी हज यात्रियों के लिए मुसीबत बन गई है। अब तक हज यात्रा के दौरान कम से कम 550 जायरीनों की मौत हो गई है। यह जानकारी

राजनयिकों ने दी। दो अरब राजनयिकों ने जानकारी देते हुए कहा कि अधिकांश की मौत गर्मी से संबंधित बीमारियों के कारण हुई है। वहीं मरने वालों में अकेले मिस्र के 323 नागरिक हैं। वहीं, एक राजनयिक ने बताया कि सभी जायरीनों की भीषण गर्मी के कारण जान गई है। सिवाय एक शख्स के जो भीड़ में बुरी तरह से घायल हो गया था। उन्होंने बताया कि कुल आंकड़े मक्का के पास अल-मुआइसिम में स्थित अस्पताल के मुर्दाघर से हासिल हुए हैं।

इजरायली सेना ने राफा में मर्चेंट ट्रकों के 10 फिलिस्तीनी सुरक्षाकर्मियों को मार गिराया : सूत्र

गाजा। फिलिस्तीनी सुरक्षा और चिकित्सा सूत्रों ने बताया कि गाजा पट्टी के दक्षिण में राफा शहर में इजरायली सेना ने मर्चेंट ट्रकों के कम से कम 10 फिलिस्तीनी सुरक्षाकर्मियों की हत्या कर दी है। स्थानीय सूत्रों और प्रत्यक्षदर्शियों ने बताया कि इजरायली विमानों ने राफ़ा के पूर्व में वाणिज्यिक सामान की सुरक्षा कर रहे सुरक्षाकर्मियों के एक समूह को निशाना बनाया। शिन्हुआ ने चिकित्सा सूत्रों के हवाले से बताया कि मृतकों के शवों और कई अन्य घायलों को यूरोपीयन गाजा हॉस्पिटल ले जाया गया। इजरायली सेना ने अभी तक इस घटना पर कोई टिप्पणी नहीं की है। फिलिस्तीनी सुरक्षा सूत्रों के अनुसार, इजरायली अधिकारियों ने हाल ही में वेस्ट बैंक के रास्ते वाणिज्यिक सामान को दक्षिणी युद्धग्रस्त एन्क्लेव में प्रवेश करने की अनुमति दी थी। यह दो दिन में दूसरी ऐसी घटना है। सोमवार रात वाणिज्यिक सामानों की सुरक्षा में तैनात कर्मियों को निशाना बनाकर किये गये इजरायली हवाई हमले में कम से कम नौ लोग मारे गए थे। इससे पहले बुधवार को, गाजा स्थित स्वास्थ्य अधिकारियों ने बताया कि पिछले साल अक्टूबर से चल रहे संघर्ष में मरने वाले फ़लिस्तीनियों की संख्या बढ़कर 37,396 हो गई है।

ताई ची और योग: चीन और भारत की उत्कृष्ट संस्कृतियों के बीच दोतरफा यात्रा

एजेंसी

बीजिंग। शारीरिक, मानसिक और आध्यात्मिक अभ्यास है जिसकी उत्पत्ति भारत में हुई है। ताई ची या योग का अभ्यास न केवल शरीर को मजबूत करता है और तनाव से राहत देता है, बल्कि लोगों की आंतरिक शांति में भी सुधार करता है और मानसिक स्वास्थ्य को अच्छा रखता है। आज, चीन में अधिक से अधिक लोग ताई ची या योग के अभ्यास के माध्यम से आराम और व्यायाम कर रहे हैं। कई अभ्यासकर्ता इन दोनों को एक साथ मिलाकर ताई ची योग नामक एक व्यायाम बनाते हैं, जो दोनों व्यायामों की समावेशिता और एकता को दर्शाता है। योग के व्यापक आकर्षण को देखते हुए संयुक्त राष्ट्र

ने 11 दिसंबर 2014 को एक प्रस्ताव पारित कर 21 जून को अंतर्राष्ट्रीय योग दिवस के रूप में निर्धारित किया। इस वर्ष 10वां अंतर्राष्ट्रीय योग दिवस है।

दक्षिण-पश्चिमी चीन के युन्नान प्रांत में युन्नान मिनत्सु विश्वविद्यालय में, चीन में भारत द्वारा स्थापित पहला योग कॉलेज है- चीन-भारत योग कॉलेज। इस कॉलेज की प्रधान छनच्ये ने जानकारी देते हुए कहा कि कॉलेज सामान्य अर्थों में योग प्रशिक्षकों या ताई ची प्रशिक्षकों को प्रशिक्षित नहीं करता है, बल्कि योग और ताई ची की नींव रखने वाले चीनी-भारतीय सांस्कृतिक आदान-प्रदान और प्रसार दूतों को प्रशिक्षित करता है। उनके विचार में चीन-भारत योग कॉलेज दोनों देशों के लोगों से लोगों के बीच स्थापित कूटनीतिक पुल की तरह है।

छन च्ये ने परिचेय देते हुए कहा कि युन्नान मिनत्सु विश्वविद्यालय ने भारत के विश्वविद्यालयों के साथ सहयोग कर चीन में चीन-भारत योग कॉलेज और भारत में अंतर्राष्ट्रीय ताई ची केंद्र की स्थापना की। प्राचीन भारतीय संस्कृति के आनुवंशिक कोड के रूप में योग को चीन में लाया गया, और उत्कृष्ट चीनी संस्कृति के रूप में ताई ची को भारत तक पहुंचाया गया, यह दो प्राचीन पूर्वी सभ्यताओं की उत्कृष्ट संस्कृतियों के बीच दो।

श्रीलंका पहुंचे विदेश मंत्री एस जयशंकर

एजेंसी

कोलंबो। विदेश मंत्री एस जयशंकर गुरुवार को श्रीलंका पहुंचे और अपनी इस यात्रा के दौरान वह द्विपक्षीय संबंधों को मजबूत करने के लिए देश के शीर्ष नेतृत्व से बातचीत करेंगे। कोलंबो पहुंचने पर विदेश राज्य मंत्री थारका बालासुरिया और पूर्वी प्रांत के गवर्नर सेंथिल थोंडमन ने जयशंकर का स्वागत किया। जयशंकर ने सोशल मीडिया मंच 'एक्स' पर एक पोस्ट में कहा,'' नए कार्यकाल की पहली यात्रा पर कोलंबो पहुंचा। विदेश राज्य मंत्री थारका बालासुरिया और पूर्वी प्रांत के गवर्नर सेंथिल थोंडमन का गर्मजोशी भरे स्वागत के लिए आभार।''

उन्होंने लिखा कि श्रीलंका भारत की 'पड़ोसी प्रथम' और 'सागर' नीतियों के केन्द में है। दूसरे कार्यकाल के लिए 11 जून को विदेश मंत्री का पदभार संभालने के बाद जयशंकर की श्रीलंका की यह

यात्रा पहली द्विपक्षीय यात्रा है। जयशंकर पिछले सप्ताह इटली के अपुलिया क्षेत्र में जी-7 आउटरीच शिखर सम्मेलन में प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के प्रतिनिधिमंडल का हिस्सा थे। इससे पहले नयी दिल्ली में विदेश मंत्रालय ने कहा कि विदेश मंत्री श्रीलंकाई नेतृत्व के साथ व्यापक मुद्दों पर बैठक करेंगे। एक बयान में विदेश मंत्रालय ने कहा, ''प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के नेतृत्व में नयी सरकार के गठन के बाद विदेश मंत्री की यह पहली द्विपक्षीय यात्रा होगी।'' बयान में कहा गया है, ''भारत की पड़ोसी प्रथम नीति की पुष्टि करते हुए, यह यात्रा श्रीलंका के प्रति भारत की निरंतर प्रतिबद्धता को रेखांकित करती है क्योंकि यह उसका सबसे करीबी समुद्री पड़ोसी और समय की कसौटी पर खरा उतरा दोस्त है ।'' इसमें कहा गया है, यह यात्रा संपर्क परियोजनाओं और विभिन्न क्षेत्रों में अन्य पारस्परिक रूप से लाभकारी सहयोग को गति प्रदान करेगी। श्रीलंका के राष्ट्रपति रानिल विक्रमसिंघे भारत के पड़ोस और हिंद महासागर क्षेत्र के उन सात शीर्ष नेताओं में शामिल थे जिन्होंने नौ जून को राष्ट्रपति भवन में प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी और केंद्रीय मंत्रिपरिषद के शपथ ग्रहण समारोह में हिस्सा लिया था।

चीन-ऑस्ट्रेलिया संबंधों में लगातार सुधार

एजेंसी

बीजिंग। हाल ही में चीनी प्रधान मंत्री ली छ्यांग ने ऑस्ट्रेलिया की आधिकारिक यात्रा की। दोनों पक्ष सहयोग की एक श्रृंखला पर पहुंचे, जिससे संकेत मिलता है कि चीन-ऑस्ट्रेलिया संबंध सकारात्मक गति बनाए रखना जारी रखेंगे। यह यात्रा न केवल द्विपक्षीय संबंधों के स्थिर सुधार को जारी रखती है, बल्कि भविष्य के आर्थिक, व्यापार और मानवीय आदान-प्रदान में नई गति भी लाती है।

चीन-ऑस्ट्रेलिया संबंधों की बहाली आकस्मिक नहीं है, बल्कि दोनों पक्षों के संयुक्त प्रयासों का परिणाम है। पिछले कुछ वर्षों में, चीन-ऑस्ट्रेलिया संबंधों में गिरावट देखी गई है। लेकिन 2022 में ऑस्ट्रेलियाई लेबर पार्टी के सत्ता में आने के बाद से, उसकी चीन नीतियों को पुन- व्यवस्थित करके द्विपक्षीय संबंधों में धीरे-धीरे सुधार होना शुरू हो गया है। चीनी प्रधान मंत्री की यात्रा ने दोनों देशों के बीच संबंधों के स्थिर विकास के लिए एक ठोस आधार तैयार किया है।

आर्थिक और व्यापार क्षेत्र में, चीन और ऑस्ट्रेलिया ने कई द्विपक्षीय सहयोग दस्तावेजों पर हस्ताक्षर किए हैं, जिनमें चीन-ऑस्ट्रेलिया मुक्त व्यापार समझौते के कार्यान्वयन को और बढ़ावा देने के लिए एक मेमोरेंडम भी शामिल है। यह कदम न केवल दोनों पक्षों को मुक्त व्यापार समझौते को लागू करने में मदद करता है, बल्कि एक खुली विश्व अर्थव्यवस्था के निर्माण को बढ़ावा देने के लिए दोनों पक्षों के दृढ़ संकल्प को भी प्रदर्शित करता है।

इसके अलावा, चीन ने नई ऊर्जा वाहनों, नवीकरणीय ऊर्जा और अन्य क्षेत्रों में ऑस्ट्रेलिया के साथ सहयोग करने की इच्छा भी व्यक्त की, जिससे द्विपक्षीय संबंधों में नए विकास बिंदु जुड़ेंगे। लोगों के बीच और सांस्कृतिक आदान-प्रदान के संदर्भ में, चीनी प्रधान मंत्री की यात्रा ने भी उल्लेखनीय परिणाम हासिल किए। पांडा संरक्षण पर चीन-ऑस्ट्रेलिया सहयोगात्मक अनुसंधान कार्य का निरीक्षण करने और ऑस्ट्रेलिया को एकतरफा वीज़ा-मुक्त देशों के दायरे में शामिल करने की घोषणा करने से, दोनों पक्षों के बीच मानवीय आदान-प्रदान को और गहरा किया जाएगा।

यह न केवल दोनों लोगों के बीच आपसी समझ और दोस्ती को बढ़ाने में मदद करता है,बल्कि चीन-ऑस्ट्रेलिया संबंधों के दीर्घकालिक विकास के लिए एक ठोस जनमत की नींव भी रखता है।

कौमी पत्रिका
संपादक-गुरचरन सिंह बब्बर
स्वामी मुद्रक एवं प्रकाशक, गुरचरन सिंह बब्बर ने कौमी पत्रिका प्रिंटिंग प्रेस, सेक्टर ए-4/ए-144 इंडस्ट्रीयल एरिया ट्रोनिका सिटी लोनी (गाजियाबाद), उत्तर प्रदेश से छापकर प्रकाशित किया।
Corporate Office:
5, Bahadurshah Zafar Marg
ITO, New Delhi-110002
फोन : 011-41509689, 23315814
मोबाइल नंबर : 9312262300
E - mail address :
qpatrika@gmail.com
Website: www.qaumipatrika.in
R.N.I. No.
UP-HIN/2007/21472
Legal Advisors:
Advocate Mohd. Sajid
Advocate Dr. A.P.Singh
Advocate Manish Sharma
Advocate Pooja Bhaskar Sharma

संयुक्त राष्ट्र में दिखेगी योग की एक करने की शक्ति, विभिन्न देशों के लोग एक साथ करेंगे योग

एजेंसी

संयुक्त राष्ट्र। संयुक्त राष्ट्र द्वारा 10वें अंतर्राष्ट्रीय योग दिवस के अवसर पर शुक्रवार को विश्व भर से नागरिक यहां एकत्रित होंगे और सीमाओं से परे योग की एकजुट करने वाली शक्ति का प्रदर्शन करेंगे। इस वर्ष योग दिवस की थीम महिला सशक्तिकरण के लिए योग है। मुख्य कार्यक्रम संयुक्त राष्ट्र मुख्यालय के उत्तरी लॉन में होगा जहां राजनयिक, संयुक्त राष्ट्र के अधिकारी और कर्मचारी तथा प्राचीन कला के प्रशंसक एक साथ आसन करेंगे।

इस कार्यक्रम में संयुक्त राष्ट्र की उप महासचिव अमीना मोहम्मद के भाग लेने की उम्मीद है। महासभा के अध्यक्ष डेनिस फ्रांसिस एक वीडियो संदेश में सबको संबोधित कर सकते हैं। संयुक्त राष्ट्र महासभा ने दिसंबर 2014 में भारत के एक प्रस्ताव को स्वीकार करते हुए 21 जून को अंतर्राष्ट्रीय योग दिवस घोषित किया था। इस प्रस्ताव को सर्वसम्मति से अपनाया गया था।

यह तिथि इसलिए चुनी गई क्योंकि ज्यादातर मौकों पर उत्तरी गोलार्ध में ग्रीष्म संक्रांति उसी दिन पड़ती है, हालांकि इस वर्ष और अगले वर्ष यह एक दिन पहले है।

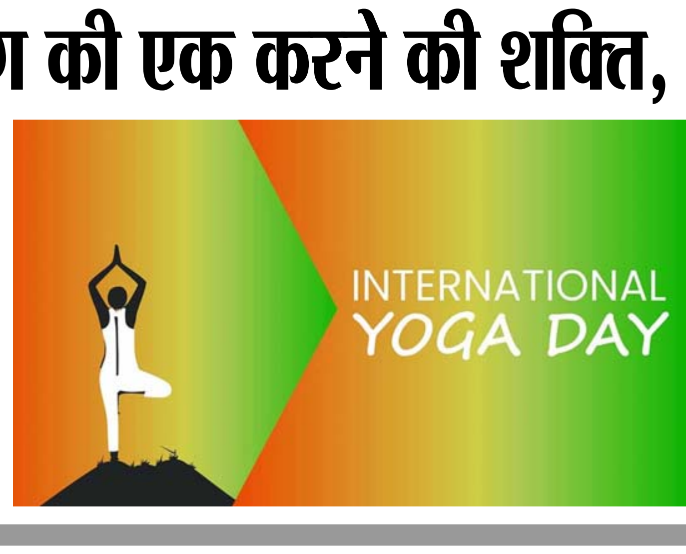

यहां योग उत्सव शुक्रवार शाम 6 बजे (भारतीय समयानुसार शनिवार तड़के 3:30 बजे) होगा जिसे संयुक्त राष्ट्र द्वारा वेबकास्ट किया जाएगा। यहां भारतीय मिशन संयुक्त राष्ट्र सचिवालय के साथ इसका सह-प्रायोजन कर रहा है।

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने पिछले साल संयुक्त राष्ट्र में योग समारोह का नेतृत्व किया था और यह एक ही स्थान पर योग अभ्यास में सबसे अधिक 135 देशों के नागरिकों की भागीदारी के लिए गिनीज बुक ऑफ वर्ल्ड रिकॉर्ड्स में शामिल हुआ था।

संक्रांति के दिन, गुरुवार को, टाइम्स स्क्वायर पर वार्षिक माइंड ओवर मैडनेस कार्यक्रम आयोजित किया जाएगा, जिसमें दिन भर योग सत्र आयोजित किए जाएंगे। यह दुनिया के चौराहे के रूप में जाने जाने वाले स्थान की कोलाहल और हलचल के बीच शांति और स्थिरता का एक द्वीप होगा।

भारत का महावाणिज्य दूतावास इस कार्यक्रम के प्रायोजकों में से एक है। कार्यक्रम सुबह 7.30 बजे से शाम 8.30 बजे तक चलेगा। इसमें विभिन्न जातीय समूहों और राष्ट्रीय मूल के प्रशिक्षकों द्वारा संचालित सात योग कक्षाएं शामिल हैं, जो योग की सार्वभौमिकता को दर्शाती हैं। प्रधानमंत्री मोदी ने सितंबर 2014 में महासभा को अपने पहले संबोधन में अंतर्राष्ट्रीय योग दिवस का विचार प्रस्तुत किया था, जिसमें उन्होंने घोषणा की थी, ''योग हमारी प्राचीन परंपरा का एक अमूल्य उपहार है''।

अशोक कुमार मुखर्जी, जो उस समय संयुक्त राष्ट्र में भारत के स्थायी प्रतिनिधि थे, ने अंतर्राष्ट्रीय विभाजनों को पार करते हुए 175 सह-प्रायोजकों को साथ लाये और तीन महीने के भीतर प्रस्ताव पारित कर दिया गया।

नीट में धांधली के खिलाफ 24 जून को संसद घेराव करेगी एनएसयूआई

एजेंसी
नई दिल्ली। कांग्रेस की छात्र इकाई भारतीय राष्ट्रीय छात्र संगठन (एनएसयूआई) ने राष्ट्रीय परीक्षा एजेंसी (एनटीए) पर प्रतिबंध लगाने की मांग करते हुए कहा कि मेडिकल प्रवेश परीक्षा (नीट) में जबरदस्त धांधली हुई है और उनका संगठन इसके खिलाफ 24 जून को संसद का घेराव करेगा। एनएसयूआई के अध्यक्ष वरुण चौधरी ने आज यहां कांग्रेस मुख्यालय में संवाददाता सम्मेलन को संबोधित करते हुए कहा कि भाजपा सरकार आने के बाद से परीक्षाओं की पारदर्शिता खत्म हुई है और इसकी वजह सिर्फ एनटीए है। आश्चर्य इस बात का है कि इस मामले में कई लोगों के अपराध स्वीकार करने और गिरफ्तारियां होने के बावजूद शिक्षा मंत्री धर्मेंद्र प्रधान कह रहे हैं कि कोई गड़बड़ी नहीं हुई है।

हिन्दी साहित्य सम्मेलन का अधिवेशन ओडिशा के कोरापुट में 23 जून से होगा शुरू

नई दिल्ली। हिन्दी साहित्य सम्मेलन प्रयाग का 75वां अमृत महोत्सव अधिवेशन इस वर्ष 23 से 25 जून तक ओडिशा के कोरापुट में होने जा रहा है। इस बार कोरापुट केंद्रीय विश्वविद्यालय के अकादमिक ब्लॉक-3 में होने वाले अधिवेशन के सभापति केंद्रीय हिंदी संस्थान, आगरा के निदेशक प्रो. सुनील बाबुराव कुलकर्णी होंगे। रविवार को प्रातः नौ बजे उद्घाटन सत्र के मुख्य अतिथि हैदराबाद केंद्रीय विश्वविद्यालय के पूर्व प्रति कुलपति प्रो. आर.एस. सर्राजु होंगे। इसमें कोरापुट केंद्रीय विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो. चक्रधर त्रिपाठी का भाषण भी होगा। हिन्दी साहित्य सम्मेलन, प्रयाग के प्रधान मंत्री कुंतक मिश्र एवं कार्यसमिति सदस्य डॉ. प्रभात ओझा ने उक्त जानकारी दी। परम्परानुसार उद्घाटन सत्र के बाद अगले दो दिन 24 एवं 25 जून को साहित्य परिषद, राष्ट्रभाषा परिषद एवं समाजशास्त्र परिषद में विभिन्न विषयों पर परिचर्चाएं होंगी। 'भारतीय ज्ञान परम्परा और हिन्दी' विषयक साहित्य परिषद का सभापतित्व रेवन्सा कॉलेज, भुवनेश्वर हिन्दी विभाग के पूर्व अध्यक्ष डॉ. अजय कुमार पटनायक करेंगे। राष्ट्रभाषा परिषद में 'एक देश, एक राष्ट्रभाषा' पर चर्चा होगी और इसके सभापति आंध्रप्रदेश विश्वविद्यालय, विशाखापट्टनम हिन्दी विभाग के पूर्व अध्यक्ष डॉ. एम.एम. इकबाल होंगे। इसी तरह समाजशास्त्र परिषद के सभापति ओडिशा केंद्रीय हिन्दी विश्वविद्यालय शिक्षा विभाग के प्रो. भरत कुमार पण्डा होंगे। इसमें 'राष्ट्रीय शिक्षा नीति, भविष्य का सवाल' पर विद्वान वक्ता विचार करेंगे।

कांग्रेस ने चुनाव में कमजोर प्रदर्शन करने वाले राज्यों की स्थिति की छानबीन के लिए गठित की समितियां

नई दिल्ली। कांग्रेस ने छत्तीसगढ़, मध्य प्रदेश, ओडिशा, हिमाचल प्रदेश, उत्तराखंड, दिल्ली, कर्नाटक तथा तेलंगाना में लोकसभा चुनाव के दौरान कमजोर प्रदर्शन करने के कारणों की जांच करने के लिए छानबीन समितियों का गठन किया है। पार्टी महासचिव के सी वेणुगोपाल ने यह जानकारी देते हुए बताया कि मध्य प्रदेश के लिए तीन सदस्य समिति गठित की गई है जिसमें पृथ्वीराज चौहाण, सप्तगिरि उलाका तथा जिग्नेश मेवानी शामिल हैं जबकि छत्तीसगढ़ के लिए दो सदस्यीय समिति बनाई गई है जिसमें वीरप्पा मोइली और हरीश चौधरी शामिल हैं। पार्टी ने दिल्ली, उत्तराखंड तथा हिमाचल प्रदेश के लिए दो सदस्य समिति बनाई है जिसमें पीएल पुनिया और रजनी पाटिल को शामिल किया गया है। उड़ीसा के लिए बनी समिति की कमल अजय माकन तथा तारीख अनवर को सौंप गई है।

उन्होंने बताया कि कर्नाटक तथा तेलंगाना के लिए तीन-तीन सदस्यीय समिति का गठन किया गया है। कर्नाटक में तथ्यों की छानबीन की जिम्मेदारी मधुसूदन मिस्त्री, गौरव गगोई तथा हिबी हिडन को दी है तथा तेलंगाना में पीजे कुरियन रकीबुल हुसैन तथा प्रगट सिंह को यह दायित्व दिया गया है ।

सीलमपुर में डीसीपी कार्यालय के पास बाइक सवार की चाकू घोंपकर हत्या

नई दिल्ली। उत्तर पूर्वी दिल्ली जिला के सीलमपुर में डीसीपी कार्यालय से चंद कदमों की दूरी पर बदमाशों ने बाइक सवार व्यक्ति की चाकू घोंपकर हत्या कर दी। मृतक की पहचान शाहदरा निवासी मनोज कुमार के रूप में हुई है। पुलिस के अनुसार तकरीबन 10:30 बजे डीसीपी कार्यालय के पास जीटी रोड पर एक शख्स को चाकू मारने की सूचना मिली। सीलमपुर थाना पुलिस की टीम तुरंत मौके पर पहुंची। घायल को नजदीकी अस्पताल ले जाया गया। डॉक्टरों ने उसे मृत घोषित कर दिया। हत्या का मुकदमा दर्ज कर जांच शुरू कर दी गई है। आशंका जताई जा रही है कि लूटपाट या रोडरेज की वजह से मनोज की हत्या की गई।

सफेद टी-शर्ट मेरे लिए पारदर्शिता, दृढ़ता व सरलता का प्रतीक- राहुल गांधी

नई दिल्ली। राहुल गांधी का कहना है कि वह अक्सर सफेद टी शर्ट पहनते हैं और इस टी-शर्ट को पहनने का कारण यह है कि सफेद टी शर्ट उनके लिए सरलता का प्रतीक है। शाम राहुल गांधी ने कहा, मुझसे अक्सर पूछा जाता है कि मैं हमेशा 'सफेद टी-शर्ट' क्यों पहनता हूं - यह टी-शर्ट मेरे लिए पारदर्शिता, दृढ़ता और सरलता का प्रतीक है। इसके साथ ही राहुल ने अपने समर्थकों से पूछा कि आपके जीवन में ये मूल्य कहां और कितने उपयोगी हैं। उन्होंने कहा सफेद टी-शर्ट इस्तेमाल कर मुझे एक वीडियो में बताएं, मैं आपको एक सफेद टी-शर्ट गिफ्ट करूंगा।

इंदिरा गांधी अंतरराष्ट्रीय हवाई अड्डे पर थोड़ी देर के लिए बिजली गुल होने से यात्री सेवा प्रभावित

नई दिल्ली। राष्ट्रीय राजधानी के इंदिरा गांधी अंतरराष्ट्रीय हवाई अड्डे पर सोमवार अपराह्न को थोड़ी देर के लिए बिजली गुल होने से चेक-इन और बोर्डिंग संचालन सेवा प्रभावित हो गयी। हवाई अड्डे पर बिजली गुल होने पर कई यात्रियों ने निराशा व्यक्त करने के लिए सोशल मीडिया एक्स का सहारा लिया और जमकर इससे संबंधित पोस्ट डाली। दिल्ली इंटरनेशनल एयरपोर्ट लिमिटेड (डायल) ने एक बयान में कहा, आज अपराह्न करीब दो बजे दिल्ली हवाई अड्डे के मुख्य रिसीविंग सब-स्टेशन (एमआरएसएस) के ग्रिड में वोल्टेज अचानक से तेजी से बढ़ गया, जो कथित तौर पर 765 केवी लाइन की ट्रिपिंग के कारण हुआ था। दिल्ली ट्रांसको लिमिटेड (डीटीएल) ग्रिड से हुए इस वोल्टेज असंतुलन से कुछ समय के लिए सभी आईजीआई टर्मिनलों की सेवाएं प्रभावित हुई, जिससे सामान को यात्रियों के पास पहुंचाने संबंधी और ई-गेट सेवा भी प्रभावित हुई। डायल ने बताया कि आवश्यक सेवाओं को बनाए रखने के लिए हवाईअड्डा संचालक ने सभी टर्मिनलों को डीजी लोड पर डाल दिया। पावर बैक-अप सिस्टम 'कुछ ही मिनटों में' हालांकि फिर से बहाल हो गया था और सभी संपर्क स्थानों पर यात्री सेवाएं फिर से शुरू हो गयी। डायल के प्रवक्ता ने कहा, अपराह्न तीन बजे तक ग्रिड वोल्टेज स्थिर हो गया और सभी सेवाओं को डीजी लोड से डीटीएल ग्रिड लोड में आसानी से वापस स्थानांतरित कर दिया गया तथा डीजी आपूर्ति इसके बाद काट दी गई।

यूजीसी-नेट 2024 की परीक्षा निरस्त, गड़बड़ी की आशंका पर सरकार ने लिया फैसला

एजेंसी
नई दिल्ली। केन्द्रीय शिक्षा मंत्रालय ने यूजीसी-नेट 2024 की परीक्षा को साइबर अपराध एजेंसी की एक रिपोर्ट मिलने के बाद निरस्त करने की घोषणा की।

राष्ट्रीय परीक्षा एजेंसी (एनटीए) ने मंगलवार को देश के विभिन्न शहरों में दो पाली में ओएमआर (पेन और पेपर) माध्यम से यूजीसी-नेट जून 2024 की परीक्षा आयोजित की थी।

मंत्रालय ने कहा कि सरकार विद्यार्थियों के हितों की रक्षा और परीक्षाओं की पवित्रता बनाये रखने का प्रतिबद्ध है। मंत्रालय ने एक बयान में कहा है कि परीक्षा रद्द करने का निर्णय केन्द्रीय गृह मंत्रालय के अंतर्गत साइबर अपराधों की निगरानी करने वाली एजेंसी भारतीय साइबर अपराध समन्वय केंद्र (आई4सी) से प्राप्त सूचना के बाद लिया है। इस सूचना में प्रथमदृष्टया संकेत मिलता है कि इस बार परीक्षा कराने में ईमानदारी के साथ कुछ समझौता किया गया है।

मंत्रालय ने कहा है कि नयी परीक्षा को कराने के बारे में सूचना अलग से जारी की जाएगी। सरकार ने आई4सी की सूचना के आधार पर इस मामले की जांच केन्द्रीय जांच ब्यूरो (सीबीआई) को सौंप दी है।

उल्लेखनीय है कि अभी नीट की परीक्षा को लेकर भी देश भर में मामला चल रहा। बिहार पुलिस के आर्थिक अपराध प्रकोष्ट ने प्रश्न पत्र के लीक करने के मामले में कुछ तत्वों को गिरफ्तार कर उससे पूछताछ कर रहा है। जिनमें कुछ अभ्यर्थी भी शामिल हैं। नीट परीक्षा में गडबड़ी का मामला उच्चतम न्यायालय के समक्ष भी ले जाया गया है। न्यायालय ने सरकार को सुनवाई के दौरान मंगलवार को कहा कि धांधली में 0.001 प्रतिशत शामिल लोगों पर भी सख्त से सख्त कार्रवाई की जाय। कांग्रेस पार्टी ने 21 जून को नीट की परीक्षा में धांधली रोक पाने में सरकार की विफलता के खिलाफ पूरे देश में विरोध करने की घोषणा की है।

खड़गे ने संसद भवन परिसर में मूर्तियां पुरानी जगह लगाने को लेकर लिखा पत्र

एजेंसी
नई दिल्ली। कांग्रेस अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खड़गे ने संसद भवन परिसर में राष्ट्रपिता महात्मा गांधी तथा बीआर अंबेडकर की मूर्तियों को पुरानी जगह पर स्थापित करने की मांग करते हुए राज्यसभा के सभापति जगदीप धनखड़ तथा लोकसभा अध्यक्ष ओम बिरला को पत्र लिखा और कहा कि सरकार की इस मनमानी से लोकतंत्र की भावनओं को ठेस पहुंची है।

श्री खड़गे ने कहा कि राष्ट्रीय नेताओं की मूर्तियां लम्बे विचार विमर्श तथा बहुत सोच विचार के बाद पुराने संसद भवन के सामने स्थापित की गई थी। उनका कहना था कि संसद भवन परिसर में राष्ट्रपिता की ध्यान वाली मूर्ति बहुत सोच विचार के बाद दो अक्टूबर 1993 को स्थापित की गई थी। इस मूर्ति के सामने सांसद लोकतांत्रिक तरीके से अपना विरोध भी व्यक्त करते थे।

श्री खड़गे बताया कि डॉ. अम्बेदकर की मूर्ति तो इससे कई साल पहले संसद भवन में परिसर में स्थापित की गई थी। उनका कहना था कि इस मूर्ति को भी उनकी जयंती तथा निर्वाण दिवस पर आयोजित समारोह में शामिल होने वाले लोगों की सुविधा को ध्यान में रखते हुए दो अप्रैल 1967 को संसद भवन परिसर में स्थापित किया गया था।

गौरतलब है कि श्री धनखड़ ने तीन दिन पहले संसद परिसर में बने प्रेरणा स्थल का उद्घाटन किया जिसमें राष्ट्रीय प्रतीकों, स्वतंत्रता सेनानियों तथा राष्ट्रीय नेताओं की मूर्तियां एक साथ रखी गई हैं। पहले यह मूर्तियां और प्रतीक संसद भवन परिसर में अलग-अलग जगहों पर रखी हुई थीं।

नीट परीक्षा को भी रद्द करे सरकार- खडगे -वाड्रा

एजेंसी
नई दिल्ली। कांग्रेस अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खडगे तथा पार्टी महासचिव प्रियंका गांधी वाड्रा ने नेट परीक्षा रद्द होने को छात्रों के जज्बे की जीत बताया और कहा कि मोदी सरकार को जिम्मेदारी लेते हुए अब मेडिकल प्रवेश परीक्षा नीट को भी रद्द करना चाहिए। श्री खडगे ने कहा ÷आप 'परीक्षा पर चर्चा' तो बहुत करते हैं, 'नीट परीक्षा पर चर्चा' कब करेंगे। यूजीसी-नेट परीक्षा को रद्द करना लाखों छात्र-छात्राओं के जज़्बे की जीत है। ये मोदी सरकार के अहंकार की हार है जिसके चलते उन्होंने हमारे युवाओं के भविष्य को रौंदने का कुत्सित प्रयास किया।

उन्होंने कहा केंद्रीय शिक्षा मंत्री पहले कहते हैं कि नीट में कोई पेपर लीक नहीं हुआ। जब बिहार, गुजरात एवं हरियाणा में शिक्षा माफ़िया की गिरफ़्तारियाँ होती हैं तो शिक्षा मंत्री

मानते हैं कि कुछ घपला हुआ है। नीट की परीक्षा रद्द कब होगी। मोदी जी, नीट परीक्षा में भी अपनी सरकार की धाँधली एवं पेपर लीक को रोकने की ज़िम्मेदारी लीजिए।

श्रीमती वाड्रा ने कहा भाजपा सरकार का लीकतंत्र व लचरतंत्र युवाओं के लिए घातक है। नीट परीक्षा में हुए घपले की खबरों के बाद अब 18 जून को हुई नेट की परीक्षा भी गड़बड़ियों की आशंका के चलते रद्द की गई। क्या अब जवाबदेही तय होगी। क्या शिक्षा मंत्री इस लचरतंत्र की जिम्मेदारी लेंगे।

पानी ले जा रहे ट्रक ने कार में मारी टक्कर, दो युवकों की मौत, युवती गंभीर घायल

एजेंसी
नई दिल्ली। तिलक नगर फ्लाईओवर पर बीते एक एक होंडा अमेज कार को पानी के ट्रक ने टक्कर मार दी। हादसे में कार चालक और उसके पिता की मौत हो गई। जबकि चालक की बहन गंभीर रूप से घायल हो गई। पुलिस ने शवों को पोस्टमार्टम के बाद परिजनों को सौंप दिया। ट्रैफिक पुलिस ने तीन से ज्यादा सीसीटीवी कैमरों की फुटेज खंगालकर पानी के ट्रक चालक भरत को गिरफ्तार कर ट्रक जब्त कर लिया। पुलिस अधिकारियों ने बताया कि बीते मंगलवार रात पुलिस नियंत्रण रूम को तिलक नगर फ्लाईओवर पर रोड एक्सिडेंट होने की पीसीआर कॉल मिली थी। तिलक नगर सर्कल के ट्रैफिक पुलिस मौके पर पहुंची। क्षतिग्रस्त हालत में होंडा अमेज कार खड़ी थी। पता चला कि चालक समेत तीन को एंबुलेंस से नजदीक के अस्पताल में भर्ती करवाया गया है। पुलिस अस्पताल पहुंची। डॉक्टरों ने दो युवकों जागृत वैद और वेदांत अरोड़ा को मृत घोषित कर दिया। जबकि एक युवती अनन्या सहगल की हालत गंभीर बताई। पुलिस ने तिलक नगर पुलिस को हादसे की जानकारी दी। कार के पंजीकरण नंबर की जांच करके परिवार वालों को हादसे की जानकारी दी। आरोपी को पकडऩे के लिये ट्रैफिक पुलिस की आधा दर्जन टीमों को जिम्मा सौंपा गया। गणेश नगर चौक, तिलक नगर चौक, टैगोर गार्डन मेट्रो स्टेशन, 24×7 विकासपुरी और शिवाजी कॉलेज सहित मार्गों के सीसीटीवी फुटेज की जांच की। जिसमें घटना स्थल के पास पानी ले जा रहे एक ट्रक का पता चला। वाहन का पता लगाने के लिए सभी टीमों को राजौरी गार्डन से उत्तम नगर चौक, पंखा रोड और आउटर रिंग रोड पर नजफगढ़ रोड पर तैनात किया गया था। तलाशी के दौरान ट्रैफिक कर्मियों को बी-1 जनकपुरी के सामने महावीर नगर के पास संदिग्ध ट्रक खड़ा मिला। जिसको घटनास्थल पर भी देखा गया था। ट्रक नंबर से उसके मालिक के बारे में पता लगाया। जो वीपीओ खांडसा, गुरुग्राम, हरियाणा में स्थित मेसर्स स्नेहा एचडीडी सर्विसेज के उमेश कुमार महतो का था, जिसका अस्थायी पता महरौली में है।मालिक से पूछताछ की। जिससे पता चला कि ट्रक को भारत रे चला रहा था। भारत रे को पकड़ा। पूछताछ करने पर पता चला कि मंगलवार को वह पदम नगर इलाके से पानी लेकर महावीर नगर जा रहा था, तभी तिलक नगर फ्लाईओवर पर रात में कार से टक्कर हो गई थी।

नकली पासपोर्ट और दो पासपोर्ट रखने के आरोप में आईजीआई एयरपोर्ट पर सुरक्षा कर्मियों ने यात्री को पकड़ा

एजेंसी
नई दिल्ली। प्रोफाइलिंग और बिहेवियर डिटेक्शन के आधार पर आईजीआई एयरपोर्ट पर तैनात सीआईएसएफ के जवानों ने टर्मिनल-3 के चेक-इन एरिया में एक यात्री को पूछताछ के लिये रोका। पूछताछ करने पर उसने अपनी पहचान रशविंदर सिंह सहोता बताई। उसकी उम्र लगभग 67 वर्ष थी। वह एयर कनाडा की उड़ान से रात 10:50 पर दिल्ली से कनाडा जा रहा था। सीआईएसएफ के जवानों ने उसके पासपोर्ट की जांच करने पर पाया कि उसकी उम्र पासपोर्ट में दी गयी उम्र से काफी कम लग रही है। उसकी आवाज और स्किन भी जवान व्यक्ति जैसी थी और उसकी उम्र पासपोर्ट में दिए गए विवरण से मेल नहीं खा रही थी। गहनता से देखने पर पता चला की यात्री ने अपने बाल और दाढ़ी को सफेद रंग से रंगा हुआ था और बूढ़ा दिखने के लिए चश्मा भी पहना हुआ था। इन संदेहों के आधार पर उसे गहन तलाशी के लिए डिपार्चर एरिया में जांच के लिए ले जाया गया। उसके मोबाइल की जांच के दौरान, एक अन्य पासपोर्ट की सॉफ्ट कॉपी मिली। जिसके अनुसार पासपोर्ट पर नाम गुरु सेवक सिंह, उम्र 24 वर्ष दर्ज थी। पूछताछ में फिर उस यात्री ने स्वीकार किया कि उसका असली नाम गुरु सेवक सिंह ही है और वह 24 वर्ष का है। वह 67 वर्षीय रशविंदर सिंह सहोता के नाम से जारी पासपोर्ट पर यात्रा कर रहा है। सीआईएसएफ के सहायक महानिरीक्षक और जनसंपर्क अधिकारी अपूर्व पांडे ने बताया की क्योंकि मामला जाली पासपोर्ट का निकला, इसलिए यात्री को उसके सामान के साथ हिरासत में लेकर कानूनी कार्रवाई के लिए आईजीआई एयरपोर्ट पुलिस को सौंप दिया गया है। सीआईएसएफ कर्मियों की सतर्कता और सूझबूझ के कारण यात्री को पकड़ा जा सका और डॉक्यूमेंट के संभावित दुरुपयोग को रोका जा सका।

Name Change
I, DEVKI JOSHI mother of NO-15691052L Rank-HAV Name-SURESH JOSHI, residing at D-23, SAI BABA, CO-OP HOUSING SOCIETY, DESALE PADA, BHOPAR ROAD, TEH-KALYAN, DIST-THANE, MAHARASHTRA-421204 have changed my name from DEVKI JOSHI to DEVKI DEVI JOSHI for all future purposes, in my son's service record my date of birth wrongly mentioned as 01/07/1962 instead of my correct date of birth as 01/01/1958 vide affidavit dated 20/06/2024 before Notary Public Delhi.

Name Change
I, DHANA DEVI Mother of NO-15728330N Rank-NK Name-LAIPHRAKPAM SANAMACHA MEITEI Residing at VILL- SINGJAMEI MAKHA SOROKHAIBAM LEIKAI, DISTT-IMPHAL WEST, MANIPUR-795008 have changed my name from DHANA DEVI to LEIPHRAKPAM DHANAANJURI DEVI for all future purposes, in my son's service record my date of birth wrongly mentioned as 04/05/1954 instead of my correct date of birth as 12/02/1954 vide Affidavit dated 20/06/2024 before Notary Public Delhi.

Name Change
I, LIBOYAIMA MEITEI Father of NO-15728330N Rank-NK Name-LAIPHRAKPAM SANAMACHA MEITEI Residing at VILL- SINGJAMEI MAKHA SOROKHAIBAM LEIKAI, DISTT-IMPHAL WEST, MANIPUR-795008 have changed my name from LIBOYAIMA MEITEI to LEIPHRAKPAM IBOYAIMA SINGH for all future purposes, in my son's service record my date of birth wrongly mentioned as 05/01/1953 instead of my correct date of birth as 01/03/1954 vide Affidavit dated 20/06/2024 before Notary Public Delhi.

Name Change
I, JC-313935X Rank-NB SUB Name-NARASINGA RAO NUNE S/o KALIDASU Presently residing at 13-52, VPO-MADUTHURU, ATCHUTHAPURAM, DIST-ANAKAPALLI, ANDHRA PRADESH-531011 have changed my mother's name from N GANGATHALLI to NUNE GANGATHALLI for all future purposes and in my service records my mother's date of birth wrongly mentioned as 01/07/1962 instead of her correct date of birth as 06/05/1958 vide Affidavit dated 20/06/2024 before Notary Public, Delhi.

Name Change
I, MALLAMMA PAILA mother of NO-15681526N Rank-HAV Name-LAXMANA RAO PAILA, residing at VILL-GOPALAPURAM, PO-GARUDAKHANDI, TEH-PALASA, DIST-SRIKAKULAM, ANDHRA PRADESH-532220 have changed my name from MALLAMMA PAILA to PAILA VARALAKSHMI for all future purposes, in my son's service record my date of birth wrongly mentioned as 01/07/1962 instead of my correct date of birth as 01/01/1967 vide affidavit dated 20/06/2024 before Notary Public Delhi.

Name Change
I, NO-15705064N Rank- L/NK Name-CHANDRA VEER SINGH S/o BALRAJ SINGH R/o VILL - MUKARPUR GADAI, POST-SHARPUR KALYAN, DIST & TEH-BIJNOR, UTTAR PRADESH-246726 have changed my name from CHANDRA VEER SINGH to CHANDRAVEER SINGH for all future purposes vide affidavit dated 20/06/2024 before Notary Public, Delhi.

Name Change
I, KAMAIAH father of NO-15681526N Rank-HAV Name-LAXMANA RAO PAILA, residing at VILL-GOPALAPURAM, PO-GARUDAKHANDI, TEH-PALASA, DIST-SRIKAKULAM, ANDHRA PRADESH-532220 have changed my name from KAMAIAH to PAILA KAMAYYA for all future purposes, in my son's service record my date of birth wrongly mentioned as 01/07/1957 instead of my correct date of birth as 01/07/1948 vide affidavit dated 20/06/2024 before Notary Public Delhi.

PUBLIC NOTICE
To Whom so ever it may concern
Mr. Harish Chandra Gupta s/o Achhey Gupta is absolute owner of Plot No. X-95 area measuring 34 sqyds part of Khasra No. 717 situated at Village Ghonda Gujaran Khadar in the Abadi of X-Block, Gali No. 9 and 10, Brahampuri, Illaqa Shahdara, Delhi-110053 and whereas Mr. Harish Chandra Gupta Selling above Mentioned property to Mrs. Madhu Dubey if anybody found above mentioned deed kindly contact on-9540419009 **(Advocate Deepak Malik)** within 7 days. Off: Shop no. 2, 1st First floor Kataria complex, Near Axis Bank, New Railway Road Gurugram-122001

PUBLIC NOTICE
To Whom so ever it may concern
Mr. Dhirendra Singh S/o Mr. Sher Singh is absolute owner of Plot on land area measuring 60 Sq. Yds., (i.e., 50.16 Sq. Mts)., Out of Khasra No. 230, situated at Village Surajpur (Others area), Pargana Dadri, Tehsil & Distt. Gautam Budh Nagar, U.P and Lost Original Sale deed vide Document No. 27617, in Book No. 1, Volume No. 16706, Page No. 397 to 414 dated 25/08/2014 and FIR for has been Done vide FIR No. 1829242/2024 dated 19/06/2024 if anybody found above mentioned deed kindly contact on-9540419009 **(Advocate Deepak Malik)** within 7 days. Off: Shop no. 2, 1st First floor Kataria complex, Near Axis Bank, New Railway Road Gurugram-122001

Name Change
I, JAGAT SINGH S/o MAHESH CHAND R/o 6/80, JHARERA VILLAGE, DELHI CANTT, SOUTH WEST DELHI, DELHI-110010 have changed my name from JAGAT SINGH to JAGAT SINGH LOHIA for all future purposes.

Name Change
I, SANTOS wife of NO-15682436Y Rank-HAV Name- PAWAN, residing at VILL-BIRAR, PO-SALHAWAS, TEH-JHAJJAR, DIST-JHAJJAR, HARYANA-124146 have changed my name from SANTOS to SANTOSH for all future purposes, in my husband's service record my date of birth wrongly mentioned as 15/02/1982 instead of my correct date of birth as 01/01/1984 vide affidavit dated 20/06/2024 before Notary Public Delhi.

PUBLIC NOTICE
Public at large informed that my client Smt. Kamal Taneja W/o Sh. Tarun Taneja, R/o B-67, Dayanand Colony Lajpat Nagar New Delhi-110024, is the owner of the flat by virtue of entering into agreement with M/S Royal Home Town Planners Pvt Ltd 7, RBI Colony Market Hauz khas New Delhi 110016 for purchase of Flat /Unit Number D-1004 Tower number 1D vide customer ID number RHP/BL/13-140682 Beetle Lap. GH-G-2 sector-25, Jaypee Greens Sports City SDZ, NOIDA UP vide APARTMENT BUYER AGREEMENT Dated 12.10.2021 and has paid a sum of Rs. 36,21,302/-. The legal proceedings regarding the abovesaid flat has been initiated by my client, thereby the said flat is under dispute and any kind of sale/purchase regarding the said flat with M/S Royal Home Town Planners Pvt. Ltd or any other person, would be illegal and shall be deemed null and void. Anybody dealing in respect of the said flat shall do it at its own risk and cost and he shall also be prosecuted for the same.
S. Mohit Advocate
CHAMBER NO. 283
LAWERYS CHAMBER COMPLEX,
PATIALA HOUSE COURTS,
NEW DELHI-110001

Name Change
I, Pardeep Kumar s/o Rattan Singh R/o 78, New Lahore Colony, nr. post office, Shastri Nagar, Delhi-110031, have changed my name to Pradeep Kumar permanently

Name Change
I, Archna Kaushik W/o Nitin Bhardwaj R/o 1001,10th Floor, Rainbow Apartment, Sector-43, Gurgaon, Haryana-122009, Have Changed My Name To Archana Kaushik For All Future Purpose

Name Change
I, JC-313935X Rank-NB SUB Name-NARASINGA RAO NUNE S/o KALIDASU Presently residing at 13-52, VPO-MADUTHURU, ATCHUTHA PURAM, DIST-ANAKAPALLI, ANDHRA PRADESH-531011 have changed my wife's name from N LAKSHMI to NUNE LAKSHMI for all future purposes vide Affidavit dated 20/06/2024 before Notary Public, Delhi.

Name Change
I, MOHD QASIM S/o MOHD TAQI R/o H. NO. 1119/20, GALI TELIYAN, GANJ MIR KHAN, RAKAB GANJ, DELHI-110002 declare that my daughter's name is wrongly mentioned in her passport as AREEFA. Her correct name is AREEFA QASIM for all future purpose.

Name Change
I, LAKITA wife of NO-17006604N Rank-NK Name-DHANASUKHA PATIDAR R/O WARD NO-05, VPO-BARKHEDA LOYA, TEH-GAROTH, DIST-MANDSAUR, MADHYA PRADESH-458880 have changed my name from LAKITA to LAKITA GOTHI for all future purposes vide affidavit dated 20/06/2024 before Notary Public, Delhi.

Name Change
I hitherto known as CUPPAI w/o S. RAJU r/o E-236, BUDH NAGAR, INDERPURI, CENTRAL DELHI, DELHI-110012 have changed my name and shall hereafter be known as CUPPAI.

Name Change
I, MOHD QASIM S/o MOHD TAQI R/o H. NO. 1119/20, GALI TELIYAN, GANJ MIR KHAN, RAKAB GANJ, DELHI-110002 declare that my son's name is wrongly mentioned in his passport as MOHAMMED ARHAB. His correct name is MOHAMMAD ARHAB for all future purpose.

सूचना
बड़े पैमाने पर जनता को सूचित किया जाता है कि श्रीमती प्रीति महाजन पत्नी श्री विजय महाजन नगर निगम नंबर–ए–272/1, (संपूर्ण तीसरी मंजिल छत अधिकारों के साथ), जिसका क्षेत्रफल 50 वर्ग गज है, यानी 41.8 वर्ग मीटर पुराना प्लॉट नंबर–86 और 87, जो गांव –साढौरा कलां, बाग डाबरवाला, शास्त्री नगर, नई दिल्ली.–110052 में स्थित हैके मालिक हैं । पंजीकृत बिक्री विलेख दिनांक 28.10.2021 के माध्यम से श्रीमती राज रानी उर्फ राज रानी पत्नी स्व. फकीर चंद द्वारा श्रीमती प्रीति महाजन पत्नी श्री विजय महाजन के पक्ष में निष्पादित किया गया (दस्तावेज़ संख्या 10211, पुस्तक संख्या 1, खंड संख्या 8748, पृष्ठ– 57 से 66, SRO- I, नई दिल्ली)। प्रारंभ में, बिक्री विलेख दिनांक 03.07.1972 को श्रीमती संत कौर द्वारा श्री देवी दयाल के पक्ष में निष्पादित किया गया। (दस्तावेज़ संख्या 7020), जिन्होंने श्रीमती शर्फी देवी पत्नी राम कुमार के पक्ष में एटीएस दिनांक 15.06.1981 को निष्पादित किया था। और राम कुमार के पक्ष में दिनांक 15.06.1981 को जीपीए निष्पादित किया। बाद में, जीपीए दिनांक 25.09.1985 को राम कुमार द्वारा श्रीमती राज रानी महाजन के पक्ष में निष्पादित किया गया। एवं श्रीमती शर्फी देवी पत्नी राम कुमार के पक्ष में दिनांक 25.09.1985 को ए.टी.एस. निष्पादित किया गया। अंत में राज रानी महाजन ने उपरोक्त उल्लिखित ग्राहक के पक्ष में पंजीकृत बिक्री विलेख दिनांक 28.10.2021 को निष्पादित किया, जो आईडीएफसी फर्स्ट बैंक लिमिटेड को अपनी वास्तविक आवश्यकताओं के लिए उक्त अचल संपत्ति को गिरवी रखना चाहता है। जिस किसी को भी उक्त बंधक पर कोई आपत्ति है या किसी का उक्त संपत्ति पर दावा या अधिकार या हित है, तो वह 07 दिनों के भीतर आपत्ति के साथ अधोहस्ताक्षरी से संपर्क करेगा, ऐसा न करने पर यह माना जाएगा कि इस संपत्ति पर कोई आपत्ति या दावा नहीं है।
नई दिल्ली
दिनांक: 20/6/2024
प्रज्ञा भूषण वकील
Enrl No. D/721/02
कार्यालय: L–27,GF, कैलाश कालोनी, नई दिल्ली–48 Mob: 9968006418

सार्वजनिक सूचना
आम जनता को यह जानकारी दी जाती है कि हमारी श्री राजवीर सिंह कुल 243.75 वर्ग गज यानी 203.79 वर्ग गज मीटर में से 75 वर्ग गज की फ्रीहोल्ड आवासीय भूमि के मालिक हैं। खाता नंबर 00106, खेत नंबर 136 में स्थित है, गांव सूरजपुर, परगना दादरी, तहसील और जिला गौतमबुद्धनगर, उ.प्र. में स्थित है। विक्रय विलेख दिनांक 29.05.2023 के आधार पर दस्तावेज़ संख्या 13753, पुस्तक संख्या 1, खंड संख्या 42899, पृष्ठ संख्या 225 से 240, 29.05.2023 को, एसआरओ– सदर ग्रेटर नोएडा, गौतमबुद्धनगर। नीचे उल्लिखित श्रृंखला दस्तावेजों में दस्तावेज उपलब्ध नहीं हैं यानी स्वर्गीय श्री योगेश कुमार का मृत्यु प्रमाण पत्र और एसएमसी, अब हमारा ग्राहक यह घोषणा कर रहा है कि किसी अन्य व्यक्ति का उक्त संपत्ति पर कोई अधिकार नहीं है, और वही संपत्ति जो श्री विनोद कुमार गौड़ के नाम से बिकने जा रही है। और पीरामल कैपिटल एंड हाउसिंग फाइनेंस लिमिटेड यूनिट नंबर 302, तीसरी मंजिल वर्ल्ड ट्रेड टॉवर प्लॉट नंबर–सी–1, सेक्टर–16, नोएडा यूपी द्वारा समान संपत्ति वित्त। यदि किसी भी व्यक्ति को उक्त संपत्ति में अधिकारञ्चस्वामित्व या हित के संबंध में कोई आपत्ति या दावा है तो इस नोटिस के प्रकाशन की तारीख से 07 दिनों के भीतर हमसे संपर्क करें या उसी को संपर्क करें। यदि किसी को मिला तो अधोहस्ताक्षरित। इसके बाद किसी भी दावे पर विचार नहीं किया जाएगा।
Naveen Kumar Verma (advocate)
F-211,sector-3 Vaishali Ghaziabad
Uttar Pradesh-201010, Contact at 09958871432

Name Change
I, H D JOSHI father of NO-15691052L Rank-HAV Name-SURESH JOSHI, residing at D-23, SAI BABA, CO-OP HOUSING SOCIETY, DESALE PADA, BHOPAR ROAD, TEH-KALYAN, DIST-THANE, MAHARASHTRA-421204 have changed my name from H D JOSHI to HARI DUTT JOSHI for all future purposes, in my son's service record my date of birth wrongly mentioned as 01/07/1956 instead of my correct date of birth as 11/03/1956 vide affidavit dated 20/06/2024 before Notary Public Delhi.

Name Change
I, Shashank Narayan Vaidya S/o Narayan Vaidya R/o I-404, The Edge Tower, Ramprastha City, Sector 37 D, Gurugram, Haryana, Have Changed My Name To Shashank Vaidya For All Future Purpose

Name Change
I, No. 14871348W Rank-NK Name-MANOJ KUMAR A Presently residing at KANAYAMTHALLA HOUSE, VPO-PULLUR, TEH-HOSDURG, DIST-KASARAGOD, KERALA-671531, have changed my father's name from CHAKRAPANI A to A CHAKRAPANI NAIR for all future purposes vide Affidavit dated 20/06/2024 before Notary Public, Delhi.

Name Change
I, IRAM QASIM W/o MOHD QASIM R/o H. NO. 1119/20, GALI TELIYAN, RAKAB GANJ, BEHIND DELITE CINEMA, DARYA GANJ, DELHI-110002 have changed my name from IRAM to IRAM QASIM for all future purpose. My correct name be amended in my daughter AREEFA QASIM Passport.

Name Change
I hitherto known as VARUN KUMAR son of Shri ANOOP RAJ , residing at 802, S1 Saraswati , Sector-D, Pocket 6, Vasant Kunj, South West Delhi-110070, have changed my name and shall hereafter be known as VARUN KUMAR CHOPRA.

NOTICE
Public at large is hereby informed that Sh. Manoj Yadav S/o Sh. Ram Niwas is the owner of Flat No. 701, on 7th Floor Having Super Area 1500 Sq. Ft. On Plot no. GH-21 The Green Campus Co. Op. Group Housing Society Ltd Situated at Sector-1, IMT Manesar Distt Gurugram Haryana Ghaziabad, U.P. Initially, Sale Certificate Dated 06/05/2024 executed by IDBI Bank through its authorized signatory Smt. Amarjyoti Nayyar in favour of Sh. Manoj Yadav S/o Sh. Ram Niwas In Respect of the Said Property (Vide Doc no. 1348, Book no.1, Vol no. 368/2950, Pages- 25/ 61 to 63, SRO- Manesar Gurgaon), Initially, Initially, Conveyance Deed Dated 21/09/2011 executed by The Green Campus Co. Operative Group Housing Society Ltd through its secretary Sh. Mohit Bansal S/o Sh. Ajay Bansal in favour of Sh. Sanjeev Gupta & Smt. Ritu Gupta in Respect of the Said Property (Doc no. 1789) who executed Registered Sale Deed Dated 14/08/2013 in favour of Sh. Netrapal Singh S/o Late Sh. Raghuvir Singh in Respect of the Said Property (Doc no. 1128). Finally, Registered Sale Certificate Dated 06/05/2024 executed in favour of abovementioned client who intends to mortgage the said immovable property for their bonafide requirements to IDFC FIRST Bank Limited. Whosoever is having any objection to the said mortgage or anyone has claim or right or interest in the said property shall contact the undersigned with the objection within 07 days failing which it shall be presumed that there stands no objections or claims to this property.
NEW DELHI
DATE: 20/6/2024
PRAGYA BHUSHAN ADVOCATE
Enrl. No. D/721/02
Office: L-27,GF, Kailash Colony, New Delhi-48
Mob.: 9968006418

Name Change
I, KAILASH S/o BABU RAM, R/o House No. 456, Gali Bazar Old Post Office, Badli, Delhi-110042, declare that name of mine and my father has been wrongly written as KAILASH RANA and BABU RAM RANA in my Aadhaar Card No. 845445216548, PAN Card No. DUAPR6320B, Driving Licence No. DL1120190000426, CBSE class 10th, 12th and Delhi University B.A. Graduation Marksheets & Certificates. The actual name of mine and my father are KAILASH and BABU RAM respectively.

Name Change
I, JC-314854K Rank-NB SUB Name-A KANNAN S/o T ALAGU R/o 94, PATHIRAKALIBURAM, DOMBUCHERI, BODINAYAKKANUR, DIST, THENI, TAMIL NADU-625582 have changed my minor daughter's name from NAVEENA to NAVEENA K for all future purposes vide affidavit dated 20/06/2024 Before Notary Public, Delhi.

Name Change
I, JC-251298F Rank-NB RIS Name-PUKHRAJ SINGH S/o HANUMAN SINGH R/o VILL-NOKHA GOAN, PO-NOKHA, TEH-NOKHA, DIST-BIKANER, RAJASTHAN-334803 have changed my minor daughter's name from RENA KANWAR to RENU KANWAR for all future purposes vide Affidavit dated 20/06/2024 before Notary Public, Delhi.

Name Change
I, No-15485271M Rank-DFR Name-TUNTUN KUMAR S/o SUKHARI SAHANI R/o VILL-LAXMIPUR, PO-TURKI, TEH+DIST-MUZAFFARPUR, BIHAR-844127 have changed my minor daughter's name from KAMANI KUMARI to KAMINI KUMARI for all future purposes vide Affidavit dated 20/06/2024 Before Notary Public, Delhi.

Name Change
I, IRAM QASIM W/o MOHD QASIM R/o H. NO. 1119/20, GALI TELIYAN, RAKAB GANJ, BEHIND DELITE CINEMA, DARYA GANJ, DELHI-110002 have changed my name from IRAM to IRAM QASIM for all future purpose. My correct name be amended in my son MOHAMMAD ARHAB Passport.

Name Change
I, SUNDER KAWAR Wife of JC-251298F Rank-NB RIS Name-PUKHRAJ SINGH Presently residing at VILL-NOKHA GOAN, PO-NOKHA, TEH-NOKHA, DIST-BIKANER, RAJASTHAN-334803 have changed my name from SUNDER KAWAR to SUNDER KUNWAR for all future purposes vide Affidavit dated 20/06/2024 before Notary Public, Delhi.

Name Change
It's for information of all and public notice that I Hari Kishan kapoor and my wife Mrs Usha kapoor R/o 3 Krishan Kunj Extn-1, Laxmi Nagar Delhi-92 have legally adopted my grandson master Samrat kapoor S/o Shri Anurag kapoor as our son for all purposes rights and duties what so ever as per law

Name Change
I, KISHEN KUNWAR Mother of JC-251298F Rank-NB RIS Name-PUKHRAJ SINGH Presently residing at VILL-NOKHA GOAN, PO-NOKHA, TEH-NOKHA, DIST-BIKANER, RAJASTHAN-334803 have changed my name from KISHEN KUNWAR to KISHNA KANWAR for all future purposes vide Affidavit dated 20/06/2024 before Notary Public, Delhi.

योगमय होने को तैयार हरियाणा, सभी जिलों व 121 ब्लाकों में होगा कार्यक्रम

एजेंसी

चंडीगढ़। आयुष विभाग तथा हरियाणा योग आयोग के माध्यम से अंतरराष्ट्रीय योग दिवस के आयोजन की तैयारियां पूरी कर ली गई हैं। अंतरराष्ट्रीय योग दिवस पर प्रदेश के सभी 21 जिला मुख्यालयों पर जहां योग दिवस समाराहों का आयोजन किया जाएगा वहीं हिसार में इस बार राज्यस्तरीय समारोह का आयोजन होगा। हरियाणा योग आयोग के अध्यक्ष डॉ. जयदीप आर्य ने बताया कि प्रदेश भर में अलग-अलग चरणों में योग प्रशिक्षण कार्यक्रमों का आयोजन पूरा हो चुका है। डॉ. आर्य के अनुसार 21 जून को प्रदेश में जिला मुख्यालय तथा प्रदेश स्तरीय कार्यक्रमों के अलावा 121 ब्लाकों में योग कार्यक्रमों का आयोजन किया जाएगा। इसके अलावा प्रदेश के शिक्षण संस्थानों में भी योग दिवस कार्यक्रमों की धूम रहने वाली है। वहीं प्रदेश के करीब 400 कालेजों, दस सरकारी विश्वविद्यालयों, 25 निजी विश्वविद्यालयों तथा एक केंद्रीय विश्वविद्यालय में योग दिवस कार्यक्रमों का आयोजन किया जाएगा। हरियाणा योग आयोग के माध्यम से 21 जून को होने वाले आयोजन में जहां ग्रामीण व शहरी क्षेत्रों में रहने वाले हर आयु वर्ग के लोग शामिल होंगे वहीं देश की सीमाओं पर रक्षा करने वाले सेना व अर्द्धसैनिक बलों के जवान भी इसका हिस्सा बनने जा रहे हैं।

हरियाणा में जनता चाहती है कांग्रेस की सरकार: कुमारी सैलजा

सिरसा। हरियाणा में बदलाव की बयार बह रही है जो कांग्रेस के पक्ष में है। जनता सरकार बदलकर कांग्रेस की सरकार बनाना चाहती है। इसके लिए सभी को एकजुट होकर पहले की भांति चुनाव मैदान में उतरना है। यह बात सांसद कुमारी सैलजा ने सिरसा विधानसभा क्षेत्र के कार्यकर्ताओं और नेताओं की बैठक में कही। सभी ने नवनिर्वाचित सांसद कुमारी सैलजा का भव्य रूप से स्वागत किया। इस अवसर पर कार्यकर्ताओं और पार्टी नेताओं का धन्यवाद करते हुए कुमारी सैलजा ने कहा कि इस जीत के लिए कार्यकर्ताओं ने खूब पसीना बहाया। यह जीत कार्यकर्ताओं और जनता की जीत है। उन्होंने कहा कि पार्टी की ओर से जो भी उम्मीदवार मैदान में उतारा जाएगा, सभी मिलकर उसकी जीत के लिए कार्य करेंगे तभी कांग्रेस की सरकार बन सकेगी। इस बैठक में कालांवाली के विधायक शीशपाल केहरवाला, पूर्व डिप्टी सीएम चंद्रमोहन बिश्नोई, डा. के वी सिंह, पूर्व विधायक भरत सिंह बैनीवाल, अमीर चावला, नवीन केडिया, वीरभान मेहता, संतोष बैनीवाल, सुरेंद्र बंसल, बूटा सिंह थिंद, गुरनाम सिंह, एडवोकेट गुरदेव सिंह विर्क आदि मौजूद थे।

नीट परीक्षा में धांधली के लिए सरकार जिम्मेदार: अभय चौटाला

जींद। इनेलो के प्रधान महासचिव एवं ऐलनाबाद के विधायक अभय चौटाला ने कहा कि नीट परीक्षा में बड़े स्तर पर धांधली हुई है। इससे युवाओं के भविष्य पर सवालिया निशान खड़े हो गए हैं। युवाओं के साथ जिस तरह का खिलवाड़ हुआ है, उसके लिए सरकार पूर्ण रूप से जिम्मेदार है। प्रधानमंत्री को इस पर कड़ा संज्ञान लेना चाहिए, लेकिन वह इस मामले में चुप हैं। वे जाट धर्मशाला में कार्यकर्ताओं की बैठक के बाद पत्रकारों से बातचीत कर रहे थे। पार्टी को मिले 2 प्रतिशत वोट को लेकर अभय चौटाला ने कहा कि इस बारे में चिंता करने की किसी को जरूरत नहीं है। पहले भी कई तरह के हालात बने हैं। वे पहले दुष्यंत चौटाला 57000 वोटों से जीते थे, जबकि 6000 वोटों से हारे भी थे। जब 57000 तक जा सकते हैं तो पार्टी का वोट प्रतिशत 2 प्रतिशत से 40 प्रतिशत से ऊपर क्यों नहीं जा सकता। अभय चौटाला ने कहा कि वह विधानसभा चुनाव को लेकर कार्यकर्ताओं की जिम्मेदारी लगाने आए हैं। उन्होंने कहा कि भीषण गर्मी के बावजूद कार्यकर्ताओं ने जो उत्साह दिखाया है, वह देखने लायक है। कार्यकर्ताओं ने यह विश्वास दिलाया है कि अगले तीन महीने मजबूती से पार्टी के लिए काम करेंगे और आने वाले समय में विधानसभा में प्रत्याशी को जिताकर लेंगे।

किरण व श्रुति के आने से प्रदेश भाजपा होगी मजबूत: कंवर पाल

यमुनानगर। हरियाणा की कदावर नेता एवं कांग्रेस पार्टी की मजबूत नेता मानी जानी वाली किरण चौधरी व उनकी पुत्री पूर्व लोकसभा सांसद श्रुति चौधरी का भाजपा में शामिल होने पर कृषि मंत्री कंवरपाल ने स्वागत किया और कहा कि भाजपा में शामिल होने पर इन दोनों नेत्रियों को पूरा मान-सम्मान दिया जाएगा। उन्होंने बताया कि दूसरे विपक्षी दलों की अपेक्षा भाजपा ही ऐसी पार्टी है जिसमें बूथ स्तर से लेकर बडे पदाधिकारी तक सबको बराबर मान-सम्मान दिया जाता है। भाजपा एक अनुशासित व मजबूत संगठन की पार्टी है और भाजपा में किसी भी तरह का भेदभाव नहीं है। कृषि मंत्री अपने जगाधरी कार्यालय पर पत्रकारों से बातचीत कर रहे थे। कृषि मंत्री कंवरपाल ने कहा कि भाजपा में शामिल हुई किरण चौधरी प्रदेश में मंत्री, कई बार विधायक एवं सीएलपी नेता और वहीं उनकी पुत्री श्रुति चौधरी भिवानी से लोकसभा सांसद रही और है उन्हें राजनीति का अच्छा अनुभव हैं। उन्होंने कहा कि कांग्रेस पार्टी में जिस प्रकार परिवारवाद, आपसी गुटबाजी, सौतेले जैसा व्यवहार एवं कांग्रेस की जिस प्रकार की कार्य पद्वति चल रही है, उससे न केवल किरण चौधरी दुखी थी, बल्कि कांग्रेस के दूसरे नेतागण भी काफी परेशान हो रहे है। भाजपा को अपने आगामी राजनैतिक विकल्प के रूप में देख रहे हैं।

जींद में सीएम नायब सैनी की घोषणा, श्रमिकों को मुफ्त तीर्थ यात्रा करवाएगी सरकार

सरकार हर वर्ग के कल्याण के लिए योजनाएं बना रही है।

एजेंसी

जींद। सीएम नायब सिंह सैनी नई अनाज मंडी में आयोजित श्रमिक सम्मान समारोह में घोषणा की है कि जो भी श्रमिक भगवान श्रीराम के दर्शनों के लिए तीर्थ यात्रा पर जाना चाहता है,उसे सरकार द्वारा मुफ्त यात्रा करवाई जाएगी। इसके लिए अधिकारियों द्वारा कार्ययोजना तैयार की जा रही है। श्रमिक बस या ट्रेन से भी अयोध्या में भगवान श्रीराम के दर्शनों के लिए तीर्थ यात्रा जाते हैं तो इसका खर्च हरियाणा सरकार वहन करेगी।

सीएम नायब सिंह सैनी जींद की नई अनाज मंडी आयोजित श्रमिक सम्मान समारोह को संबोधित कर रहे थे। नायब सिंह सैनी ने कहा कि भूपेंद्र हुड्डा समेत कांग्रेस नेता यह कहते फिर रहे हैं कि उनकी सरकार आने पर पोर्टल को बंद कर दिया जाएगा। करनाल में भूपेंद्र हुड्डा ने यह

बात बोली तो उनके मूख से भ्रष्टाचार की बू आ रही थी। क्योंकि श्रमिकों तक जो भी लाभ पहुंच रहा है, इस पोर्टल के माध्यम से पहुंचता है। अगर पोर्टल बंद हो गया तो लाभ से वंचित रह जाएंगे। इसलिए सरकार ने फैसला लिया है कि जो भी श्रमिक लाभ के लिए पोर्टल के माध्यम से अप्लाई करेगा, उसे तय समय में लाभ मिलेगा। इसके अलावा सरकार ने हैप्पी कार्ड, बिजली बिल माफी, सोलर योजना की भी शुरूआत की है। सीएम नायब सिंह सैनी ने बटन दबा कर श्रमिकों के लिए तीन योजनाओं के तहत करोड़ों रुपये का लाभ उनके खातों में डालने का काम किया। उन्होंने कहा कि सरकार हर वर्ग के कल्याण के लिए योजनाएं बना रही है। सरकार ने पिछले 10 वर्षों में आयुष्मान कार्ड, चिरायु कार्ड की योजना दी, जिसके तहत पांच लाख रुपये तक का इलाज मुफ्त दिया गया है। उन्होंने कांग्रेस पर निशाना साधते हुए कहा कि कांग्रेस सरकार ने जरूरतमंदों को प्लाट तो दे दिए थे लेकिन न तो उनकी निशानदेही करवाई गई थी और न ही कब्जा दिलवाया गया था। जिसके चलते यह प्लाट धारक अपने आप को ठगा महसूस कर रहे थे। हमारी डबल इंजन की सरकार ने इन लोगों के दर्द को समझा और प्लाट की जगह चिन्हित करवाकर उन्हें प्लाट अलाट किया। साथ ही कब्जा और दस्तावेज दिलवाए। उन्होंने साथ ही कहा कि जिन गांवों में जमीन नहीं है, उन गांवों के जरूरतमंद लोगों को 100 गज का प्लाट खरीदने के लिए एक लाख रुपये उनके खातों में डाल दिए जाएंगे। इस दौरान उनके साथ श्रम एवं कल्याण मंत्री मूलचंद शर्मा, भाजपा विधायक डा. कृष्ण मिढ़ा, जिला प्रधान राजू मोर, डा. राज सैनी सहित दूसरे भाजपा नेता मौजूद रहे। मुख्यमंत्री ने जींद से बसों को तीर्थ यात्रा के लिए हरी झंडी दिखाकर रवाना किया।

जींद में सीएम नायब सैनी ने केजरीवाल और कांग्रेस पर साधा निशाना

एजेंसी

जींद। मुख्यमंत्री नायब सिंह सैनी ने कहा कि हरियाणा से दिल्ली की तरफ पूरा पानी जा रहा है। वहां की केजरीवाल सरकार का डिस्ट्रीब्यूशन सिस्टम सही नहीं रहा। इसका खामियाजा वहां की जनता भुगत रही है। दिल्ली के सीएम अरविंद केजरीवाल की नजर भ्रष्टाचार में रही और लोगों को सब्जबाग दिखा कर उन्हें साइड में कर दिया। वे नई अनाज मंडी में आयोजित कार्यक्रम के बाद पत्रकारों से बातचीत कर रहे थे।

सीएम ने कहा कि केजरीवाल ने पानी के डिस्ट्रीब्यूशन को लेकर कोई सिस्टम खड़ा नहीं किया। इस कारण वहां की जनता समस्या झेल रही है। हरियाण की तरफ से पानी की कोई दिक्कत नहीं है। उन्होंने किरण चौधरी व श्रुति चौधरी का भाजपा में आने पर स्वागत करते हुए कहा कि उनका परिवार बहुत ही प्रतिष्ठित परिवार है। किरण चौधरी भी विपक्ष की नेता रही, मंत्री रही और कई राज्यों की प्रभारी रहीं। कांग्रेस में परिवारवाद पनप रहा है। जिस तरह पूरी कांग्रेस राहुल गांधी को प्रोजेक्ट करने में लगी है। उसी

तरह भूपेंद्र हुड्डा हरियाणा में अपने बेटे दीपेंद्र को प्रोजक्ट करने में जुटे हैं। इस कारण बड़े और वरिष्ठ नेताओं का यहां अहित हो रहा है। दम घुट रहा है। किरण चौधरी की तरह और भी कई बड़े कांग्रेसी नेता सोच रहे हैं कि कैसे वहां से निकल पाएं।

शीतल गुलिया ने 27वां, साहिल त्यागी ने एचसीएस परीक्षा में पाया 48वां रैंक

एजेंसी

सोनीपत। सोनीपत के गांव पुरखास की बेटी शीतल गुलिया ने एचसीएस परीक्षा में 27वां रैंक पाया तो वहीं गांव अगवानपुर के साहिल त्यागी ने 48वां रैंक प्राप्त किया है। दोनों गांव में खुशी का माहौल है। सामान्य परिवार से दोनों होनाहारों ने अपनी योग्यता के आधार पर एचसीएस की परीक्षा को पास किया है। राजेश पहलवान पुरखसिया ने बताया कि उनके बड़े भाई राजबीर गुलिया पहलवान की बिटिया शीतल गुलिया ने हरियाणा सिविल सर्विस में 27 वां रैंक हासिल कर समस्त पुरखास गांव व गन्नौर हल्के के साथ साथ परिवार का नाम रोशन किया। करोडी कॉलेज दिल्ली से शीतल बिटिया ग्रेजूऐशन की उसके बाद उसने यूनियन पब्लिक सर्विस कमीशन की तैयारी करते हुए हरियाण सिविल सर्विस की परीक्षा दे दी और पास हो गई। भाई विशाल गुलिया, मां सरिता, पिता पहलवान राजबीर रेलवे के सीटीआई पद से रिटायर हैं। बेटी की उपलब्धि पर समस्त पुरखास गांव को गर्व हैं। बेटी ने गांव व परिवार का नाम रोशन किया है। अब जल्द ही

गांव की ओर से शीतल का सम्मान समारोह किया जाएगा।

सोनीपत के गांव अगवानपुर निवासी साहिल त्यागी ने मेहनत के बल पर एचसीएस परीक्षा पास कर क्षेत्र का नाम रोशन किया है। साहिल ने एचसीएस परीक्षा में 48वां रैंक हासिल किया है। साहिल त्यागी के एचसीएस अधिकारी बनने की खबर पता चलते ही उनके घर बधाई देने वालों का तांता लग गया। साहिल त्यागी के पिता जोगेंद्र त्यागी किसान हैं। गांव के सरकारी स्कूल में की। 5 वीं से 12वीं कक्षा की पढ़ाई उन्होंने गन्नौर के राजकीय मॉडल संस्कृति स्कूल से की। साहिल ने हिंदू कॉलेज सोनीपत से बीएससी पहली डिवीजन में उत्तीर्ण की और इसके बाद एमएसई परीक्षा भी पास की। लॉकडाउन मंन उन्होंने सरकारी नौकरी के लिए कोचिंग ली। जिसके बाद उन्हें चंडीगढ़ प्रशासन में क्लर्क की नौकरी मिली। तीन साल नौकरी करते हुए साहिल ने अपनी एचसीएस परीक्षा की तैयारी नहीं छोड़ी। साहिल त्यागी की इस उपलब्धी से उनके पूरा परिवार व रिश्तेदार बेहद खुश हैं और उन्हें बधाइयां दे रहे हैं।

समाधान शिविरों में लोगों का बढ़ता विश्वास 104 समस्याओं का समाधान

एजेंसी

सोनीपत। आम जन की समस्याओं के त्वरित समाधान के लिए जिला व उपमंडल स्तर पर आयोजित समाधान शिविरों में लोगों का विश्वास लगातार बढ़ रहा है। निगमायुक्त विश्राम मीणा ने लघु सचिवालय में समाधान शिविर में लोगों की समस्याएं सुनी और अधिकारियों को निर्देश दिए कि तुरंत समाधान करें।

शिविर में 104 शिकायतें आई, जिनमें से अधिकांश का मौके पर ही समाधान किया गया। समाधान शिविर में फैमिली आईडी, प्रॉपर्टी आईडी, राजस्व विभाग और बिजली विभाग की समस्याओं का निवारण हुआ। अतिरिक्त उपायुक्त अंकिता चौधरी ने बताया कि परिवार पहचान पत्र संबंधी समस्याओं के समाधान के लिए 21 जून तक विशेष कैंप आयोजित किए जा रहे हैं।

गांव फरमाणा के सरपंच जगदीश ने बताया कि उनके गांव में पीने के पानी की समस्या लंबे समय से थी। समाधान शिविर में शिकायत दर्ज करने के बाद समस्या का तुरंत

समाधान हुआ। गोहाना के एसडीएम विवेक आर्य ने अपने कार्यालय में समाधान शिविर लगाकर लोगों की समस्याएं सुनीं और प्राथमिकता के साथ उनका निवारण किया। उन्होंने अधिकारियों को निर्देश दिए कि बिजली, पीने के पानी, सिंचाई और परिवार पहचान पत्र से संबंधित समस्याओं का शीघ्र समाधान करें।

इस कार्यक्रम में डीसीपी नरेंद्र सिंह, नगराधीश पूजा कुमारी, एसडीएम अमित कुमार, डीआरओ हरिओम अत्री व अधिकारी मौजूद थे। समाधान शिविरों में लोगों का विश्वास बढ़ता जा रहा है, जिससे प्रतिदिन अधिक लोग अपनी समस्याओं के समाधान के लिए आगे आ रहे हैं।

महाविद्यालयों-विश्वविद्यालयों में जल्द होंगी भर्तियां: शिक्षा मंत्री

एजेंसी

चंडीगढ़। हरियाणा की शिक्षा मंत्री सीमा त्रिखा ने बताया कि प्रदेश की उच्चतर शिक्षा को बढ़ावा देने के लिए राज्य सरकार प्रयासरत है। प्रदेश के महाविद्यालयों और विश्वविद्यालयों में शैक्षणिक तथा गैर- शैक्षणिक क्षेत्र के रिक्त पदों को जल्द भरा जाएगा। शिक्षा मंत्री ने वेलफेयर एसोसिएशन ऑफ़ मैनेजमेंट ऑफ़ प्राइवेट एडिड कॉलेजिज के प्रतिनिधमंडल से मुलाकात के दौरान यह जानकारी दी। प्रतिनिधिमंडल के सदस्यों के साथ कैथल विधानसभा क्षेत्र से विधायक लीला राम , एसोसिएशन के प्रेजिडेंट पूर्व विधायक तेजवीर सिंह, महासचिव सरदार एएस ओबेरॉय भी शामिल थे। वेलफेयर एसोसिएशन ने शिक्षा मंत्री से मांग की कि प्रदेश के गवर्नमेंट एडिड कॉलेजों में शैक्षणिक तथा गैर- शैक्षणिक स्वीकृत पदों में से रिक्त पड़े पदों

को भरने की अनुमति दी जाए ताकि विद्यार्थियों की पढ़ाई प्रभावित न हो। उन्होंने बताया कि दिसंबर 2023 में उच्चतर शिक्षा विभाग के निदेशक की ओर से राज्य के सभी गवर्नमेंट एडिड प्राइवेट कॉलेजों को एक पत्र भेजकर आगामी आदेशों तक शैक्षणिक तथा गैर - शैक्षणिक स्टॉफ की भर्ती न करने के निर्देश दिए गए थे। पहले दी गई अनुमति को भी वापस ले लिया गया था।

निदेशक के इन निर्देशों के कारण अब प्रदेश के गवर्नमेंट एडिड प्राइवेट कॉलेजों में रिक्त पड़े (शैक्षणिक तथा गैर - शैक्षणिक) पदों को न भरने के कारण विद्यार्थियों की पढ़ाई प्रभावित हो रही है। शिक्षा मंत्री ने एसोसिएशन के सदस्यों को आश्वासन दिया कि वे इस मामले का अध्ययन करवा कर सकारात्मक कार्रवाई करेंगी। उन्होंने कहा कि राज्य सरकार प्रदेश में उच्चतर शिक्षा में कई बदलाव लाकर युवाओं को आत्मनिर्भर करने की दिशा में कदम उठा रही है। उन्होंने बताया कि बड़ी संख्या में कॉलेजों और विश्वविद्यालयों में सात वर्ष के दौरान हरियाणा में सकल नामांकन अनुपात (जीईआर) में उल्लेखनीय वृद्धि देखी गई है। हरियाणा में जीईआर 32 प्रतिशत है, जिसमें से अखिल भारतीय सर्वेक्षण रिपोर्ट 2020-21 के अनुसार महिला जीईआर 34.8 प्रतिशत है, जबकि राष्ट्रीय जीईआर 27.5 प्रतिशत और राष्ट्रीय महिला जीईआर 27.8 प्रतिशत है। हमारा लक्ष्य वर्ष 2025 तक जीईआर 50 प्रतिशत करना है।

समाधान शिविरों की वीडियोग्राफी करवाएगी सरकार

चंडीगढ़। हरियाणा के मुख्य सचिव टीवीएसएन प्रसाद ने सभी जिलों को निर्देश दिए हैं कि वे जिला मुख्यालयों तथा उप-मंडलों में आयोजित 'समाधान शिविरों' में जिला लोक सम्पर्क एवं शिकायत निवारण समितियों के आम सदस्यों की भागीदारी सुनिश्चित करें। उन्होंने सभी जिले बेहतर निगरानी के लिए उपस्थित होने वाले ऐसे सदस्यों की सूची उनके कार्यालय के साथ साझा करें। मुख्य सचिव प्रसाद बुधवार को प्रदेश के सभी जिलों में आयोजित किए जा रहे 'समाधान शिविरों' में जन शिकायतों के समाधान की प्रगति की समीक्षा के लिए वीडियो कॉन्फ्रेंसिंग के माध्यम से सभी मंडल आयुक्तों तथा उपायुक्तों के साथ बैठक की अध्यक्षता कर रहे थे।

लोगों की समस्याओं का निवारण प्रशासन की प्राथमिकता: आर के सिंह

एजेंसी

सिरसा। प्रदेश सरकार की जिला व मंडल स्तर पर चलाई गई समाधान शिविर की पहल आमजन को राहत देने का काम रही है। समाधान शिविर में लोगों की समस्याओं का निदान हो रहा है। समाधान शिविर के दसवें दिन 112 शिकायत उपायुक्त आर.के सिंह के समक्ष पहुंची। इन शिकायतों में से कुछेक का मौके पर ही समाधान कर दिया गया, शेष के समाधान के लिए संबंधित अधिकारियों को दिशा निर्देश कर रिपोर्ट देने को कहा गया।

समाधान शिविर में न केवल मोके पर समाधान हो रहा है बल्कि जिन समस्याओं का बाद में समाधान हो जाता है, उसकी सुनिश्चित के लिए संबंधित प्रार्थी से फोन कर समाधान की जानकारी ली जाती है। इसके लिए बाकायदा उपायुक्त पहले ही सभी को अपनी समस्या एप्लिकेशन पर अपना फोन नंबर अवश्य अंकित करने की हिदायत देते रहते हैं।

गांव पंजुआना निवासी मंगत राम समाधान शिविर में फैमली आईडी में इनकम अधिक होने की समस्या को लेकर पहुंचा। उनका कहना था कि उनकी अधिक इनकम शो होने की वजह से सरकार की

योजनाओं का लाभ मिलने में परेशानी आ रही थी। उपायुक्त ने मौके पर एडीसी को समाधान के निर्देश दिए। मौके पर ही फैमली आईडी में उसकी इनकम को सही कर दिया गया। समस्या का समाधान होने पर मंगत राम खुश नजर आए और सरकार के समाधान शिविर की पहल की सराहना की।

जिला में समाधान शिविर के दसवें दिन 112 शिकायतें विभिन्न समस्याओं को लेकर उपायुक्त के समक्ष रखी गई। इनमें से कुछेक का मौके पर ही निदान कर दिया गया शेष पर अधिकारियों को समाधान कर रिपोर्ट देने को कहा। सबसे अधिक 32 शिकायतें फैमली आईडी से सम्बंधित रही। इसके अन्य शिकायतें विभिन्न विभागों से संबंधित थी।

एक नेता से पार्टी नहीं चलती, नेता छोड़ रहें है कांग्रेस: मदन चौहान

एजेंसी

यमुनानगर। कांग्रेस की अंदरूनी कलह इतनी हो गई है कि कुछ कांग्रेस नेता पार्टी को अपना समझ बैठे हैं और कांग्रेस में आपस की फूट इतनी अधिक है कि नेता अब कांग्रेस छोड़कर भाजपा में शामिल हो रहे हैं। भाजपा एक परिवार है इसलिए वह सभी का स्वागत करते हैं। यह कहना है निवर्तमान मेयर मदन चौहान का, जो गोविंदपुरी स्थित कार्यालय में पत्रकारों से बातचीत कर रहे थे। मदन चौहान ने यह जानकारी देते हुए कहा कि भाजपा एक परिवार है। लेकिन जो भाजपा पर सवाल उठा रहे हैं, वह खुद के गरीबान में झांक कर देखें। कांग्रेस के अंदर इतनी कलह है कि वह अब बाहर आने लगी है। कांग्रेस के नेता कांग्रेस को छोड़कर भाजपा में शामिल हुए हैं भाजपा ने उनका स्वागत किया है।

उन्होंने कहा कि कांग्रेस अपनी ही पीठ थपथपा रही है कि वह प्रदेश में अपनी सरकार बनाएंगे लेकिन कांग्रेस के अंदर ही इतनी गुटबाजी है कि वह जनता को तो क्या एक करेंगे, खुद ही एक नहीं हो सकते। उन्होंने कहा कि किरण चौधरी व उनकी बेटी श्रुति चौधरी ने भाजपा का दामन थाम लिया इस पर उनका भाजपा परिवार में स्वागत है और भाजपा में सभी का मान सम्मान किया जाता है।

ग्रामीण बस्ती योजना के 96 पात्र परिवारों को मिल सकेगा प्लॉट का कब्जा

उपायुक्त ने गांव मौहला के रेवेन्यू रिकार्ड को दुरुस्त करने के दिए निर्देश

एजेंसी

हिसार। उपायुक्त प्रदीप दहिया ने राजस्व विभाग के अधिकारियों को निर्देश दिए कि वे मौहला गांव का दौरा कर रेवेन्यू रिकार्ड को दुरुस्त करना सुनिश्चित करें, ताकि गांव के महात्मा गांधी ग्रामीण बस्ती योजना के 96 पात्र परिवारों को प्लॉटों का कब्जा मिल सके। अगर आवश्यकता पड़े तो इस कार्य के लिए गांव में शिविर भी आयोजित किया जाए। वे लघु सचिवालय परिसर स्थित जिला सभागार में आयोजित समाधान शिविर में जनता की शिकायतों को सुन उनका समाधान कर रहे थे।

उन्होंने सभी अधिकारियों को निर्देश दिए कि किसी भी सरकारी योजना का कोई भी पात्र व्यक्ति लाभ से वंचित नहीं रहना चाहिए। हर पात्र परिवार को उनका हक हर हाल में मिलना चाहिए। अगर कोई अधिकारी या कर्मचारी सरकार के इस उद्देश्य में अड़चन पैदा करने की चेष्टा करेगा तो उसके खिलाफ सख्त कार्रवाई

अमल में लाई जाएगी। उन्होंने कहा कि कभी-कभी देखने में आता है कि अधिकारी अनावश्यक रूप से सरकारी कार्यों के लिए एफिडेविट की मांग करते हैं। उपायुक्त ने इस संबंध में सभी अधिकारियों को स्पष्ट निर्देश दिए कि कोई भी अधिकारी सरकारी नियमों की उल्लंघना कर अनावश्यक रूप से एफिडेविट की मांग न करें। अगर एफिडेविट लेने का कोई नियम बनता है तो ही एफिडेविट ले सकते हैं। इस संबंध में उन्होंने एक शिकायत का भी मौके पर ही समाधान किया। गांव फरीदपुर निवासी बलराज की सौलर वॉटर पंप संबंधी शिकायत पर उपायुक्त ने संबंधित अधिकारियों को निर्देश दिए कि वे 15 दिन के अंदर सोलर कनेक्शन जारी करें। गांव बडाला निवासी सुमित कुमार ने अपनी शिकायत में कहा कि उनके पिता शहीद राममेहर की स्मृति में गांव में शहीद स्मारक बनकर तैयार हो गया है, लेकिन उसमें शहीद प्रतिमा स्थापित नहीं हुई है। । इस पर उपायुक्त ने संबंधित अधिकारी को निर्देश दिए कि शिकायत का जल्द समाधान किया जाए।

मनरेगा मजदूरों व मेट ने अपनी मांगों को लेकर किया प्रदर्शन

एजेंसी

जींद। नेहरू पार्क में जिले के मनरेगा मजदूरों व मेट अपनी मांगों एवं समस्याओं को लेकर प्रदर्शन किया। इस दौरान मजदूरों ने प्रदेश सरकार व सीईओ जिला परिषद के खिलाफ जमकर नारेबाजी की। जब अढाई से तीन घंटों तक सीईओ मांग पत्र लेने नहीं आई तो मजदूरों ने डीआरडीए के बाहर रोड पर सीईओ का पुतला दहन किया। जनसभा की अध्यक्षता मनरेगा श्रमिक यूनियन के जिला संयोजक अशोक रूपगढ़ व संचालन राजेश कुमार ने किया। जनसभा को संबोधित करते हुए रमेशचंद्र, जिला सचिव कपूर सिंह, सूरजभान खरेंटी ने बताया कि भाजपा की केंद्र व प्रदेश सरकारों द्वारा मनरेगा पर लगातार हमले किए जा रहे हैं। मनरेगा के बजट में हर साल लगातार कटौती की जा रही है। इसके इलावा प्रदेश में मनरेगा मजदूरों को न्यूनतम मजदूरी से कम मजदूरी दी जा रही है। मनरेगा के मजदूरों को पिछले तीन-चार साल से पांच किलोमीटर दूर काम पर जाने पर भी किराया नहीं दिया जा रहा। दुर्घटना में चोट लगने पर कोई इलाज का प्रबंध नहीं किया जा रहा है। उन्होंने मांग की कि मनरेगा मजदूरों की जिओ टैग व ऑनलाइन हाजिरी पर रोक लगाई जाए। मजदूरों को गांव से दूर काम करने पर मनरेगा के तहत किराया दिया जाए। मनरेगा मजदूरों को दुर्घटना होने पर फ्री इलाज का प्रबंध किया जाए और मृत्यु उपरांत परिवार को 10 लाख मुआवजा दिया जाए। मजदूरों को काम के औजार जैसे कस्सी, तसला, सेफ्टी किट इत्यादि उपलब्ध करवाई जाए। सभी गांव में मनरेगा के काम सुचारू रूप से शुरू करवाया जाए। सभी मजदूरों को काम दिया जाए और नए जॉब कार्ड बनाए जाए। मेटों व मजदूरों की बकाया मजदूरी का तुरन्त भुगतान किया जाए। मेटों को कुशल वर्कर का दर्जा दिया जाए और स्मार्ट फोन व रिचार्ज आदि का प्रबंध किया जाए तथा मनरेगा संबंधित कार्य के लिए जिला एवं ब्लॉक मुख्यालय पर आने.जाने का किराया आदि दिया जाए। मनरेगा में 200 दिन काम 700 रुपये मजदूरी दी जाए।

कच्चा तेल 86 डॉलर प्रति बैरल के करीब, पेट्रोल-डीजल की कीमत स्थिर

एजेंसी

नई दिल्ली। अंतराष्ट्रीय बाजार में कच्चे तेल की कीमत में उतार-चढ़ाव जारी है। ब्रेंट क्रूड का मूल्य 86 डॉलर और डब्ल्यूटीआई क्रूड 82 डॉलर प्रति बैरल के करीब पहुंच गया है। सार्वजनिक क्षेत्र की तेल एवं गैस विपणन कंपनियों ने पेट्रोल-डीजल के मूल्य में कोई बदलाव नहीं किया है। अंतराष्ट्रीय बाजार में हफ्ते के तीसरे दिन शुरुआती कारोबार में ब्रेंट क्रूड 0.03 डॉलर यानी 0.04 फीसदी बढ़कर 85.36 डॉलर और वेस्ट टेक्सस इंटरमीडिएट (डब्ल्यूटीआई) क्रूड 0.07 डॉलर यानी 0.09 फीसदी लुढ़ककर 81.50 डॉलर प्रति बैरल पर कारोबार कर रहा है। इंडियन ऑयल की वेबसाइट के मुताबिक दिल्ली में पेट्रोल 94.72 रुपये, डीजल 87.62 रुपये, मुंबई में पेट्रोल 104.21 रुपये, डीजल 92.15 रुपये, कोलकाता में पेट्रोल 103.94 रुपये, डीजल 90.76 रुपये, चेन्नई में पेट्रोल 100.75 रुपये और डीजल 92.34 रुपये प्रति लीटर की दर पर उपलब्ध है।

टाटा मोटर्स बढ़ाएगी वाणिज्यिक वाहनों की कीमत, एक जुलाई से दो फीसदी तक बढ़ेंगे दाम

एजेंसी

नई दिल्ली। टाटा मोटर्स ने जिंस कीमतों में बढ़ोतरी के मद्देनजर एक जुलाई, 2024 से अपने वाणिज्यिक वाहनों के दाम दो प्रतिशत तक बढ़ाने की घोषणा की है। टाटा मोटर्स ने जारी एक बयान में कहा कि जिंस कीमतों में बढ़ोतरी के मद्देनजर वाणिज्यिक वाहनों के दाम में दो फीसदी की वृद्धि की गई है। कंपनी ने कहा कि कीमतों में ये बढ़ोतरी एक जुलाई से वाणिज्यिक वाहनों की पूरी श्रृंखला पर लागू होगी, जो अलग-अलग मॉडल और संस्करण के हिसाब से भिन्न होगी। कंपनी ने उत्पादन लागत में बढ़ोतरी की वजह से एक अप्रैल, 2024 से कीमतों में दो फीसदी की बढ़ोतरी की थी। उल्लेखनीय है कि टाटा मोटर्स देश की प्रमुख वाणिज्यिक वाहन निर्माता कंपनी है। यह ट्रक, बस और अन्य वाणिज्यिक वाहनों का निर्माण करती है। ये टाटा समूह की अगुवाई वाली प्रमुख कंपनियों में से एक है।

10 लाख नौकरी मिलने की उम्मीद, उद्योग में प्रतिभा की मांग और आपूर्ति में 55-60 फीसदी का अंतर

एजेंसी

नई दिल्ली। हॉस्पिटैलिटी क्षेत्र में कुछ वर्षों में लगभग 10 लाख नौकरियां बढ़ने की उम्मीद है। कोरोना के बाद उबरे इस क्षेत्र को प्रतिभाओं की भारी कमी का सामना करना पड़ रहा है। रैंडस्टैड इंडिया के निदेशक संजय शेट्टी ने कहा, उद्योग में प्रतिभा की मांग और आपूर्ति का अंतर 55-60 फीसदी है। शेट्टी ने कहा, महामारी के बाद नौकरियों में उछाल के कारण प्रतिभा की मांग में कमी देखने को मिली है। यह रफ्तार अगले कुछ वर्षों तक जारी रह सकती है। इस वजह से कम से कम 10 लाख नौकरियां पैदा होंगी। हॉस्पिटैलिटी क्षेत्र के विशेषज्ञों के मुताबिक, कुछ कंपनियां मौजूदा प्रतिभा को निखार रही हैं। मांग को पूरा करने के लिए अन्य उद्योगों से भर्ती भी कर रही हैं। इस वजह से अन्य क्षेत्रों ने प्रतिस्पर्धी वेतन, लाभ और करियर विकास की पेशकश कर प्रतिभाओं को आकर्षित करने के प्रयास तेज किए हैं। टीमलीज डिग्री अप्रेंटिसशिप के उपाध्यक्ष धृति प्रसन्ना महंत ने कहा, अनुमान है कि 2023 के दौरान पर्यटन और हॉस्पिटैलिटी उद्योग ने लगभग 1.11 करोड़ लोगों को रोजगार दिया है। उद्योग में 2024 तक 1.18 करोड़ लोगों की जरूरत हो सकती है। यह मांग 2028 तक 16.5 फीसदी की वार्षिक वृद्धि के साथ बढ़कर 1.48 करोड़ पहुंच सकती है।

भीषण गर्मी से तीन माह में ही एसी उद्योग में 50फीसदी वृद्धि; हवाई मार्ग से मंगाने पड़ रहे पुर्जे

एजेंसी

नई दिल्ली। देश के अधिकांश हिस्सों में भीषण गर्मी के कारण एयर कंडीशनर (एसी) की बिक्री रिकॉर्ड स्तर पर पहुंच गई है। मांग में आई तेजी को पूरा करने के लिए एसी निर्माता कंपनियों को कम्प्रेसर, क्रॉस फ्लो पंखे/मोटर और पीसीबी सर्किट जैसे कलपुर्जे विदेश से हवाई मार्ग से मंगाने पड़ रहे हैं। डाइकिन एयरकंडीशनिंग इंडिया के चेयरमैन एवं प्रबंध निदेशक (सीएमडी) कंवलजीत जावा ने कहा, भीषण गर्मी के कारण पिछले तीन महीनों में घरेलू एसी उद्योग में करीब 50 फीसदी की वृद्धि देखी गई है। यह उम्मीद से कहीं अधिक है। यह उद्योग के लिए निश्चित रूप से बहुत ही उत्साहपूर्ण स्थिति है। हालांकि, एसी की बढ़ी मांग की तुलना में कंपनियों को कलपुर्जों की कमी का सामना करना पड़ रहा है।

माइक्रोसॉफ्ट को पछाड़कर दुनिया की सबसे वैल्युएबल कंपनी बनी एनवीडिया

एजेंसी

नई दिल्ली। अमेरिका की सेमीकंडक्टर चिप बनाने वाली कंपनी एनवीडिया दुनिया की सबसे मूल्यवान कंपनी बन गई है। एनवीडिया ने माइक्रोसॉफ्ट को पछाड़कर यह उपलब्धि हासिल की है। कंपनी के शेयरों में 3.5 फीसदी की तेजी आने से उसका बाजार पूंजीकरण (मार्केट कैप) 3.34 ट्रिलियन डॉलर पहुंच गया है।

एनवीडिया कॉर्प का शेयर 4.60 डॉलर यानी 3.51 फीसदी की तेजी के साथ 135.58 डॉलर (करीब 11,300 रुपये) पर बंद हुआ। शेयर में इस तेजी से कंपनी का मार्केट कैप 3.34 ट्रिलियन डॉलर (करीब 278 लाख करोड़ रुपये) हो गया है। वहीं, माइक्रोसॉफ्ट का मार्केट कैप 3.32 ट्रिलियन डॉलर (करीब 276 लाख करोड़ रुपये) पर आ गया। इसके साथ ही माइक्रोसॉफ्ट अब दुनिया की दूसरी सबसे मूल्यवान कंपनी बन गई है, जबकि एप्पल 3.27 ट्रिलियन

डॉलर (करीब 274 लाख करोड़ रुपये) मार्केट कैप के साथ तीसरे नंबर पर है। उल्लेखनीय है कि चिप बनाने वाली अमेरिकी कंपनी एनवीडिया इस महीने एप्पल को पछाड़कर दुनिया की दूसरी सबसे मूल्यवान कंपनी बनी थी। यह कंपनी पहले से ही दुनिया की सबसे मूल्यवान सेमीकंडक्टर चिप बनाने वाली फर्म है। इसके भारत में 4 इंजीनियरिंग डेवलपमेंट सेंटर हैदराबाद, पुणे, गुरुग्राम और बेंगलुरु में स्थित हैं।

एयर इंडिया जुलाई से चुनिंदा घरेलू मार्गों पर शुरू करेगी प्रीमियम इकनॉमी श्रेणी

एजेंसी

नई दिल्ली। टाटा समूह की अगुवाई वाली एयर इंडिया अगले महीने से चुनिंदा घरेलू मार्गों पर प्रीमियम इकनॉमी श्रेणी शुरू करने जा रही है। एयर इंडिया यह श्रेणी उपलब्ध कराने वाली दूसरी भारतीय एयरलाइन कंपनी होगी। फिलहाल सिर्फ विस्तारा ही घरेलू मार्गों पर प्रीमियम इकनॉमी यात्रा श्रेणी उपलब्ध कराती है।

एयर इंडिया ने 'एक्स' पोस्ट पर जारी एक बयान में बताया कि उसने अपने पहले दो रिफिटेड नए ए-320 नियो विमानों को तीन श्रेणियों में बांटा है। इनमें बिजनेस श्रेणी में आठ और प्रीमियम इकनॉमी में पैर रखने के लिए अतिरिक्त जगह के साथ 24 सीटें हैं। इसमें 132 इकनॉमी श्रेणी की सीटें भी उपलब्ध होंगी। कंपनी ने कहा कि हमारी चुनिंदा घरेलू और छोटी दूरी की अंतराष्ट्रीय उड़ानों पर बिजनेस क्लास की इस सुविधा का आनंद श्रेणियों की बिजनेस क्लास की पेशकश यात्रा अनुभव को बेहतर

लें। एयर इंडिया के मुख्य कार्यपालक अधिकारी (सीईओ) और प्रबंध निदेशक (एमडी) कैंपबेल विल्सन ने कहा कि छोटे आकार के विमान बेड़े में तीन बनाने की दृष्टि से महत्वपूर्ण कदम है। यह पहली बार है जब एयरलाइन ने अपने छोटे आकार के विमान में प्रीमियम इकनॉमी केबिन पेश किया है।

श्री जी. किशन रेड्डी 21 जून को 60 कोयला ब्लॉकों के लिए वाणिज्यिक कोयला खदानों की नीलामी के 10वें दौर का शुभारंभ करेंगे

एजेंसी

नई दिल्ली। घरेलू कोयला उत्पादन बढ़ाने और राष्ट्र के लिए ऊर्जा सुरक्षा सुनिश्चित करने के लिए एक महत्वपूर्ण कदम उठाते हुए कोयला मंत्रालय कोयला ब्लॉक नीलामी का अगला दौर शुरू करने के लिए तैयार है। केंद्रीय कोयला और खान मंत्री श्री जी. किशन रेड्डी 21 जून, 2024 को हैदराबाद में वाणिज्यिक कोयला खनन नीलामी के 10वें दौर का शुभारंभ करेंगे। इस अवसर पर कोयला और खान राज्य मंत्री श्री सतीश चंद्र दुबे, तेलंगाना के उप मुख्यमंत्री श्री मल्लू भट्टी विक्रमार्क और कोयला मंत्रालय के सचिव श्री अमृत लाल मीणा उपस्थित रहेंगे।

यह पहल कोयला क्षेत्र के भीतर पारदर्शिता, प्रतिस्पर्धा और स्थिरता को बढ़ावा देने के लिए तैयार है। आगामी नीलामी दौर में 60 कोयला ब्लॉक शामिल हैं, जिसमें कोकिंग और गैर-कोकिंग कोयला खदानों की एक विविध श्रृंखला शामिल है। रणनीतिक रूप से विभिन्न राज्यों/क्षेत्रों में स्थित ये ब्लॉक क्षेत्रीय आर्थिक

विकास और रोजगार सृजन में सहायता करेंगे। इस नीलामी दौर का शुभारंभ कोयला क्षेत्र में आत्मनिर्भरता प्राप्त करने के मिशन में एक महत्वपूर्ण क्षण का प्रतीक है। पारदर्शी और प्रतिस्पर्धी बोली के लिए और अधिक ब्लॉक खोलकर भारत सरकार आर्थिक विकास एवं ऊर्जा सुरक्षा को बढ़ावा देने के लिए भारत के विशाल कोयला भंडार को खोल रही है। सरकार दीर्घकालिक खनन प्रथाओं के लिए प्रतिबद्ध है जो पर्यावरण प्रबंधन के साथ आर्थिक विकास को संतुलित करती है। पिछली सफल नीलामियों के मद्देनजर वाणिज्यिक कोयला खनन नीलामी का आगामी 10वां दौर इस क्षेत्र को आगे बढ़ाने के लिए मंत्रालय की दृढ़ प्रतिबद्धता को दर्शाता है। आगामी दौर की नीलामी में कुल 60 कोयला खदानों की पेशकश की जाएगी। इनमें से 24 कोयला खदानों का पूरी तरह से अन्वेषण किया गया है, जबकि 36 का आंशिक रूप से अन्वेषण किया गया है।

इसके अतिरिक्त, वाणिज्यिक कोयले के 9वें दौर के दूसरे प्रयास के तहत 5 कोयला खदानों की पेशकश की जा रही है। इनमें से 4 का पूरी तरह से अन्वेषण किया गया है और एक आंशिक रूप से अन्वेषण किया गया है। इसके अतिरिक्त राउंड 8 के दूसरे प्रयास के तहत 2 कोयला खदानों की पेशकश की जा रही है। इनमें से एक का पूरी तरह से अन्वेषण किया गया है और एक का आंशिक रूप से अन्वेषण किया गया है।

देश के लिए पहला अवसर, जब भारत के 9 प्रमुख बंदरगाह विश्व बैंक द्वारा जारी वैश्विक शीर्ष 100 बंदरगाहों की सूची में शामिल: श्री सर्बानंद सोनोवाल

एजेंसी

नई दिल्ली। विश्व बैंक और एसएंडपी ग्लोबल मार्केटिंग इंटेलिजेंस द्वारा साल 2023 के लिए तैयार की गई विशेष रिपोर्ट कंटेनर पोर्ट परफॉर्मेंस इंडेक्स (सीपीपीआई) में भारत के बंदरगाह विकास कार्यक्रम के प्रदर्शन को महत्वपूर्ण रूप सराहा गया है। इस रिपोर्ट के नवीनतम संस्करण में भारत के 9 बंदरगाहों ने वैश्विक शीर्ष 100 बंदरगाहों में अपनी जगह बनाई है। इस सराहनीय उपलब्धि पर केंद्रीय पत्तन, पोत परिवहन एवं जलमार्ग मंत्री सर्बानंद सोनोवाल ने बंदरगाहों के आधुनिकीकरण और उनकी दक्षता में सुधार के लिए प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी द्वारा परिकल्पित महत्वाकांक्षी सागरमाला कार्यक्रम को मुख्य रूप से श्रेय दिया है। केंद्रीय मंत्री सर्बानंद सोनोवाल ने इस अवसर पर अपने संबोधन में कहा कि यह भारतीय पत्तनों के लिए एक बड़ी उपलब्धि है। उन्होंने कहा कि यह श्री नरेन्द्र मोदी सरकार द्वारा बंदरगाहों के कार्य प्रदर्शन में सुधार लाने और उनकी दक्षता बढ़ाने के उद्देश्य से आधुनिकीकरण, मशीनीकरण एवं प्रौद्योगिकीय रूप से दक्ष बनाने के लिए किए गए प्रयासों का प्रमाण है। श्री सर्बानंद सोनोवाल ने स्पष्ट किया कि परिचालन दक्षता व सेवा वितरण के माध्यम से जहाजों और कार्गो के कुशल संचालन में उल्लेखनीय सुधार हुआ है। उन्होंने कहा कि प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी जी के दूरदर्शी नेतृत्व के परिणामस्वरूप हम सागरमाला जैसी पथ-प्रदर्शक महत्वाकांक्षी गतिविधियों के माध्यम से अपने बंदरगाहों की दक्षता में सुधार करने में सक्षम हुए हैं। केंद्रीय मंत्री ने बताया कि इससे हमें वैश्विक बाजारों की स्थिरता और भारत के समुद्री व्यापार की स्थिरता सुनिश्चित करने के लिए कार्य कुशलता बढ़ाने, नई प्रौद्योगिकी को शामिल करने तथा हरित बुनियादी ढांचे को शामिल करने में मदद मिली है।

अपतटीय पवन ऊर्जा परियोजनाओं के लिए वीजीएफ योजना को मंजूरी

एजेंसी

नई दिल्ली। सरकार ने गुजरात और तमिलनाडु में पांच-पांच सौ मेगावाट क्षमता की दो अपतटीय पवन ऊर्जा परियोजनाओं के लिए व्यवहार्यता अंतर निधि (वीजीएफ) योजना को मंजूरी दी, जिसका कुल परिव्यय 7453 करोड़ रुपये है।

प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी की अध्यक्षता में हुयी केन्द्रीय मंत्रिमंडल की बैठक में इस आशय के प्रस्ताव को मंजूरी दी गयी।

सूचना प्रसारण मंत्री अश्विनी वैष्णव ने बैठक में लिए गये निर्णयों की जानकारी देते हुये यहां संवाददाताओं से कहा कि इसमें एक गीगावाट की अपतटीय पवन ऊर्जा परियोजनाओं (गुजरात और तमिलनाडु के तट पर 500-500 मेगावाट प्रत्येक) की स्थापना और कमीशनिंग के लिए 6853 करोड़ रुपये का परिव्यय और अपतटीय पवन ऊर्जा परियोजनाओं की आवश्यकताओं को पूरा करने के लिए दो बंदरगाहों के उन्नयन के लिए 600 करोड़ रुपये का अनुदान शामिल है।

उन्होंने कहा कि वीजीएफ योजना 2015 में अधिसूचित राष्ट्रीय अपतटीय पवन ऊर्जा नीति के कार्यान्वयन की दिशा में एक बड़ा कदम है, जिसका उद्देश्य भारत के अनन्य आर्थिक क्षेत्र में मौजूद विशाल अपतटीय पवन ऊर्जा क्षमता का दोहन करना है। सरकार की ओर से वीजीएफ सहायता अपतटीय पवन ऊर्जा परियोजनाओं से बिजली की लागत को कम करेगी और उन्हें डिस्कॉम द्वारा खरीद के लिए व्यवहार्य बनाएगी जबकि परियोजनाएं पारदर्शी बोली प्रक्रिया के माध्यम से चुने गए निजी डेवलपर्स द्वारा स्थापित की जाएंगी, अपतटीय सबस्टेशनों सहित बिजली उत्खनन बुनियादी ढांचे का निर्माण पावर ग्रिड कॉरपोरेशन ऑफ इंडिया लिमिटेड (पीजीसीआईएल) द्वारा किया जाएगा। नोडल मंत्रालय के रूप में नवीन और नवीकरणीय ऊर्जा मंत्रालय योजना के सफल

कार्यान्वयन को सुनिश्चित करने के लिए विभिन्न मंत्रालयों/विभागों के साथ समन्वय करेगा। अपतटीय पवन ऊर्जा परियोजनाओं के निर्माण और इसके संचालन के लिए विशिष्ट बंदरगाह बुनियादी ढांचे की भी आवश्यकता होती है, जो भारी और बड़े आयाम वाले उपकरणों के भंडारण और आवाजाही को संभाल सकता है।

उन्होंने कहा कि योजना के तहत, देश के दो बंदरगाहों को अपतटीय पवन विकास की आवश्यकताओं को पूरा करने के लिए बंदरगाह, जहाजरानी और जलमार्ग मंत्रालय द्वारा समर्थन दिया जाएगा। अपतटीय पवन नवीकरणीय ऊर्जा का एक स्रोत है जो तटवर्ती पवन और सौर परियोजनाओं की तुलना में कई फायदे प्रदान करता है, जैसे उच्च पर्याप्तता और विश्वसनीयता, कम भंडारण आवश्यकता और अधिक रोजगार क्षमता। अपतटीय पवन ऊर्जा क्षेत्र के विकास से निवेश आकर्षित करने, स्वदेशी विनिर्माण क्षमताओं के विकास, मूल्य श्रृंखला में रोजगार के अवसरों के सृजन और देश में अपतटीय पवन ऊर्जा के लिए प्रौद्योगिकी विकास के माध्यम से अर्थव्यवस्था-व्यापी लाभ होगा। यह भारत के ऊर्जा संक्रमण लक्ष्यों को प्राप्त करने में भी योगदान देगा।

श्री वैष्णव ने कहा कि एक गीगावाट अपतटीय पवन परियोजनाओं के सफल संचालन से सालाना लगभग 3.72 अरब यूनिट नवीकरणीय बिजली का उत्पादन होगा, जिसके परिणामस्वरूप 25 वर्षों की अवधि के लिए कार्बन उत्सर्जन में 29.8 लाख टन की वार्षिक कमी आएगी। इसके अलावा, यह योजना न केवल भारत में अपतटीय पवन ऊर्जा विकास को गति देगी, बल्कि देश में समुद्र आधारित आर्थिक गतिविधियों के पूरक के लिए आवश्यक पारिस्थितिकी तंत्र का निर्माण भी करेगी। यह पारिस्थितिकी तंत्र लगभग 4,50,000 करोड़ रुपये के निवेश से प्रारंभिक 37 गीगावाट अपतटीय पवन ऊर्जा के विकास का समर्थन करेगा।

खाद्य वस्तुओं पर घरेलू खर्च घटा

एजेंसी

नई दिल्ली। एनएसएसओ के सर्वे में चौंकाने वाले दावेराष्ट्रीय प्रतिदर्श सर्वेक्षण संगठन (एनएसएसओ) ने घरेलू उपभोग व्यय पर सर्वेक्षण किया है। इसके अनुसार उपभोक्ताओं द्वारा खर्च करने के पैटर्न में एक महत्वपूर्ण बदलाव हुआ है। आंकड़ों से पता चलता है कि ग्रामीण और शहरी क्षेत्रों में खाने-पीने पर खर्च में काफी गिरावट आई है। 2022-23 में प्रति व्यक्ति मासिक उपभोग खर्च (एमपीसीई) में खाद्य पदार्थों का योगदान ग्रामीण क्षेत्रों में 46 प्रतिशत हो गया है। 2011-12 के दौरान यह 53 प्रतिशत था। उधर शहरी क्षेत्रों में एमपीसीई में खाद्य पदार्थों का योगदान घटकर 39 प्रतिशत हो गया है। 2011-12 के यह 43 प्रतिशत था। इसी तरह, 2022-23 में एमपीसीई में गैर-खाद्य वस्तुओं की खपत ग्रामीण क्षेत्रों में बढ़कर 54 प्रतिशत हो गई है।

राष्ट्रीय मुद्रीकरण पाइपलाइन ने 3 वर्षों में 3.85 लाख करोड़ रुपये मूल्य की परिसंपत्तियों का मुद्रीकरण किया

एजेंसी

नई दिल्ली। केंद्रीय बजट 2021-22 में की गई घोषणा के अनुरूप राष्ट्रीय मुद्रीकरण पाइपलाइन (एनएमपी), जिसके तहत वर्ष 2021-22 से लेकर वर्ष 2024-25 तक की अवधि के दौरान मुद्रीकरण के लिए केंद्र सरकार के मंत्रालयों/सार्वजनिक क्षेत्र के उद्यमों की संभावित मुख्य परिसंपत्तियों की सूची बनाई गई थी, नीति आयोग द्वारा संबंधित अवसंरचना मंत्रालयों के सहयोग से तैयार की गई थी।

एनएमपी में चार साल की अवधि के दौरान 6 लाख करोड़ रुपये की मुद्रीकरण क्षमता वाली परिसंपत्तियां शामिल थीं। एनएमपी के तहत प्रथम दो वर्षों यानी 2021-22 और 2022-23 के लिए कुल लक्ष्य लगभग 2.5 लाख करोड़ रुपये था, जबकि लगभग 2.30 लाख करोड़ रुपये की प्राप्ति हुई थी। वित्त वर्ष 2023-24 के दौरान 1.8 लाख करोड़ रुपये के लक्ष्य, जो कि सभी चार वर्षों में सबसे अधिक है, के मुकाबले प्राप्ति लगभग 1.56 लाख करोड़ रुपये की हुई है। इसके अलावा वर्ष 2023-24 में यह प्राप्ति वर्ष 2021-22 में हुई प्राप्ति का लगभग 159% है।

2023-24 में अलग-अलग मंत्रालयों के प्रदर्शन के संदर्भ में सड़क परिवहन और राजमार्ग मंत्रालय तथा कोयला मंत्रालय 97,000 करोड़ रुपये की कुल प्राप्ति के साथ शीर्ष दो प्राप्तकर्ता मंत्रालय रहे। निवेशकों को अपनी निवेश योजना कुशलतापूर्वक बनाने में सक्षम करने और इस तरह से मुद्रीकरण प्रक्रिया में तेजी लाने के लिए एनएमपी 2024-25 के दौरान मुद्रीकरण की जाने वाली 33 परिसंपत्तियों की एक सांकेतिक सूची की पहचान और प्रकाशन पहले ही कर दिया है। इसके अलावा बोली प्रक्रिया की सफलता दर बढ़ाने हेतु एनएचएआई ने आईईसीबी की गणना के लिए विचार की गई व्यापक आर्थिक धारणाएं अपनी वेबसाइट पर उपलब्ध करा दी हैं। एनएमपी के तहत कोयला मंत्रालय द्वारा हासिल की गई प्रगति के परिणामस्वरूप कोयला खनन में निवेश में वृद्धि होगी, जिससे कोयला उत्पादन में वृद्धि और ताप विद्युत संयंत्रों को इसकी आपूर्ति के माध्यम से देश में ऊर्जा सुरक्षा बेहतर होगी।

वर्ष 2023-24 में अलग-अलग मंत्रालयों की कुल प्राप्तियों के संबंध में सड़क परिवहन और राजमार्ग मंत्रालय ने 40,314 करोड़ रुपये, कोयला मंत्रालय ने 56,794 करोड़ रुपये, बिजली मंत्रालय ने 14,690 करोड़ रुपये, खान मंत्रालय ने 4,090 करोड़ रुपये, पेट्रोलियम और प्राकृतिक गैस मंत्रालय ने 9,587 करोड़ रुपये, शहरी मंत्रालय ने 6,480 करोड़ रुपये और शिपिंग मंत्रालय ने 7,627 करोड़ रुपये के साथ अपने लिए निर्धारित लक्ष्य का 70% से भी अधिक हासिल कर लिया है।

वर्ल्ड फूड इंडिया 2024 की वेबसाइट और मोबाइल एप्लिकेशन लॉन्च

एजेंसी

नई दिल्ली। केंद्रीय खाद्य प्रसंस्करण उद्योग मंत्री चिराग पासवान और राज्य मंत्री रवनीत सिंह ने वर्ल्ड फूड इंडिया 2024 के लिए वेबसाइट और मोबाइल एप्लिकेशन लॉन्च किया।

मंत्रालय वैश्विक और भारतीय खाद्य क्षेत्र के हितधारकों के बीच सहयोग और साझेदारी को बढ़ावा देने के लिए देश के सबसे बड़े खाद्य कार्यक्रम-वर्ल्ड फूड इंडिया का 19 से 22 सितंबर तक आयोजन कर रहा है। इसके अतिरिक्त, इस वर्ष बढ़ते स्टार्टअप ईको-सिस्टम और नवाचार को बढ़ावा देने के लिए मंत्रालय स्टार्टअप इंडिया के सहयोग से स्टार्टअप ग्रैंड चैलेंज का दूसरा

संस्करण शुरू कर रहा है।

इस अवसर पर मंत्री चिराग पासवान ने कहा कि भारत सरकार ने अपने संपूर्ण सरकारी दृष्टिकोण के माध्यम से खाद्य और संबद्ध क्षेत्रों में मूल्य श्रृंखला के समग्र विकास पर बल दिया है और आत्मनिर्भर और विकसित भारत के लक्ष्य की दिशा में काम कर रहा है। चिराग पासवान ने कहा कि मंत्रालय इस क्षेत्र के विकास को समर्थन और विकास की निरंतरता बनाए रखने के लिए प्रमुख योजनाओं-प्रधानमंत्री किसान संपदा योजना (पीएमकेएसवाई), उत्पादन से जुड़ी प्रोत्साहन योजना (पीएलआईएस) और सूक्ष्म खाद्य प्रसंस्करण उद्यमों के प्रधानमंत्री औपचारिकरण (पीएमएफएमई) को लागू कर रहा है। राज्य मंत्री रवनीत सिंह ने भारत के खाद्य प्रसंस्करण क्षेत्र की परिवर्तनकारी क्षमता पर बल दिया। उन्होंने उल्लेख किया कि विभिन्न सुधारों के माध्यम से निवेश को बढ़ावा देने, भारत के व्यापक बाजार और गतिशील युवा कार्यबल का लाभ उठाने के लिए सरकार का सक्रिय रुख है।

खाद्य प्रसंस्करण उद्योग मंत्रालय की सचिव अनीता प्रवीण ने बताया कि वर्ल्ड फूड इंडिया 2024 के चार दिवसीय कार्यक्रम के लिए वरिष्ठ सरकारी गणमान्य व्यक्तियों, वैश्विक निवेशकों, बिजनेस नेताओं तथा खाद्य प्रसंस्करणकर्ताओं, उपकरण निर्माताओं, लॉजिस्टिक्स और कोल्ड चेन के हितधारकों, प्रौद्योगिकी प्रदाताओं, स्टार्ट-अप्स और खाद्य खुदरा विक्रेताओं जैसे हितधारकों को आमंत्रित किया गया है।

कैबिनेट ने केंद्रीय योजना 'नेशनल फॉरेंसिक इंफ्रास्ट्रक्चर एन्हांसमेंट स्कीम' (एन.एफ.आई.ई.एस.) को मंजूरी दी

एजेंसी

नई दिल्ली। प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी की अध्यक्षता में केंद्रीय मंत्रिमंडल ने आज 2024-25 से 2028-29 की अवधि के दौरान 2254.43 करोड़ रुपये के कुल वित्तीय परिव्यय के साथ केंद्रीय योजना 'नेशनल फॉरेंसिक इंफ्रास्ट्रक्चर एन्हांसमेंट स्कीम' (एन.एफ.आई.ई.एस.) के लिए गृह मंत्रालय के प्रस्ताव को मंजूरी दे दी। इस केंद्रीय योजना का वित्तीय परिव्यय गृह मंत्रालय अपने स्वयं के बजट से प्रदान करेगा।

केंद्रीय मंत्रिमंडल ने इस योजना के तहत निम्नलिखित घटकों को मंजूरी दी है:

- देश में राष्ट्रीय फोरेंसिक विज्ञान विश्वविद्यालय (एनएफएसयू) के परिसरों की स्थापना।
- देश में केंद्रीय फोरेंसिक विज्ञान प्रयोगशालाओं की स्थापना।
- एनएफएसयू के दिल्ली परिसर के मौजूदा बुनियादी ढांचे में बढ़ोतरी।

भारत सरकार साक्ष्यों की वैज्ञानिक और समयबद्ध फोरेंसिक जांच के आधार पर एक प्रभावी और कुशल आपराधिक न्याय प्रणाली स्थापित करने के लिए प्रतिबद्ध है। यह योजना प्रौद्योगिकी में तेज प्रगति का लाभ उठाते हुए और अपराध के उभरते हुए स्वरूप और तरीकों को देखते हुए एक कुशल आपराधिक न्याय प्रक्रिया के लिए साक्ष्यों की समयबद्ध और वैज्ञानिक जांच में उच्च गुणवत्ता वाले प्रशिक्षित फोरेंसिक पेशेवरों के महत्व को रेखांकित करती है। नए आपराधिक कानूनों के अधिनियमन के तहत 7 साल या उससे अधिक की सजा वाले अपराधों के लिए फोरेंसिक जांच को अनिवार्य बनाया गया है। ऐसे में फोरेंसिक विज्ञान प्रयोगशालाओं के कार्यभार में उल्लेखनीय वृद्धि की उम्मीद है। इसके अलावा, देश में फोरेंसिक विज्ञान प्रयोगशालाओं (एफएसएल) में प्रशिक्षित फोरेंसिक पेशेवरों की काफी कमी है। तेजी से बढ़ती इस मांग को पूरा करने के लिए, राष्ट्रीय फोरेंसिक बुनियादी ढांचे में महत्वपूर्ण निवेश और विकास अनिवार्य है। राष्ट्रीय फोरेंसिक विज्ञान विश्वविद्यालय (एनएफएसयू) के अतिरिक्त ऑफ-कैंपस और नई केंद्रीय फोरेंसिक विज्ञान प्रयोगशालाओं (सीएफएसएल) की स्थापना से प्रशिक्षित फोरेंसिक पेशेवरों की कमी दूर होगी, फोरेंसिक प्रयोगशालाओं पर मामलों का बोझ/लंबित मामलों की संख्या कम होगी और यह भारत सरकार के 90 प्रतिशत से अधिक की उच्च दोषसिद्धि दर सुनिश्चित करने के लक्ष्य के अनुरूप होगा।

केंद्रीय मंत्रिमंडल ने विपणन सत्र 2024-25 के लिए खरीफ फसलों के लिए न्यूनतम समर्थन मूल्य (एमएसपी) को मंजूरी दी

एजेंसी

नई दिल्ली। प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी की अध्यक्षता में केंद्रीय मंत्रिमंडल ने विपणन सत्र 2024-25 के लिए सभी आवश्यक खरीफ फसलों के लिए न्यूनतम समर्थन मूल्य (एमएसपी) में वृद्धि को मंजूरी दे दी है। सरकार ने विपणन सत्र 2024-25 के लिए खरीफ

फसलों के एमएसपी में वृद्धि की है, ताकि उत्पादकों को उनकी उपज के लिए लाभकारी मूल्य सुनिश्चित किया जा सके। पिछले वर्ष की तुलना में एमएसपी में सबसे अधिक वृद्धि तिलहन और दालों के लिए की गई है, जैसे नाइजरसीड (983 रुपये प्रति क्विंटल), उसके बाद तिल (632 रुपये प्रति क्विंटल) और तुअर/अरहर (550 रुपये प्रति क्विंटल)।

जापान में कोहराम मचा रहा Flesh Eating Bacteria, एक्सपर्ट्स से जानें क्या भारत के लिए खतरा बन सकती है यह बीमारी

जापान में पिछले कुछ दिनों से स्ट्रेप्टोकोकल टॉक्सिक शॉक सिंड्रोम (STSS) का कहर जारी है। यहां इस खतरनाक बीमारी के मामलों में लगातार बढ़ोतरी देखने को मिल रही है। फ्लेश ईटिंग बैक्टीरिया (Flesh Eating Bacteria) के कारण होने वाली यह बीमारी दुर्लभ लेकिन बेहद गंभीर है। ऐसे में एक्सपर्ट्स बता रहे हैं यह भारत के लिए कितना खतरनाक हो सकता है।

बीते कुछ समय से जापान में लगातार स्ट्रेप्टोकोकल टॉक्सिक शॉक सिंड्रोम (STSS) के मामलों में बढ़ोतरी देखने को मिल रही है। यह एक खतरनाक बीमारी है, जो फ्लेश ईटिंग बैक्टीरिया (Flesh Eating Bacteria) के कारण होती है। यह बैक्टीरिया ग्रुप-ए स्ट्रेप्टोकोकस (जीएएस) परिवार से संबंधित है। यह बीमारी बेहद गंभीर है, क्योंकि इससे संक्रमित होने के 48 घंटों के अंदर ही पीड़ित की मौत हो सकती है।

पूर्वी-एशियाई देशों में 2 जून तक इस बीमारी के 977 मामले सामने आ चुके हैं, जो पिछले साल के 941 मामलों की तुलना में काफी ज्यादा है। फ्लेश ईटिंग बैक्टीरिया बीमारी की मृत्यु दर 30 प्रतिशत है। ऐसे में स्ज्ञस्स् के तेजी से बढ़ते मामलों को देखते हुए जापान प्रशासन ने स्वास्थ्य अधिकारियों को हाई अलर्ट पर रहने के आदेश दिए हैं। ऐसे में इस बीमारी के बारे में विस्तार से जानने और भारत में इसके खतरे को लेकर जागरण ने कुछ हेल्थ एक्सपर्ट्स से बातचीत की।

क्या है स्ट्रेप्टोकोकल टॉक्सिक शॉक सिंड्रोम (STSS)?

स्ट्रेप्टोकोकल टॉक्सिक शॉक सिंड्रोम, जिसे फ्लेश ईटिंग बैक्टीरिया डिजीज के नाम से भी जाना जाता है, एक दुर्लभ लेकिन गंभीर संक्रमण है। यह बीमारी ग्रुप-ए स्ट्रेप्टोकोकस (GAS) बैक्टीरिया के कारण होती है। इस बारे में गुरुग्राम के फोर्टिस मेमोरियल रिसर्च इंस्टीट्यूट में संक्रामक रोग की सलाहकार डॉ. नेहा रस्तोगी पांडा ने बताया कि व्रस् बैक्टीरिया ब्लड स्ट्रीम में हानिकारक टॉक्सिन्स छोड़ता है, जिससे तेज और गंभीर इम्यून रिस्पॉन्स होता है। वहीं, शारदा अस्पताल में जनरल फिजिशियन डॉ. श्रेय श्रीवास्तव बताते हैं कि ये बैक्टीरिया रेस्पिरेटरी ड्रॉपलेट्स या सीधे संपर्क के जरिए फैलते हैं।

व्रस् बैक्टीरिया एक ग्राम-पॉजिटिव बैक्टीरिया है, जो आमतौर पर इंसानों के गले या त्वचा पर पाया जाता है। यह बैक्टीरिया काफी खतरनाक हो सकता है और हल्के संक्रमण जैसे स्ट्रेप थ्रोट और इम्पेटिगो से लेकर नेक्रोटाइजिंग फासिसाइटिस और एसटीएसएस जैसी गंभीर बीमारियों का कारण भी बन सकता है।

स्ज्ञस्स् और व्रस् बैक्टीरिया का निदान कैसे करें?

शरीर में स्ज्ञस्स् और व्रस् की मौजूदगी का पता लगाने के लिए रैपिड एंटीजन डिटेक्शन टेस्ट (RATD) या थ्रोट कल्चर का इस्तेमाल किया जाता है। इसकी मदद से गले या अन्य संक्रमित स्थानों में बैक्टीरिया के मौजूद होने की पहचान करता है। वहीं, डॉ. पांडा ने बताया कि स्ट्रेप्टोकोकल टॉक्सिक शॉक सिंड्रोम (एसटीएसएस) जैसे गंभीर संक्रमण के निदान के लिए ब्लड या टिश्यू कल्चर टेस्ट का इस्तेमाल किया जाता है।

STSS रोग के लक्षण

स्ज्ञस्स् से संक्रमित होने पर शरीर में विभिन्न लक्षण नजर आते हैं, जिसकी मदद से समय रहते इसकी पहचान की जा सकती है। जैसा कि डॉक्टर ने बताया कि यह बैक्टीरिया ब्लड स्ट्रीम में टॉक्सिन्स छोड़ते हैं, जिससे तेज और गंभीर इम्यून रिस्पॉन्स होता है। इसके अलावा व्रस् संक्रमण के मामलों में नेक्रोटाइजिंग फासिसाइटिस का संकेत देने वाला गंभीर दर्द का भी अनुभव होता है, जिसका अगर समय पर इलाज न किया जाए, तो बहुत ही कम समय में दर्दनाक मृत्यु हो सकती है। इस बीमारी से पीड़ित व्यक्ति में निम्न लक्षण नजर आते हैं-

अगर लोकसभा अध्यक्ष पद के लिए चुनाव हुआ तो क्यों यह भारतीय राजनीति के इतिहास की बड़ी घटना होगी

हम आपको बता दें कि स्वतंत्रता से पहले संसद को केंद्रीय विधानसभा कहा जाता था और इसके अध्यक्ष पद के लिये पहली बार चुनाव 24 अगस्त 1925 में हुआ था जब स्वराजवादी पार्टी के उम्मीदवार विट्ठलभाई जे. पटेल ने टी. रंगाचारियर के खिलाफ यह चुनाव जीता था।

18वीं लोकसभा का अध्यक्ष कौन होगा, इसको लेकर भाजपा और उसके सहयोगी दलों के बीच चर्चाओं का दौर जारी है। दूसरी ओर विपक्ष भी इस प्रयास में है कि अध्यक्ष पद के लिए अपना उम्मीदवार उतारा जाये। विपक्ष का यह भी कहना है कि सरकार को चाहिए कि वह उपाध्यक्ष का पद उसे दे लेकिन सरकार इस मूड़ में नहीं दिख रही है कि इन दोनों पदों में से कोई भी पद विपक्ष को दिया जाये। इसलिए माना जा रहा है कि 18वीं लोकसभा का सत्र हंगामेदार हो सकता है। हालांकि, राजनीतिक इतिहास पर नजर डालें तो पता चलता है कि अब तक लोकसभा अध्यक्ष पद के लिए निर्वाचन आम सहमति से ही हुआ है। इसलिए विपक्ष अगले सप्ताह लोकसभा अध्यक्ष के पद के लिए उम्मीदवार उतारकर यदि चुनाव की स्थिति उत्पन्न करता है तो यह स्वतंत्र भारत के इतिहास में पहली बार होगा। लोकसभा में पीठासीन अधिकारी का चयन चूंकि हमेशा आम सहमति से होता रहा है इसलिए यदि यह परम्परा इस बार टूटती है तो यह एक बड़ी राजनीतिक घटना होगी।

पीठासीन अधिकारियों का इतिहास

हम आपको बता दें कि स्वतंत्रता से पहले संसद को केंद्रीय विधानसभा कहा जाता था और इसके अध्यक्ष पद के लिये पहली बार चुनाव 24 अगस्त 1925 में हुआ था जब स्वराजवादी पार्टी के उम्मीदवार विट्ठलभाई जे. पटेल ने टी. रंगाचारियर के खिलाफ यह चुनाव जीता था। अध्यक्ष के रूप में चुने जाने वाले पहले गैर-सरकारी सदस्य विट्ठलभाई जे. पटेल ने दो वोटों के मामूली अंतर से पहला चुनाव जीता। पटेल को 58 वोट मिले थे, जबकि टी. रंगाचारियार को 56 वोट मिले थे। केन्द्रीय विधान सभा के अध्यक्ष के पद के लिए 1925 से 1946 के बीच छह बार चुनाव हुए। विट्ठलभाई पटेल अपना पहला कार्यकाल पूरा होने के बाद 20 जनवरी 1927 को सर्वसम्मति से पुनः इस पद पर निर्वाचित हुए। महात्मा गांधी द्वारा सविनय अवज्ञा के आह्वान के बाद पटेल ने 28 अप्रैल, 1930 को पद छोड़ दिया। सर मुहम्मद याकूब (78 वोट) ने नौ जुलाई, 1930 को नंद लाल (22 वोट) के खिलाफ अध्यक्ष का चुनाव जीता। याकूब तीसरी विधानसभा के आखिरी सत्र के लिए इस पद पर रहे। चौथी विधानसभा में सर इब्राहिम रहीमतुल्ला (76 वोट) ने हरि सिंह गौर के खिलाफ अध्यक्ष का चुनाव जीता, जिन्हें 36 वोट मिले। स्वास्थ्य कारणों से 7 मार्च 1933 को रहीमतुल्ला ने इस्तीफा दे दिया और 14 मार्च 1933 को सर्वसम्मति से षणमुखम चेट्टी उनके स्थान पर नियुक्त हुए। सर अब्दुर रहीम को 24 जनवरी 1935 को पांचवीं विधानसभा का अध्यक्ष चुना गया। रहीम को 70 वोट मिले थे, जबकि टी.ए.के. शेरवानी को 62 सदस्यों का समर्थन प्राप्त था। रहीम ने 10 साल से अधिक समय तक उच्च पद संभाला क्योंकि पांचवीं विधानसभा का कार्यकाल समय-समय पर प्रस्तावित संवैधानिक परिवर्तनों और बाद में द्वितीय विश्व युद्ध के कारण बढ़ाया गया था।

केंद्रीय विधानसभा के अध्यक्ष पद के लिए अंतिम मुकाबला 24 जनवरी, 1946 को हुआ था, जब कांग्रेस नेता जी.वी. मावलंकर ने कावसजी जहांगीर के खिलाफ तीन मतों के अंतर से चुनाव जीता था। मावलंकर को 66 मत मिले थे, जबकि जहांगीर को 63 मत मिले थे। इसके बाद मावलंकर को संविधान सभा और अंतरिम संसद का अध्यक्ष नियुक्त किया गया, जो 26 जनवरी, 1950 को संविधान लागू होने के बाद अस्तित्व में आई। मावलंकर 17 अप्रैल, 1952 तक अंतरिम संसद के अध्यक्ष बने रहे, जब पहले आम चुनावों के बाद लोकसभा और राज्यसभा का गठन किया गया।

स्वतंत्रता के बाद से लोकसभा अध्यक्षों का चयन सर्वसम्मति से किया जाता रहा है। यहां यह भी उल्लेखनीय है कि केवल एमए अयंगर, जीएस ढिल्लों, बलराम जाखड़ और जीएमसी बालयोगी ही बाद की लोकसभाओं में प्रतिष्ठित पदों पर पुनः निर्वाचित हुए हैं। लोकसभा के पहले उपाध्यक्ष अयंगर वर्ष 1956 में मावलंकर की मृत्यु के बाद अध्यक्ष चुने गये थे। उन्होंने 1957 के आम चुनावों में जीत हासिल की और उन्हें दूसरी लोकसभा का अध्यक्ष चुना गया था। ढिल्लों को 1969 में अध्यक्ष एन संजीव रेड्डी के इस्तीफे के बाद चौथी लोकसभा का अध्यक्ष चुना गया था। ढिल्लों को 1971 में पांचवीं लोकसभा का अध्यक्ष भी चुना गया और वे 1 दिसंबर 1975 तक इस पद पर बने रहे। उन्होंने आपातकाल के दौरान यह पद छोड़ दिया था।इसके अलावा, बलराम जाखड़ सातवीं और आठवीं लोकसभा के अध्यक्ष रहे और उन्हें दो पूर्ण कार्यकाल पूरा करने वाले एकमात्र पीठासीन अधिकारी होने का गौरव प्राप्त है। बालयोगी को 12वीं लोकसभा का अध्यक्ष चुना गया, जिसका कार्यकाल 19 महीने का था। उन्हें 22 अक्टूबर 1999 को 13वीं लोकसभा का अध्यक्ष भी चुना गया। बालयोगी की 3 मार्च 2002 को एक हेलिकॉप्टर दुर्घटना में मृत्यु हो गई थी। पिछली लोकसभा में भाजपा सांसद ओम बिरला अध्यक्ष थे। इस बार वह अध्यक्ष बनेंगे या नहीं इसको लेकर संशय की स्थिति बनी हुई है। लेकिन एक बात साफ है कि अध्यक्ष पद भाजपा के पास ही रहेगा। प्रधानमंत्री ने लोकसभा अध्यक्ष के मुद्दे पर सहयोगी दलों के बीच सहमति बनाने का काम रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह को सौंपा हुआ है और माना जा रहा है कि एकाध दिन में इस मुद्दे पर स्थिति और स्पष्ट हो जायेगी। दूसरी ओर, विपक्ष भी कमर कस चुका है। दरअसल लोकसभा में अपनी बढ़ी हुई ताकत से उत्साहित विपक्षी गठबंधन 'इंडिया' अब आक्रामक तरीके से उपाध्यक्ष के पद की मांग कर रहा है, जो परंपरागत रूप से विपक्षी दल के सदस्य के पास होता है। कांग्रेस के एक वरिष्ठ नेता ने कहा, ÷यदि सरकार विपक्ष के नेता को उपाध्यक्ष बनाने पर सहमत नहीं होती है तो हम ोकसभा अध्यक्ष पद के लिए चुनाव लड़ेंगे।÷ हम आपको बता दें कि 18वीं लोकसभा का पहला सत्र 24 जून को शुरू होगा, जिस दौरान निचले सदन के नए सदस्य शपथ लेंगे और अध्यक्ष का चुनाव होगा। गौरतलब है कि लोकसभा चुनाव में 'इंडिया' ने 234 सीटें जीतीं, जबकि भारतीय जनता पार्टी के नेतृत्व वाले राजग ने 293 सीटें जीतकर लगातार तीसरी बार सत्ता बरकरार रखी। 16 सीटों के साथ तेलुगु देशम पार्टी (तेदेपा) और 12 सीटों के साथ जनता दल (यू) भाजपा की सबसे बड़ी सहयोगी हैं। भाजपा ने 240 सीटें जीती हैं। जद (यू) ने लोकसभा अध्यक्ष के लिए भाजपा उम्मीदवार को समर्थन देने की घोषणा की है, जबकि तेदेपा ने इस प्रतिष्ठित पद के लिए सर्वसम्मत उम्मीदवार का समर्थन किया है। हालांकि विपक्षी गठबंधन तेदेपा पर लोकसभा अध्यक्ष के पद पर जोर देने या पार्टी में धीरे-धीरे विघटन का सामना करने के लिए कह रहा है।

संपादकीय

मणिपुर पर भाजपा का अजीब रवैया

मणिपुर में कुकी और मैतेई समुदायों के बीच हिंसक संघर्ष को खड़े हुए साल भर से अधिक का वक्त बीत गया है। लेकिन वहां शांति कायम होने की पुख्ता जमीन अब तक तैयार नहीं हो पाई है। अलबत्ता गृहमंत्री अमित शाह ने सोमवार को एक उच्च स्तरीय बैठक की, जिसमें मणिपुर के हालात पर समीक्षा की गई। जिसमें फैसला लिया गया कि गृह मंत्रालय मैतेई और कुकी समुदाय से बात करेगा। गृह मंत्री शाह ने राज्य के मुख्य सचिव विनीत जोशी को विस्थापितों के लिए उचित स्वास्थ्य-शिक्षा सुविधाएं और उनके पुनर्वास को सुनिश्चित करने के निर्देश दिए। गृह मंत्रालय को ओर से जारी बयान में कहा गया कि जरूरत पढ़ने पर राज्य में केन्द्रीय बलों की तैनाती बढ़ाई जाएगी। राज्य में शांति और सौहार्द्र बहाल करने के लिए बलों को रणनीतिक रूप से तैनात किया जाना चाहिए। मणिपुर में हिंसा फैलाने वालों को खिलाफ सख्त कार्रवाई की जानी चाहिए। इस बैठक में अमित शाह के साथ केंद्रीय गृह सचिव अजय भल्ला, खुफिया ब्यूरो प्रमुख तपन डेका, सेना प्रमुख जनरल मनोज पांडे, मणिपुर के सुरक्षा सलाहकार कुलदीप सिंह, मणिपुर के मुख्य सचिव विनीत जोशी, मणिपुर के डीजीपी राजीव सिंह और असम राइफल्स के डीजी प्रदीप चंद्रन नायर शामिल थे। लेकिन मणिपुर के मुख्यमंत्री बीरेन सिंह का नाम इसमें नहीं था।

केन्द्र और राज्य के प्रशासनिक, पुलिस और सुरक्षा अधिकारियों का बैठक में होना जरूरी था, क्योंकि सरकार के निर्णयों को जमीन पर उतारने का काम इन्हीं का होता है। लेकिन क्या मणिपुर की सत्ता राज्य सरकार नहीं बल्कि केंद्र सरकार संभाल रही है। अगर ऐसा नहीं है तो फिर बीरेन सिंह के इस बैठक में शामिल न होने के क्या कारण हो सकते हैं। क्या राज्य की सुरक्षा व्यवस्था के मामले में उन्हें दूर रखकर केंद्र सरकार ने मुख्यमंत्री बीरेन सिंह को यह संदेश दिया है कि उन पर अब भरोसा नहीं रहा। कारण जो भी हो, लेकिन केंद्र सरकार का यह रवैया लोकतांत्रिक नहीं है।मणिपुर और केंद्र दोनों जगह भाजपा ही सत्ता में है। भाजपा की जुबान में इसे डबल इंजन सरकार कहा जाता है। लेकिन दोनों जगह भाजपा के सत्ता में होने का यह अर्थ कतई नहीं है कि मणिपुर का शासन केंद्र से चले। अगर भाजपा को एन बीरेन सिंह की प्रशासनिक अक्षमता से शिकायत है, तो उन्हें पद से हटानाचाहिए या फिर राज्य में राष्ट्रपति शासन लगाना चाहिए।वैसे भी मणिपुर के मामले में केंद्र सरकार का रवैया समझ से परे ही रहा है। पिछले साल मई के शुरुआती दिनों में जब मणिपुर के हालात बिगड़ने शुरु हुए, प्रधानमंत्री मोदी तब भी वहां नहीं गए थे और अब जबकि उन्होंने फिर से प्रधानमंत्री का पद संभाल लिया है, उनकी प्राथमिकता में मणिपुर शायद अब भी नहीं है। जी-7 की बैठक में शामिल होने के लिए वे इटली तक हो आए, लेकिन मणिपुर जाने का उन्हें वक्त नहीं मिला है। मणिपुर पर अब भी अमित शाह बैठक कर रहे हैं। पिछले साल अमित शाह ने वहां का दौरा भी किया था, लेकिन हालात नहीं सुधरे और अब आलम ये है कि हाल ही में मुख्यमंत्री के काफिले पर हमले से लेकर उनके आवास के पास में आगजनी तक हो गई। फिर भी केंद्र सरकार मैतेई और कुकी समुदाय से चर्चा की बात ही कर रही है। पिछले एक साल में केंद्र सरकार ने दोनों पक्षों से बातचीत की ऐसी कितनी कोशिशें की हैं, और उनका क्या नतीजा निकला है, यह भी अमित शाह को बता देना चाहिए, ताकि जनता को यकीन हो कि मणिपुर को लेकर सरकार वाकई गंभीर है।हाल ही में राष्ट्रीय स्वयं सेवक संघ के प्रमुख मोहन भागवत ने मणिपुर के मामले में अपनी नाखुशी जाहिर करते हुए कहा था कि मणिपुर पिछले एक साल से शांति स्थापित होने की प्रतीक्षा कर रहा है।दस साल पहले मणिपुर में शांति थी। ऐसा लगा था कि वहां बंदूक संस्कृति खत्म हो गई है, लेकिन राज्य में अचानक हिंसा बढ़ गई है। मणिपुर की स्थिति पर प्राथमिकता के साथ विचार करना होगा। श्री भागवत के इस कथन के बाद ही अमित शाह ने यह उच्च स्तरीय बैठक की है, जिस पर कहा जा रहा है कि यह संघ के दबाव का असर है। इस आकलन में कितनी सच्चाई है, यह तो पता नहीं, लेकिन ऐसा है तब भी इसे आदर्श स्थिति नहीं कहा जा सकता। क्योंकि केंद्र और राज्य की सत्ता जनता ने भाजपा को सौंपी है, संघ को नहीं। इसलिए हालात संभालने की चिंता भाजपा की होनी चाहिए। मगर अब भाजपा के रवैये को देखकर चिंता बढ़ रही है।मणिपुर में मैतेई समुदाय को अनुसूचित जनजाति श्रेणी में शामिल करने की मांग के विरोध में पिछले साल कुकी और मैतेई समुदाय के बीच संघर्ष की शुरुआत हुई थी।

चुराचांदपुर से शुरु हुई हिंसा धीरे-धीरे पूर्वी-पश्चिमी इंफाल, बिष्णुपुर, तेंगनुपाल और कांगपोकपी जिलों में फैलती गई और फिर पूरे राज्य को अपनी चपेट में ले लिया। अगर इस आग को शुरु में ही काबू कर लिया जाता तो एक सुंदर प्रदेश बर्बाद होने से बच जाता। मगर राज्य और केंद्र की भाजपा सरकारें न जाने किन कारणों से आग को फैलते हुए देखती रही। दो महिलाओं की नग्न परेड जैसी भयावह घटना से लेकर आगजनी और कत्ल की न जाने कितनी घटनाएं इस राज्य में हुईं।

विपरीत विचारों को सुनने का अभ्यास करना होगा सरकार को

यह तो सच है कि कोई भी व्यक्ति या संगठन अपनी आलोचना सुनना पसंद नहीं करता परन्तु लोकतंत्र का यह तकाज़ा है कि सरकारों को अपनी आलोचना सुनने की क्षमता विकसित करनी ही पड़ती है। यह भी सच है कि मोदी एवं भाजपा जिस परिवेश की उपज हैं, उसमें आलोचना तो दूर सवाल करने या नुक्ताचीनी की भी गुंजाईश नहीं होती।

सुप्रसिद्ध लेखिका अरुंधति रॉय पर एक 14 साल पुराने मामले को लेकर मुकदमा चलाने की अनुमति देकर दिल्ली के उप राज्यपाल ने साबित कर दिया है कि अभिव्यक्ति की स्वतंत्रता भारत के लिये अब भी दूर की कौड़ी है। देश के संविधान ने चाहे लोगों को अपनी राय रखने की आजादी के मजबूत प्रावधान कर रखे हों लेकिन समाज इस बात का आदी नहीं है कि वह नये विचारों की ओर कान और ध्यान दे; या किसी विषय पर नये दृष्टिकोण से विचार कर सके। वैसे समाज में विचारों के स्तर पर नवाचार लाना या उनमें ताज़गी भरना सरकार का ही काम है। उनमें विचार बोने का काम चाहे सरकार का न हो लेकिन आज़ाद खयाली को प्रोत्साहन देना और उसे संरक्षित रखना लोकतांत्रिक समाज की ही जिम्मेदारी है। ये विचार प्रचलित मान्यताओं के खिलाफ़ हो सकते हैं या फिर परम्पराओं से हटकर भी, उनमें सांस्कृतिक हस्तक्षेप न करते हुए देश में एक वैचारिक प्रवाह को मुक्त बनाये रखने के लिये आवश्यक वातावरण बनाना उसी का काम है। अगर विचारधारा को कोई बाधित करता है तो उन अवरोधों को संवैधानिक प्रावधानों के माध्यम से हटाना किसी भी लोकतांत्रिक सरकार का उत्तरदायित्व होता है। इसके बिना उस देश का %लोकतंत्र की जननी% होने का दावा बेकार है। संविधान में अभिव्यक्ति की स्वतंत्रता को इसलिये दुनिया भर में तवज्जो दी जाती है। अपने खिलाफ उठने वाली आवाज को सुनकर और उसे सम्मान देकर सरकारें अपना कद बढ़ाती हैं। दुर्भाग्य से भारत में नये विचार जन्म लेने के पहले ही मर रहे हैं।अरुंधति रॉय के सन्दर्भ में यह बात और पुख्ता हो जाती है। 9 से अधिक पुस्तकों की अंतरराष्ट्रीय पुरस्कारों से नवाज़ी गयी लेखिका अरुंधति के खिलाफ यह मामला 27 नवम्बर, 2010 को उनके द्वारा दिल्ली के एलटीजी सभागार में दिये भाषण को लेकर दर्ज हुआ है। इसमें उन्होंने कश्मीर पर अपनी राय रखी थी। %आजादी- द ओनली वे% नामक इस कांफ्रेंस में उन्होंने कथित रूप से कश्मीर को भारत से अलग करने सम्बन्धी प्रचार किया था। इस कार्यक्रम में उनके साथ सैयद अली शाह गिलानी, एसएआर गिलानी, डॉ. शेख शौकत हुसैन एवं कवि करवर राव शामिल थे। दोनों गिलानी तो बरी हो गये, शेष के खिलाफ मामला दर्ज हुआ है। वैसे उनके खिलाफ कई धाराओं के अंतर्गत मामले चलाने की अनुमति मांगी गयी थी, पर मंजूरी केवल 153ए तथा 153बी के

तहत ही मुकदमे दर्ज करने की दी गयी जो नस्ल, धर्म, जन्म स्थान, निवास, भाषा आदि के आधार पर वैमनस्यता बढ़ाने व सद्भाव के खिलाफ काम करने तथा राष्ट्रीय एकीकरण को नुकसान पहुंचाने से सम्बन्धित हैं। 14 वर्ष बाद मामला दर्ज करना यही बतलाता है कि नरेन्द्र मोदी सरकार अपने खिलाफ विचार रखने वालों की शिनाख्त जारी रखे हुई है और मौका मिलते ही उन्हें सलाखों के पीछे भेजने पर आमादा है। वैसे देखें तो मामला कांग्रेस सरकार के वक्त का है और इतने समय के बाद भी उनके भाषण का अब तक कोई प्रतिकूल असर समाज पर न पड़ना बतलाता है कि मोदी सरकार तिल का ताड़ बनाना चाहती है।

अरुंधति ऐसी लेखिका नहीं हैं जो किसी कोने में बैठकर गल्प साहित्य लिखे और पुरस्कार लेती फिरें। समाज के प्रति उनकी संपृक्तता बेहद सराही जाती है। हर तरह के सामाजिक सरोकारों पर वे लेख लिखती हैं और मौका मिले तो भाषणों, साक्षात्कारों आदि में भी अपने विचार रखती हैं। उन्मुक्त विचारों के लिये जानी जाने वाली रॉय एक लोकप्रिय लेखिका हैं जो हमेशा देश व दुनिया के सर्वहारा के साथ खड़ी नज़र आती हैं। उनके विचारों में लोकतांत्रिक मूल्यों के प्रति गहरा आग्रह दिखलाई देता है। संविधान में निहीत स्वतंत्रता, समानता, बन्धुत्व के मूल भावों को उन्होंने न केवल संजोया है वरन उनकी प्रभावी अभिव्यक्ति उनके लेखन में हुई है। यहीं से मोदी सरकार से उनकी दुश्मनी शुरू होती है।

वे मोदी सरकार की निरंकुश कार्यपद्धति की हमेशा से विरोधी रही हैं। राजनैतिक असहमतियों से भरे उनके लेखों के संग्रह भी प्रकाशित हो चुके हैं जिनमें अरुंधति ने मोदी सरकार की जमकर आलोचना की है। 2022 में प्रकाशित एक लेख में उन्होने भारतीय जनता पार्टी के कार्यकर्ताओं की तुलना यूएस कैपिटल हिल के दंगाइयों से की थी। ऐसे ही, सुप्रसिद्ध पत्रकार करण थापर को %द वायर% के लिये दिये एक इंटरव्यू में अरुंधति रॉय ने हिन्दू राष्ट्रवाद की सोच को विभाजनकारी बतलाते हुए कहा था कि भारत की जनता इसे कभी कामयाब नहीं होने देगी। उन्होंने इसी साक्षात्कार में भाजपा को फासीवादी करार दिया था। साथ ही उन्होंने उम्मीद जताई थी कि एक दिन देश इसका विरोध करेगा। उन्होंने कहा था कि वे भारतीयों पर भरोसा करती हैं और एक दिन देश इस अंधेरी खाई से बाहर निकल आयेगा। विभिन्न अवसरों पर अरुंधति ने कभी कश्मीर को भारत का हिस्सा मानने से इंकार कर दिया तो कभी गोवा की आजादी को गलत बताया तो कश्मीर की जनता पर भारतीय सेना के अत्याचारों की बात भी कही।

सम्भव है कि कुछ मुद्दों को लेकर किसी की अरुंधति के विचारों से सहमति न भी हो परन्तु एक सभ्य समाज के भीतर इतनी सहनशीलता अवश्य होनी चाहिये कि वह उन विचारों पर मुक्त संवाद कर सके। पसंद न आने वाले विचारों को लेकर किसी पर मुकदमा कर देना या उन्हें जेलों में डाल देना किसी स्वस्थ समाज की निशानी नहीं कही जा सकती। पिछले कुछ समय से भारत में यह नज़ारा आम हो गया है। अपने हक मांगने वाले, सरकार की खामियां बतलाने वाले, लोकतंत्र की बातें करने वाले, मानवाधिकार कार्यकर्ता, लेखक, पत्रकार आदि थोक के भाव में जेलों में भेजे गये हैं। लम्बे-लम्बे समय तक सरकार के इशारों व दबाव में उन्हें जमानत नहीं मिलती। कई ऐसे लेखक-पत्रकार या मानवाधिकार कार्यकर्ता बीमारी के बाद भी जेलों से नहीं छोड़े जाते। ये सारे ही मामले बताते हैं कि इस सरकार में प्रतिरोध की आवाज को सुनने की शक्ति नहीं है और न ही उसे लोकतंत्र की बुनियादी शऊर व यह समझ है कि एक समाज का निर्माण विविध विचारों को मिलाकर होता है। भारत की आजादी के बाद बनी सरकारों ने इस बात को ख्याल में रखा था और सरकारें सहिष्णुता के मार्ग पर चलती थीं। प्रथम प्रधानमंत्री जवाहरलाल नेहरू को उनके असहमति के प्रति सम्मान के लिये जाना जाता था। प्रचण्ड लोकप्रियता के बाद भी उन पर साम्यवादियों, समाजवादियों तथा दक्षिणपंथियों द्वारा जोरदार हमले होते रहे परन्तु उन्होंने किसी को भी कुचलने की कोशिश नहीं की। उलटे, नेहरू संसद के भीतर लोगों को इस बात के लिये प्रोत्साहित करते थे कि वे शासकीय कामों की खामियां बतायें।

यह तो सच है कि कोई भी व्यक्ति या संगठन अपनी आलोचना सुनना पसंद नहीं करता परन्तु लोकतंत्र का यह तकाज़ा है कि सरकारों को अपनी आलोचना सुनने की क्षमता विकसित करनी ही पड़ती है। यह भी सच है कि मोदी एवं भाजपा जिस परिवेश की उपज हैं, उसमें आलोचना तो दूर सवाल करने या नुक्ताचीनी की भी गुंजाईश नहीं होती। ऐसे में अगर उनकी सरकार में अपने खिलाफ कुछ भी सुनने का माद्दा नहीं है, तो इसमें कुछ भी आश्चर्य नहीं होना चाहिये। असली सवाल यह है कि इस मामले में जनता किस तरफ है? एक ओर सरकार है तो हर पल नागरिकों को कमजोर करने को उद्धत रहती है जबकि दूसरी तरफ अरुंधति जैसे लोग हैं जो मानवीय चेतना को जगाने का काम करते हैं।

थ्री डी टेक्नोलॉजी
एक मनमोहक दुनिया

बच्चों, थ्री डी टेक्नोलॉजी की कल्पना भले ही बेजान तस्वीरों को जीवंत बनाने के लिए की गयी हो, पर अब इसका दायरा काफी विस्तृत हो चुका है। यहां तक कि थ्री डी टेक्नोलॉजी से अब मनचाही चीजों के निर्माण की कोशिश की जा रही है। इसमें जादू की छड़ी साबित हो रहा है थ्री डी प्रिंटर, जिससे कुछ साल बाद मानव अंग निर्माण की भी उम्मीद है। हम इस बार तुम्हें थ्री डी तकनीक और थ्री डी प्रिंटर की जानकारी दे रहे है।

कहते हैं आंखों देखा ही सच होता है, लेकिन थ्री डी टेक्नोलॉजी के मामले में यह सच नहीं है। थ्री डी तस्वीरें आपके मस्तिष्क को कुछ इस तरह से धोखा देती हैं कि वो यह मानने पर मजबूर हो जाता है कि जो कुछ वह देख रहा है, बिल्कुल सच है। थ्री डी तस्वीरें किसी खूबसूरत पेंटिंग या फोटोग्राफी तस्वीर की तरह सपाट नहीं होतीं, बल्कि उनमें 'गहराई' होती है, बिल्कुल हमारे आसपास की असली दुनिया की तरह। तभी तो आप थ्री डी फिल्म देखते समय परदे पर दिखायी जा रही चीजों को हाथ बढ़ा कर पकड़ने की कोशिश करते है।

टू डी और थ्री डी

हम जिस दुनिया में रहते हैं और रोजमर्रा के कामकाज करते हैं, वह दुनिया विज्ञान की भाषा में टू डी है। यहां डी का अर्थ है 'डायमेंशन' यानी विमा। इसे इस तरह से समझ सकते हैं। अगर आप दीवार पर टंगी किसी तस्वीर को देखते हैं, तो वह सपाट नजर आती है, क्योंकि उसमें दो ही विमाएं या डायमेंशंस होते हैं-

लंबाई और चौड़ाई। अगर आप खिड़की खोल कर बाहर नजर डालें, तो आपको बाहर की हर चीज जीवंत नजर आती है, क्योंकि खिड़की के बाहर मौजूद चीजों की तरह आप अपने आसपास की चीजों के बारे में भी अंदाजा लगा सकते हैं, कि वो आपसे कितनी दूरी पर हैं। ये 'गहराई' ही वह 'तीसरा डायमेंशन' या 'तीसरी विमा' है जो दो डायमेंशन वाली बेजान सपाट तस्वीरों को जीवंत बना देती है। मानो वे हमारे आसपास की दुनिया का ही हिस्सा हों। इसीलिए थ्री डी फिल्म देखते वक्त दर्शक परदे पर दिखायी जा रही तस्वीरों को जीवंत मान कर उन्हें पकड़ने के लिए हाथ बढ़ा देते हैं।

स्टीरियोग्राफी

मान लीजिए कि हम घर के बाहर मैदान में किसी पेड़ को देख रहे हैं। इस स्थिति में हमारी बायीं और दायीं आंखें उस पेड़ की दो तस्वीरें हमारे मस्तिष्क में भेजती हैं और हमारा मस्तिष्क उन दो तस्वीरों को प्रोसेस करके एक ऐसी जीवंत तस्वीर बना लेता है, जिसमें गहराई और दिशा के साथ उस पेड़ की पूरी जानकारी होती है और इसीलिए मैदान में खड़ा पेड़ हमें जीवंत लगता है। हम पेड़ की दिशा में जाकर उसे छू सकते हैं। यानी पहली थ्री डी मशीन खुद प्रकृति ने हमें दे रखा है और वह है हमारा मस्तिष्क। दायीं और बायीं आंखों से ली गयी तस्वीरों की तरह दो अलग-अलग तस्वीरों को ओवरलैप कर एक नयी थ्री डी तस्वीर बनाने की इस तकनीक को 'स्टीरियोग्राफी' कहते हैं। थ्री डी टेक्नोलॉजी अब और भी आगे कदम बढ़ा रही है। थ्री डी अब महज एक ऑप्टिकल इल्यूजन यानी नजरों का धोखा ही नहीं रहा। बल्कि थ्री डी प्रिंटर की बदौलत यह तकनीक अब ठोस वास्तविकता का स्वरूप धारण कर चुकी है। जानते हैं कि थ्री डी यानी बेजान टू डी तस्वीरों को एक आभासी गहराई का 'तीसरा डी' देकर जीवंत बना देने का अनोखा कारनामा सबसे पहले किसने किया था?

एक नई थ्री डी टेक्नोलॉजी यानी स्टीरियोविजन

वर्ष 1970 में एक नयी थ्री डी टेक्नोलॉजी स्टीरियोविजन का विकास हुआ। इस तकनीक में खास लेंस के साथ कई पोलेराइड फिल्टर्स का इस्तेमाल किया गया था। इसके साथ ही थ्री डी टेक्नोलॉजी में पोलेराइड चश्मों का प्रवेश हुआ और एनाग्लिफ टेक्नोलॉजी और उनके लाल-नीले चश्मे धीरे-धीरे मुख्यधारा से हट गये। स्टीरियोविजन में बनी पहली फिल्म थी 'स्टीवाडेर्सेस।' एक लाख डॉलर की लागत से बनी इस फिल्म ने उत्तरी अमेरिका में कामयाबी के झंडे गाड़ दिये। इस फिल्म ने दो करोड़ 70 लाख का बिजनेस किया। इसके बाद 80 के दशक में तो थ्री डी फिल्मों की बाढ़ सी आ गयी। 'फ्राइडे द थर्टीन्थ-पार्ट-3' और 'जॉज-थ्री डी' जैसी फिल्में दुनियाभर में खूब मशहूर हुईं।

थ्री डी प्रिंटिंग-जादू की छड़ी!

थ्री डी टेक्नोलॉजी अब अपनी सीमाएं तोड़ कर एक नये युग में प्रवेश कर रही है। थ्री डी की इस नयी क्रांति का नाम है 'थ्री डी प्रिंटिंग टेक्नोलॉजी' या 'एडेटिव मैन्यूफैरिंग।' मान लीजिए आपके शर्ट का बटन टूट गया है, किचन में मिक्सी काम नहीं कर रही है, क्योंकि उसका नॉब टूट गया है, बॉथरूम का नल भी अचानक खराब हो गया और आपकी गाड़ी का बंफर भी किसी ने टक्कर मार कर तोड़ दिया है। अब आप क्या करेंगे? शर्ट के बटन से लेकर कार के बंफर तक सारी चीजें आपको बाजार से खरीद कर लानी होगी। लेकिन नयी थ्री डी प्रिंटिंग टेक्नोलॉजी आपकी इन मुश्किलों को बेहद आसान बना देगी।

थ्री डी प्रिंटर साधारण प्रिंटर की तरह ही होता है। बस अंतर इतना है कि इसका प्रिंटआउट ए4 कागज की टू डी शीट की तरह साधारण न होकर थ्री डी में एक के ऊपर दूसरी परत को जमाते हुए निर्मित किया जाता है। मिसाल के तौर पर आपको शर्ट का बटन चाहिए। ऐसे में आपको अपने थ्री डी प्रिंटर में बटन का प्रोग्राम सेलेक्ट कर मैटीरियल कार्टिजेज सेलेक्ट करना होगा। यानी आप अपना बटन प्लास्टिक का चाहते हैं या फिर धातु का या फिर प्लास्टिक और धातु दोनों का मिलाजुला। अपनी पसंद के मुताबिक आप मैन्यूफैरिंग प्रोग्राम सेलेक्ट कीजिए और कार्टिजेज सेलेक्ट करके प्रिंटिंग बटन दबा दीजिए। थ्री डी प्रिंटर में एक नोजल होती है, काफी-कुछ सॉफ्टी बनानेवाली मशीन से मिलती-जुलती, लेकिन उसका आउटपुट आइसक्रीम मशीन की तरह मोटा नहीं, बल्कि बहुत पतला होता है। अब जिस तरह से कोन में डिस्पेंसर मशीन के नोजल से आइसक्रीम भरी जाती है, उसी तरह थ्री डी प्रिंटर के महीन से नोजल से मैटीरियल निकलने लगता है और कंप्यूटर प्रोग्राम यह तय करता है कि क्या चीज बनानी है और चंद मिनटों में आपकी शर्ट का हूबहू दूसरा बटन बन कर तैयार हो जाता है। थ्री डी प्रिंटर दरअसल एक निजी कारखाने जैसा है, जिसमें परिवार का कोई भी सदस्य अपनी जरूरत की चीज उसके खास प्रोग्राम और मैटीरियल को चुन कर बेहद आसानी से रोजाना के इस्तेमाल से लेकर कोई भी चीज बना सकता है। थ्री डी प्रिंटर की टेक्नोलॉजी कोई बहुत पुरानी नहीं है। पहला थ्री डी प्रिंटर थ्री डी सिस्टम्स कॉर्प के इंजीनियर चक हल ने 1984 में बनाया था। तब से अब तक थ्री डी प्रिंटिंग टेक्नोलॉजी और थ्री डी प्रिंटर मशीन में जबरदस्त बदलाव हो चुके हैं। इस मशीन की उपयोगिता को देखते हुए इसकी कीमत काफी कम है। हां, इस मशीन से आप रोजमर्रा के इस्तमाल की जो भी चीज बनाना चाहते हैं, उसका ब्लू-प्रिंट प्रोग्राम और खास मैटीरियल की कार्टेज आपको अलग से खरीदनी होगी। थ्री डी प्रिंटिंग टेक्नोलॉजी की मदद से कृषि क्षेत्र के औजारों से लेकर, भवन निर्माण, इंडस्ट्रियल डिजाइनिंग, ऑटोमोबाइल, एयरोस्पेस, सेना, इंजीनियरिंग, दंत चिकित्सा, मेडिकल इंडस्ट्री, बायोटेक्नोलॉजी (मानव कोशिकाओं के बदलाव), फैशन, फुटवियर, ज्वैलरी, आईवियर, शिक्षा, जियोग्राफिक इन्फॉर्मेशन सिस्टम्स, फूड और कई दूसरे क्षेत्रों की चीजें आसानी से घर बैठे बनायी जा सकती हैं। थ्री डी प्रिंटर एक जादू की छड़ी जैसा है। बस आप सोचिए और यह टेक्नोलॉजी उसे साकार कर दिखायेगी। अमेरिका में तो थ्री डी प्रिंटर की मदद से पिस्तौलें और राइफलें भी बनायी जा रही हैं। हालांकि, यह इस टेक्नोलॉजी का एक दूसरा और चिंताजनक पहलू है। थ्री डी प्रिंटर का सीमित इस्तेमाल अभी अमेरिका और यूरोप के देशों में हो रहा है। यह टेक्नोलॉजी अभी भारत में उपलब्ध नहीं है।

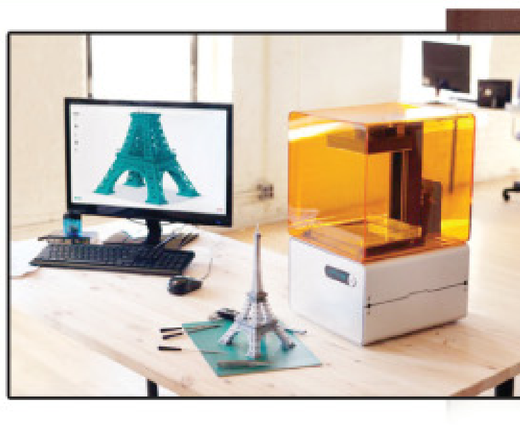

पहला थ्री डी स्टीरियोस्कोप

हाथ से बनी एक जैसी दो सपाट तस्वीरों में गहराई यानी थ्री डी का भ्रम पैदा करनेवाली सबसे पहली मशीन यानी 'स्टीरियोस्कोप' ब्रिटिश वैज्ञानिक सर चार्ल्स व्हीटस्टोन ने 1838 में बनायी थी। उन्होंने थोड़ी दूर पर रखी एक जैसी दो तस्वीरों के प्रतिबिंब बीच में 45 डिग्री के कोण पर रखे दो दर्पणों में लेने की कुछ ऐसी व्यवस्था की थी कि उसमें देखने पर वे दो तस्वीरें थ्री डी प्रभाव के साथ एक दिखाई पड़ती थीं, लेकिन सर व्हीटस्टोन का यह स्टीरियोस्कोप व्यावहारिक नहीं था।

थ्री डी के जादू से लोगों को परिचित कराने का काम जर्मनी के वैज्ञानिक डॉ कार्ल पलफ्रिच ने किया। उन्होंने 1880 में आसानी के साथ इस्तेमाल किया जानेवाला पहला व्यावहारिक थ्री डी स्टीरियोस्कोप बनाया। डॉ पलफिच का यह स्टीरियोस्कोप काफी कुछ वैसा ही था, जैसाकि आज खिलौनों की दुकानों में मिलनेवाला एक खिलौना 'व्यूमास्टर' होता है। सबसे खास बात यह कि डॉ पलफिच ने थ्री डी अनुभव को और बेहतर बनाने के लिए प्रकाश विज्ञान यानी ऑप्टिक्स के एक खास प्रभाव की खोज की, जिसे 'पलफिच इफेक्ट' कहते हैं। इस 'पलफिच इफेक्ट' का इस्तेमाल आज हॉलीवुड की थ्री डी फिल्मों में किया जा रहा है। लेकिन अफसोस की बात यह कि दुनिया को थ्री डी तकनीक का तोहफा देने वाले डॉ पलफिच खुद इसे नहीं देख सके। उनके ही शब्दों में, 'मैं थ्री डी इफेक्ट का आनंद खुद कभी नहीं उठा सका, क्योंकि 16 वर्षों से मुझे एक आंख से दिखाई नहीं दे रहा।'

थ्री डी में कैसे जुड़ा चश्मा

1844 में स्कॉटलैंड के सर डेविड ब्रेवस्टर ने एक ऐसा स्टीरियोस्कोप कैमरा बनाया जो थ्री डी तस्वीरें खींच सकता था। इस कैमरे ने थ्री डी तस्वीरों को डिब्बेनुमा मशीन स्टीरियोस्कोप से आजादी दिला दी। थ्री डी तस्वीर तो खींच ली, लेकिन अब इसे खुद कैसे देखें और दूसरों को कैसे दिखाएं? यहीं से थ्री डी तस्वीरों को देखने के लिए खास चश्मे की जरूरत महसूस हुई। इस कैमरे की मदद से 1851 में लंदन के एक बड़े प्रदर्शन समारोह में लुइस जूल्स डबोस्क ने क्वीन विक्टोरिया की एक तस्वीर खींची थी, जो बाद में दुनियाभर में मशहूर हो गयी। इसी प्रदर्शनी से पता चला कि अगर चश्मे ज्यादा हों, तो एक ही वक्त में एक से ज्यादा लोगों को थ्री डी तस्वीरें दिखाई जा सकती हैं। द्वितीय विश्वयुद्ध में थ्री डी स्टीरियोस्कोपिक कैमरों का काफी इस्तेमाल हुआ। बाद के दशकों में थ्री डी कैमरे की टेक्नोलॉजी ने काफी प्रगति की।

एनाग्लिफ तकनीक

अब थ्री डी को वह पहला व्यावसायिक स्वरूप सामने आया, जिसमें तस्वीरें कहीं ज्यादा वास्तविक और गहराई लिए हुए थी। इस व्यावसायिक स्वरूप का इस्तेमाल अब भी किया जा रहा है, जिसका नाम है 'थ्री डी एनाग्लिफ।' इस तकनीक में एक जैसी दो तस्वीरों को लाल और नीले टोन में प्रोसेस करके कुछ इस तरह से ओवरलैप किया जाता है कि लाल और नीले रंग के थ्री डी चश्मे से देखने पर स्वाभाविक गहराई के साथ तस्वीर जीवंत हो उठती है। इस तकनीक की मदद से पहला स्टीरियो एनीमेशन कैमरा बनाया गया, जिसका नाम था 'काइनेमैटास्कोप।' इस कैमरे की मदद से 1915 में पहली थ्री डी एनाग्लिफ फिल्म बनायी गयी। वर्ष 1922 में पहली व्यावसायिक थ्री डी फिल्म 'द पॉवर ऑफ लव' रिलीज हुई। यह फिल्म ब्लैक एंड व्हाइट थी। थ्री डी में पहली रंगीन फिल्म वर्ष 1935 में बनायी गयी थी। लेकिन फिर भी थ्री डी तकनीक को लोकप्रिय नहीं बनाया जा सका। इसकी सबसे बड़ी वजह थी कि थ्री डी फिल्में बनाना आम फिल्मों के मुकाबले काफी महंगा था और इन्हें ज्यादा लोगों को एकसाथ दिखाना भी मुमकिन नहीं था, क्योंकि इसमें प्रत्येक दर्शक के लिए चश्मे की जरूरत होती थी। इसका नतीजा यह रहा कि थ्री डी तकनीक लंबे अरसे तक उपेक्षित रही।

पोलेराइड चश्मे और थ्री डी टीवी

1986 में कनाडा ने पूरी तरह से पोलेराइड तकनीक पर आधारित फिल्म बनायी, जिसका नाम था 'इकोज ऑफ द सन।' इसी के साथ पुराने चश्मों की जगह नये पोलेराइड चश्मों ने ले ली। 2010 में थ्री डी तकनीक ने सिनेमा के परदे से उतर कर टीवी इंडस्ट्री में जगह बना ली। सोनी, पैनासोनिक, सैमसंग और एलजी आदि के थ्री डी टीवी सेट्स से बाजार भरे हैं, लेकिन ज्यादा कीमत के चलते अभी ये आम लोगों की पहुंच से बाहर हैं। विदेशों में कई ऐसे सेटेलाइट चैनल्स हैं, जो 24 घंटे एजुकेशनल शोज, एनीमेटेड शोज, स्पोर्ट्स, डॉक्यूमेंट्रीज और म्यूजिकल परफॉरमेंस सब कुछ थ्री डी फॉरमेट में दिखा रहे हैं।

थ्री डी प्रिंटर से बनेंगे मानव अंग!

दुनियाभर में प्रत्येक वर्ष अंग प्रत्यारोपण के लिए डोनर का इंतजार कर रहे हजारों लोगों की मौत हो जाती है। इस तसवीर को बदलने में बायोटेक्नोलॉजी के क्षेत्र में 'थ्री डी प्रिंटिंग टेक्नोलॉजी' एक वरदान साबित हो रही है। 'थ्री डी प्रिंटर' के इस्तेमाल से मानव अंग भी बनाये जा सकते हैं। इस अनोखे प्रयोग को अंजाम दे रही है एक कंपनी, जिसका नाम है मेलबर्न टीटीपी। 'थ्री डी प्रिंटर' से मानव अंग बनाने के लिए स्टेम सेल की मदद से प्रयोगशाला में बनायी गयी मानव कोशिकाओं को कच्चे माल की तरह इस्तेमाल किया जायेगा। ब्रिटिश वैज्ञानिकों ने एक खास नोजल विकसित करके इस दिशा में मजबूत कदम उठाये हैं। इस नोजल की मदद से प्रयोगशाला में अभी मानव कान प्रिंट करके तैयार कर लिया गया है। वैज्ञानिक अब मानव लिवर और हड्डियों को 'थ्री डी प्रिंटर' से बनाने की तैयारी में जुटे हैं। मेलबर्न टीटीपी कंपनी के मैनेजिंग डायरेक्टर का कहना है कि वे जल्द ही 'थ्री डी प्रिंटर' से मानव अंग बनाने में कामयाबी हासिल कर लेंगे और अगले 10 वर्षों के भीतर मानव अंग प्रत्यारोपण के लिए डोनर्स की जरूरत ही खत्म हो सकती है। 'थ्री डी प्रिंटर' से अभी सर्जिकल इम्प्लांट्स जैसे हिप और नी रिप्लेसमेंट्स बनाये जा रहे हैं। स्टेम सेल, बायोटेक्नोलॉजी और 'थ्री डी प्रिंटर' का ये मेल पूरी मानवता के लिए एक नया वरदान है और अगले कुछ वर्ष बाद अंग प्रत्यारोपण के लिए मरीजों को लंबा इंतजार नहीं करना पड़ेगा।

धूप में निकलने से पहले..

■ सूरज की गर्मी से जलते हुए तन को दें ज्यादा से ज्यादा पानी का सहारा
■ गर्मी में निकलने से पहले करें सनस्क्रीन यूज
■ घर से टोपी, छाता व काला चश्मा ही पहन के निकलें

सनस्क्रीन 20 मिनट पहले लगाए : सनस्क्रीन बाहर निकलने से 20 मिनट पहले लगा लें क्योंकि इसे जज्ब होने में इतना समय लगता है। पूरे दिन में कई बार सनस्क्रीन लगाएं। यदि आपको इसकी तैलीय प्रकृति नापसंद हो तो आप इसमें कैलामाइन लोशन या टैल्कम पॉवडर मिला लें।

ब्लेक गॉगल्स व हैट: हमेशा चौड़ा हैट पहनें और ब्लेक गॉगल्स लगाकर ही बाहर निकलें। हो सके तो सफेद या फिर हल्के रंग के कपड़े पहनें क्योंकि ये तापमान नहीं सोखते। कॉटन के कपड़ों हवा पास होती रहती है।

टमाटर टैनिंग से छुटकारा दिलाए : टैनिंग से छुटकारा पाने के लिए टमाटर का जूस का प्रयोग करें। इसका प्रयोग दिन में दो बार किया जा सकता है। टमाटर विटामिन-सी से भरपूर होते हैं। इन्हें रोजाना खाना चाहिए।

पानी, शरबत व रसीले फल खा कर जाएं बाहर : बाहर निकलने से पहले खूब सारा पानी पी लें क्योंकि गर्मियों में शरीर की नमी तेजी से निकल जाती है। हीट स्ट्रोक होने का भी यही एक बड़ा कारण है। छाछ, कैरी का पन्हा, शरबत और रसीले फल शरीर की नमी को बरकरार रखते हैं।

कीवी नमी बनाए रखता है: कीवी शरीर की नमी बनाए रखता है। हो सके तो इन गर्मियों में एक कीवी जरूर खाएं यह शरीर की नमी को बनाए रखने का एक घरेलू उपाय है।

खुबानी और शहद का लोशन यूज करें: खुबानी और शहद से बने लोशन से त्वचा गुलाब की पत्तियों जैसी नर्म और मुलायम हो जाती है।

दोस्तों गर्मियां आ पहुंची हैं। ऐसे में आप अपनी स्किन और शरीर को झुलसा देने वाली गर्मी से परेशान होंगे। गर्मियां तो होती ही हैं परेशानी देने वाली, इसमें आपके पसीने छूटने तो लाजमी ही हैं। अब जबतक गर्मियां हैं तबतक आप अपने काम-काज तो बंद करके तो बैठ नहीं जाएंगे, काम तो 12 महीनों ही करना है। इन 12 महीनों में हम न जाने कौन-कौन से थपेड़ों से जूजते हैं, इन सबसे ज्यादा परेशान तो गर्मी ही करती है। बाहर आना-जाना सबसे ज्यादा परेशान करता है। चिपचिपा पसीना, बढ़ा हुआ तापमान, धूल और पानी की कमी का सीधा असर पूरे शरीर और त्वचा पर पड़ता है। धूप में शरीर का जो हिस्सा खुला रहता है वह झुलस जाता है। बहुत लंबे समय तक सनबर्न होता रहे तो त्वचा पर उम्र का असर दिखाई देने लगता है। त्वचा कांतिहीन हो जाती है और उम्र से पहले ही बुढ़ापा दिखाई देने लगता है। गर्मियों के मौसम में होने वाली समस्याओं से बचा जा सकता है लेकिन इसके लिए आपको अपनी जीवनशैली में चंद परिवर्तन करने होंगे।

सनबर्न होने पर बर्फ करें यूज : यदि किसी वजह से सनबर्न हो गया है तो वहां बर्फ लगाएं और तापमान को कम करने की कोशिश करें। यहां अन्य कोई लेप या क्रीम या मास्क न लगाएं।

पानी का करें यूज: बाहर निकलने से पहले आप भरपूर पानी पीए, धूप में आपकी बॉडी गर्म हो जाती है पानी आपकी बॉडी को समान्य बनाए रखेगा।

संतरे ठंडक देता है: संतरे का रस भरपूर ठंडक देता है, संतरा और उसका रस उम्र को परे धकेलने में सहायक होता है।

कुछ एंटीबायटिक बार बार लेने से मधुमेह!

कुछ एंटीबायटिक बार बार लेने से मधुमेह होने का खतरा बढ़ जाता है। यूरोपियन जर्नल ऑफ इंडोक्रनालजी के अनुसार कुछ एंटीबायटिक बार-बार लेने से 'टाइप टू डायबिटीज' का खतरा बढ़ जाता है। लिहाजा विशेषज्ञों ने एंटीबायटिक के बेजा इस्तेमाल पर रोक लगाने की मांग की है। पेंसिलवेनिया यूनिवर्सिटी के गैस्टोएन्टरालजी एंड मेडिकल ऑनकोलॉजी के शोधकर्ता डा. बेन बोरसी के अनुसार एंटीबायटिक के कारण हमारे पाचनतंत्र पर खराब असर पड़ता है। इससे 'गट बैक्टीरिया' (आंतों के बैक्टीरिया) के सक्रिय होने की आशंका बढ़ जाती है। इससे शरीर के मैकेनिज्म पर खराब असर पड़ता है और मोटापा बढ़ने की आशंका बढ़ जाती है। मोटापा बढ़ना इंसुलिन की रोग प्रतिरोधक क्षमता को कम करता है।

■ एंटीबायटिक के कारण हमारे पाचनतंत्र पर खराब असर पड़ता है
■ इससे 'गट बैक्टीरिया' (आंतों के बैक्टीरिया) के सक्रिय होने की आशंका बढ़ जाती है
■ लिहाजा मोटापा बढ़ता है और इंसुलिन की प्रतिरोधक क्षमता कम होती है

वरिष्ठ शोधकर्ता डा. यू झी यांग के अनुसार हमारे शोध ने एंटीबायोटिक और मधुमेह के बीच संबंध होने के खतरे को उजागर किया है। ब्रिटेन में टाइप टू डायबिटीज मरीज से पीड़ित लोगों की मेडिकल हिस्ट्री पर नजर डाली गई। इसमें यह निष्कर्ष सामने आया कि टाइप टू डायबिटीज से पीड़ित मरीजों को पहले 'पेनसिलीन्स', 'सेपहेलोस्पोरिन्स', 'क्वींनोलोन्स' और 'मैक्रोलाइड्स' आदि का कम से कम दो बार कोर्स किया था। इसमें से 'क्वींनोलोन्स' सांस के रोगियों और 'यूरीनरी ट्रेक इंफेक्शन' के मरीजों आदि को दी जाती है। ब्रिटेन में 30 लाख लोग टाइप टू डायबिटीज से पीड़ित हैं। भारत सहित कई देशों में मधुमेह पीड़ित मरीजों की संख्या तेजी से बढ़ रही है। आने वाले समय में भारत में मधुमेह मरीजों की संख्या अत्यधिक बढ़ने की आशंका है।

टाईम पास

आज का राशिफल

मेष (चू चे चो ला ली लू ले लो आ): सुबह-सुबह की महत्वपूर्ण सिद्धि के बाद दिन-भर उत्साह रहेगा। किसी लाभदायक कार्य के लिए व्ययकारक स्थितियां पैदा होगी। अल्प-परिश्रम से ही लाभ होगा। कामकाज में आ रहा अवरोध दूर होकर प्रगति का रास्ता मिल जाएगा। घरेलू बहुमूल्य वस्तुओं के क्रय का योग है। शुभांक-3-5-7

वृष (इ उ ए ओ वा वी वू वे वो): परामर्श व परिस्थिति सभी का सहयोग मिलेगा। अधिकारी वर्ग से आपकी निकटता बढ़ेगी। व्यावसायिक उपक्रम में उलटफेर की शुरूआत हो सकती है। स्थाई सम्पति के निर्माण, मरम्मत व पुर्नस्थापना पर व्यय भार बढ़ेगा। किसी की टीका-टिप्पणी से आपको परेशानी हो सकती हैं। शुभांक-2-4-5

मिथुन (का की कू घ ड छ के को हा): विश्वस्त लोगों के कहे अनुसार चलें। राजकीय कार्यों में सतर्कता बरतें। मान-सम्मान को ठेस लग सकती है। जोश से कम व होश में रहकर कार्य करें। नये आगंतुकों से लाभ होगा। कार्यक्षेत्र में संतोषजनक सफलता मिलेगी। परिवार के साथ मनोरांजनिक स्थल की यात्रा होगी। शुभांक-2-4-6

कर्क (ही हू हे हो डा डी डू डे डो): पुरानी पारिवारिक समस्याओं का समाधान होगा। परिश्रम प्रयास से काम बनाने की कोशिश लाभ देगी। व्यापार व व्यवसाय में ध्यान देने से सफलता मिलेगी। बुरी संगति से बचें। नौकरी में सावधानीपूर्वक कार्य करें। अपनों का सहयोग प्राप्त होगा। परिवार पक्ष से थोड़ी ङ्कचता रहेगी। शुभांक-1-3-5

सिंह (मा मी मू मे मो टा टी टू टे): दाम्पत्य जीवन में तनाव का वातावरण बन सकता हैं। शारीरिक सुख के लिए व्यसनों का त्याग करें। आत्मङ्कचतन करें। पुराने मित्र से मिलन होगा। पठन-पाठन में स्थिति कमजोर रहेगी। खान-पान में सावधानी रखें। अपने अधीनस्थ लोगों से कम सहयोग मिलेगा। भ्रातृपक्ष में विरोध होने की संभावना है। शुभांक-4-6-8

कन्या (टो पा पी पू ष ण ठ पे पो): रुका हुआ पैसा वसूलने में मदद मिल जाएगी। व्यर्थ प्रपंच में समय नहीं गंवाकर अपने काम पर ध्यान दीजिए। अच्छे कार्य के लिए रास्ते बना लेंगे। अपने हित के काम सुबह-सबेरे निपटा लें। नियोजित कार्यक्रम सरलता से संपन्न हो जाएंगे। परिवार में कोई मांगलिक कार्य पर वार्ता होगी। शुभांक-2-3-5

तुला (रा री रु रे रो ता ती तू ते): संतान की ओर से हर्ष के प्रसंग बनेंगे। समय को देखकर कार्य करना ज्यादा हितकर रहेगा। परिश्रम अधिक करना पड़ेगा तभी आप लाभ की आशा कर सकते हैं। कार्य क्षेत्र में पदोन्नति के योग बनेंगे। दुर्लभ स्वप्न साकार होंगे। पुरुषार्थ का सहारा लें। व्यवसायिक अभ्युदय भी होगा और प्रसन्नताएं भी बढ़ेगी। शुभांक-2-5-6

वृश्चिक (तो ना नी नू ने नो य यी यू): कर्म बल पर आपको सफलता मिलेगी। व्यवसायिक क्षेत्र में वर्तमान क्षमता को बढ़ाएंगे। उपक्रम का विस्तार करने का प्रयास सफल होगा। आप अच्छी सफलताएं प्राप्त करेंगे। बुद्धि कौशल से चुनौतीपूर्ण कार्यों में सफलता मिलेगी। आर्थिक दृष्टि से समय उपलब्धिकारक रहेगा। भाई-बहनों का प्रेम बढ़ेगा। शुभांक-1-4-6

धनु (ये यो भा भी भू धा फा ढा भे): मानसिक एवं शारीरिक शिथिलता पैदा होगी। कामकाज सीमित तौर पर ही बन पाएंगे। स्वास्थ्य कमजोर बना रहेगा। कुछ आर्थिक संकोच पैदा हो सकते हैं। महत्वपूर्ण कार्य को समय पर बना लें तो अच्छा ही होगा। श्रम अधिक करना पड़ सकता है। वरिष्ठजनों से मतभेद उभर सकते हैं। शुभांक-3-5-6

मकर (भे जा जी खी खू खे खो गा गी): शनैः-शनैः स्थिति पक्ष की बनने लगेगी। मेल-मिलाप से काम बनाने की कोशिश लाभ देगी। यात्रा परिणाम शुभ रहेगा। आशा और उत्साह के कारण सक्रियता बढ़ेगी। सुखद समय की अनुभूतियां प्रबल होगी। लाभदायक कार्यों की चेष्टाएं प्रबल होंगी। अभिभावकों के प्रति उत्तरदायित्व निभाने होंगे। शुभांक-2-4-6

कुंभ (गू गे गो सा सी सू से सो दा): विकास के लिए बनाई योजना सफल होगी। अच्छा हो कि आप अपने उद्देश्य को लेकर सचेत रहें। प्रियजनों से समागम का अवसर मिलेगा। कार्यक्षेत्र में महत्वपूर्ण कार्य सौंपे जा सकते है जो कि अतिविश्वसनीय व्यक्तियों को ही दिये जाते हैं। कार्य साधक दिन है व्यर्थ न गंवाऐ। मनोरथ सिद्धि का योग है। शुभांक-3-5-7

मीन (दी दू थ झ ञ दे दो चा ची): व्यापार में स्थिति उत्तम रहेगी। उत्तरदायित्व की अधिकता निजी जीवन में अपने ही ढ्ग की परेशानियां पैदा करेगी। कारोबार की उन्नति के लिये एक से अधिक सीढ़ी चढ़कर लोंगो को आश्चर्य में डाल देगें। चल-अचल सम्पति में वृद्धि होगी। बौद्धिक क्षेत्र में प्रतियोगिता जीतने का मौका मिलेगा। शुभांक-2-5-6

लॉफिंग ज़ोन

एक बहरा अपने बीमार मित्र को देखने जा रहा था. रास्ते में वह मन ही मन सोचने लगा कि ज्यादा बातें करुंगा तो कुछ का कुछ सुनाई देगा इसलिए कम से कम बोलूंगा. सबसे पहले पूछूंगा कि तबीयत कैसी है? मित्र कहेगा ठीक है. फिर पूछूंगा कि किसकी दवा चल रही है? वह डॉक्टर का नाम बता देगा. सोचते-सोचते बीमार का घर आ गया. मित्र से मिलते ही बहरा बोला, 'कहो कैसी तबीयत है?'

बीमार- 'मर रहा हूं.'

बहरा - अगछा ही है. भगवान करे ऐसा ही हो. दवा किसकी चल रही है?

बीमार - यमराज की.

बहरा - अच्छा डॉक्टर है, खाने को क्या बताया है?

बीमार - पत्थर.

बहरा - ठीक है, पचने में हल्के होते हैं.

☺ ☺ ☺

मैनेजर ने अपने एक कर्मचारी के पिता को बुलाकर कहा- आपका लड़का ऐसे काम कर रहा है, जैसे दस वर्ष से नौकरी कर रहा हो.

कर्मचारी के पिता ने पूछा- क्या वह इतने कम दिनों में ही अच्छा काम करना सीख गया है?

'जी नहीं, वह इतना अधिक आलसी हो गया है.' मैनेजर ने जवाब दिया.

☺ ☺ ☺

काकुरो पहेली - 4090

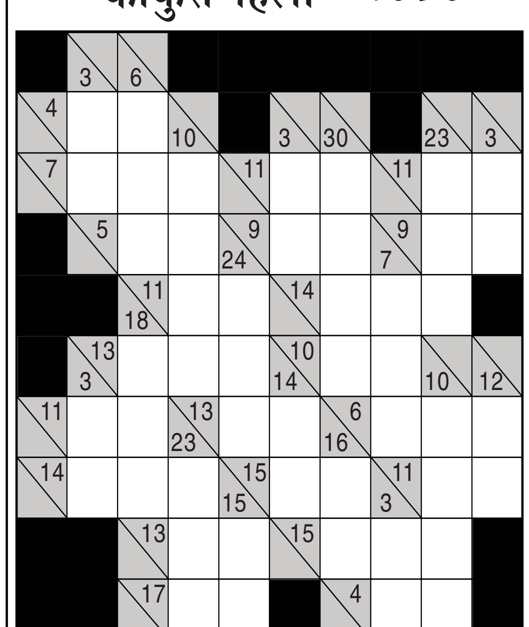

खाली वर्गों में 1 से 9 तक के अंक लिखकर नीचे से ऊपर व दाएं से बाएं की जोड़ हल्के रंग के आधे वर्ग की संख्या से मेल खानी चाहिए. किसी भी अंक का उस जोड़ में पुनः उपयोग नहीं किया जा सकता.

उदाहरणत:

11 → 1 2 3 5; 7 ↑ 1 2 4

1+2+3+4+5+6=21
1+2+3+4+5+7=22
3+5+6+7+8+9=38
4+5+6+7+8+9=39

काकुरो 4089 का हल

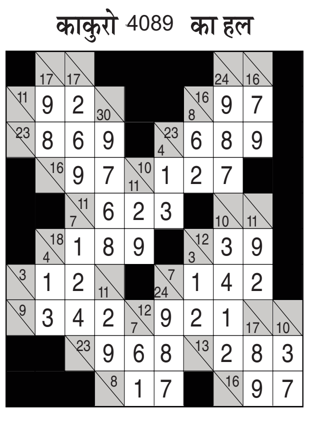

फिल्म वर्ग पहेली- 4090

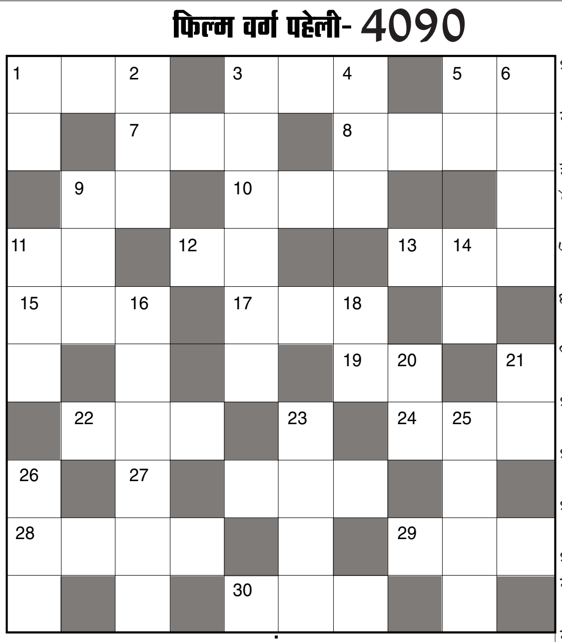

बायें से दायें:-

१. 'ये तारा वो तारा' गीत वाली आशुतोष गोवारीकर की फिल्म-३
३. 'तुम्हें अपना बनाने की' गीत वाली संजयदत्त, पूजा भट्ट की फिल्म-३
५. राजकपूर, नर्गिस की 'ये शाम की तन्हाइयाँ' गीत वाली फिल्म-२
७. 'चलती है पुरवाई' गीत वाली जतिन ग्रेवाल, नेहा की फिल्म-३
८. ऋषिकपूर, जयाप्रदा की 'रामजी की निरली सवारी' गीत वाली फिल्म-४
९. 'मैं शायर तो नहीं' गीत वाली ऋषिकपूर, डिम्पल की फिल्म-२
१०. राजेश खन्ना, शर्मिला की 'कन्हैया कन्हैया तुझे' गीत वाली फिल्म-३
११. 'बंदा ये बिंदास है' गीत वाली अमिताभ, रवीना, नंदिता की फिल्म-२
१२. अमिताभ, जीनत की 'ये मेरा दिल यार का दीवाना' गीत वाली फिल्म-२
१३. 'दिन सारा गुजारा' गीत वाली शम्मी कपूर, सायरा की फिल्म-३
१५. राजेंद्रकुमार, वहीदा की 'ये मौसम भीगा भीगा है' गीत वाली फिल्म-४
१७. 'वो शाम कुछ अजीब थी' गीत वाली राजेश खन्ना, वहीदा की फिल्म-३
१९. आमिर, जूही, ममता की 'धीरे धीरे आप मेरे' गीत वाली फिल्म-२
२२. फिल्म 'रिफ्यूजी' में अभिषेक के साथ नायिका कौन थी-३
२४. अक्षयकुमार, करीना की 'दिल ले गया परदेसी' गीत वाली फिल्म-३
२७. 'बहारों फूल बरसाओ' गीत वाली राजेंद्रकुमार, वैजयंती की फिल्म-३
२८. किशोरकुमार की 'एक चतुर नार करके सिंगार' गीत वाली फिल्म-४
२९. 'फिर वही चांद वही गम' गीत वाली देवआनंद, नूतन की फिल्म-३
३०. डिनो, बिपाशा की 'जब दिल चुराये कोई' गीत वाली फिल्म-३

ऊपर से नीचे:-

१. 'कैसे कटे दिन कैसे' गीत वाली राजेश, गोविंदा, जूही की फिल्म-२
२. अमिताभ, जयाप्रदा की 'मंजिलें अपनी जगह हैं' गीत वाली फिल्म-३
३. फिल्म 'तेरे नाम' में नायक कौन था-४,२
४. ऋषि, चंकी, नीलम की 'देखा जो हुस्न आपका' गीत वाली फिल्म-३
५. काहे कोयल शोर, मचाये' गीत वाली राजकपूर, नर्गिस की फिल्म-२
६. जीतेंद्र, लीना चंदावरकार की 'तूने तूने ओ सनम' गीत वाली फिल्म-४
९. 'है मुबारक आज का' गीत वाली मिथुन चक्रवर्ती, रति की फिल्म-३
११. संजय दत्त, अनिता की 'तुन्ना तुन्ना तक तक तुन्ना' गीत वाली फिल्म-३
१४. 'हम तुम को निगाहो' गीत वाली सलमान, अरबाज, शिल्पा की फिल्म-२
१६. राजकपूर, वहीदा रहमान की 'सजन रे झूठ मत बोलो' गीत वाली फिल्म-३,३
१८. फिल्म 'मिस ४२०' में नायिका कौन थी-२
२०. सनी देओल, सलमान, करिश्मा, तब्बू की 'तू धरती पे चाहे जहाँ' गीत वाली फिल्म-२
२१. 'फूल ये कहाँ से' गीत वाली जैकी श्रॉफ, डिम्पल कपाड़िया की फिल्म-२
२३. अजय देवगन, अमीषा पटेल की 'प्यार तो होता है प्यार' गीत वाली फिल्म-४
२५. 'मेरे अंगने में तुम्हारा' गीत वाली अमिताभ, जीनत अमान की फिल्म-४
२६. अरविंद स्वामी, प्रभुदेवा, काजोल की 'एक बगिया में रहती है' गीत वाली फिल्म-३

फिल्म वर्ग पहेली-4089

सूडोकु -'4090

	9				4			7
					7	9		
8								
4		5	8					
3				1				2
					9	7		6
								4
		3	5					
2			6				8	

■ प्रत्येक पंक्ति में 1 से 9 तक के अंक भरे जाने आवश्यक हैं.
■ प्रत्येक आड़ी और खड़ी पंक्ति में एवं 3×3 के वर्ग में किसी भी अंक की पुनरावृत्ति न हो इसका विशेष ध्यान रखें.
■ पहले से मौजूद अंकों को आप हटा नहीं सकते .
■ पहेली का केवल एक ही हल है.

सूडोकु -4089 हल

7	8	5	2	6	3	1	4	9
4	3	1	9	7	5	8	2	6
2	6	9	1	4	8	7	5	3
3	1	4	6	8	9	5	7	2
9	5	8	7	2	4	6	3	1
6	7	2	5	3	1	9	8	4
5	2	7	3	9	6	4	1	8
1	4	6	8	5	2	3	9	7
8	9	3	4	1	7	2	6	5

शब्द पहेली - 4090

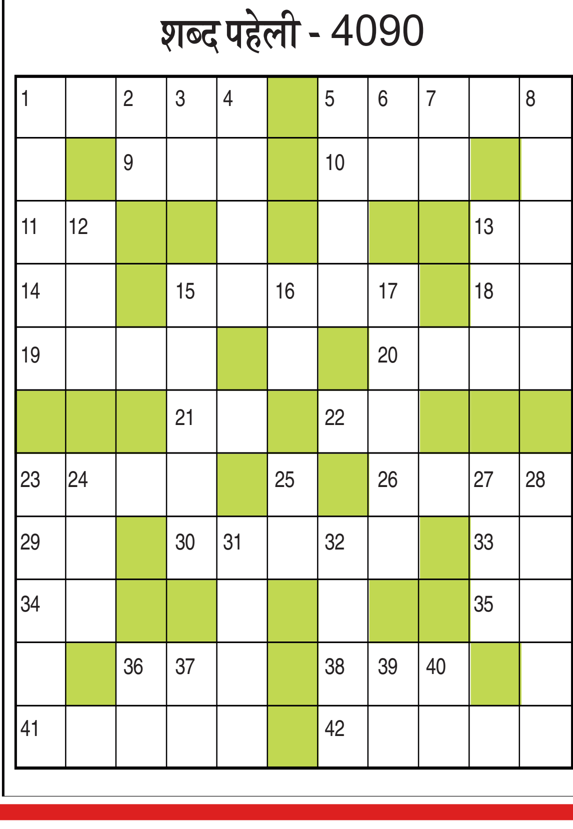

बाएँ से दाएँ
1.मन मोहने वाला-5
5.प्रस्थान करना,रवानगी-5
9.राशिचक्र की दसवीं राशि-3
10.तेल में पकाना-3
11.प्रेम,प्यार-2
13.थोड़ा,जरा-2
14.मैं का बहुवचन-2
15.उम्मीद करना-5
18.धन,संपदा-2
19.पक्षियों की चहचहाट-4
20.अभिप्राय-4
21.सद्,अच्छा-2
22.दम,ताकत-2
23.प्रकाशवान-4
26.ठसाठस-4
29.माईल,दूरी नामपे की इकाई-2
30.क्रोधित होना-2,3
33.विदेशी शराब-2
34.झुका हुआ-2
35.भाग्य (अंग्रेजी-2)
36.आखेट मंच-3
38.खुजली-3
41.मनमोहकता-5
42.नाटक लिखने वाला-5

ऊपर से नीचे
1.आकर्षक.चिताकर्षक-5
2.वैक्स,मधुज-2
3.अधिकार-2
4.फिल्म 'मदर इंडिया' की नायिका-4
5.जागरण-4
6.दीवार (अंग्रेजी-2)
7.मां के पिता-2
8.असफल-5
12.गर्भ,कोख-3
13.करामात-3
15.खातिरदारी -5
16.उद्देश्य-2
17.नामकरण-2,3
23.भूस्वामी-2,3
24.सही का विलोम-3
25.मृत्यु-2
27.इमामदस्ता-3
28.कांतिमान, चमकीला-5
31.उदारता,बड़प्पन-4
32.मालगोदाम-4
36.रत्न,नग-2
37.टी,चहा-2
39.याचिका,वाद (अंग्रजी-2)
40.वहम,संदेह-2

शब्द पहेली 4089 हल

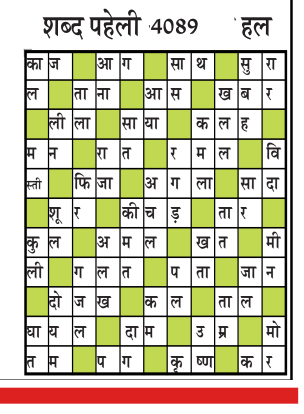

गर्मी का कहर: गाजियाबाद में 16 घंटे में 14 लोगों की मौत

डॉक्टरों की छुट्टी पर लगी रोक; बरतें ये सावधानी

एजेंसी

गाजियाबाद। जिले में 16 घंटे में 14 और लोगों की मौत हो गई है। स्वास्थ्य विभाग का तनाव बढ़ गया है। आनन-फानन में जिला अस्पताल के अलावा सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्रों की इमरजेंसी सेवाओं में अतिरिक्त चिकित्सकों के साथ स्वास्थ्य कर्मी तैनात कर दिए गए हैं।

चिकित्सकों के अवकाश पर रोक

तत्काल प्रभाव से चिकित्सकों के अवकाश पर रोक लगा दी गई है। हालांकि स्वास्थ्य विभाग इन मौतों को लेकर कुछ भी बोलने को तैयार नहीं है लेकिन भीषण गर्मी की वजह से लोग बेहोश होकर गिर रहे हैं और अस्पताल पहुंचने पर उनको मृत घोषित किया जा रहा है।

अधिकारी मौतों को लेकर कह रहे हैं कि पोस्टमार्टम रिपोर्ट के बाद ही मौत का सही कारण पता चल पाएगा। जिला एमएमजी अस्पताल

के सीएमएस डॉ. राकेश कुमार सिंह ने बताया कि खोड़ा में दो दिन पहले 28 वर्षीय अंशुमन त्रिपाठी की मौत हो गई थी।

तीन दिन में 45 लोगों की मौत के बाद हडकंप

सीएमएस ने बताया कि आठ लोगों की मौत की पोस्टमार्टम रिपोर्ट में केवल अंशुमन त्रिपाठी की मौत की लू लगने से पुष्टि हुई है। जिले में यह लू से पहली मौत है। आडिट समिति इसकी रिपोर्ट बनाकर प्रशासन को भेजेगी। अकेले जिला एमएमजी अस्पताल में तीन दिन में 45 लोगों की मौत के बाद हडकंप मच गया है। 17 जून को 16, 18 जून को 18 और 19 जून को देर शाम तक 11 लोगों की मौत हुई है। प्रशासन ने सीएमएस से इसकी पूरी रिपोर्ट मांग ली, लेकिन बचाव को लेकर देर शाम तक अधिकारियों के अलावा जनप्रतिनिधि गंभीर नहीं दिखे। लोग दिन-रात गर्म सड़कों पर सोने को मजबूर है।

रैन बसेरों में गर्मी से बचाव के इंतजाम नहीं है। इमरजेंसी में मरीजों की भीड़ बढने के साथ ही मोर्चरी में शव रखने को जगह नहीं है। पोस्टमार्टम हाउस स्थित मोर्चरी में लगाए गए डीप फ्रीजर खराब होने से शवों को स्ट्रेचर और जमीन पर ही रखा जा रहा है। बुधवार देर रात तक 31 लोगों के पोस्टमार्टम होते रहे।

प. बंगाल जीआरपी भी करेगी रेल दुर्घटना की समानांतर जांच, एसआईटी का गठन

एजेंसी

कोलकाता। पश्चिम बंगाल राजकीय रेलवे पुलिस (जीआरपी) भी एक ट्रेन यात्री की दर्ज कराई गई शिकायत के आधार पर कंचनजंघा एक्सप्रेस दुर्घटना की समानांतर जांच करेगी। जीआरपी ने सोमवार को हुए दुर्घटना की स्वतंत्र जांच के लिए छह सदस्यीय विशेष जांच दल (एसआईटी) का गठन किया हैसिलीगुड़ी के जीआरपी अधीक्षक एस. सेल्वामुरूगन ने गुरुवार को कहा कि एसआईटी का नेतृत्व पुलिस उपाधीक्षक स्तर के एक अधिकारी करेंगे। उनकी सहायता के लिए एक निरीक्षक, दो उप-निरीक्षक और दो सहायक उप-निरीक्षक होंगे। उल्लेखनीय है कि इस दुर्घटना की जांच पूर्वोत्तर सीमांत रेलवे (एनएफआर) के मुख्य रेलवे सुरक्षा आयुक्त (सीसीआरएस) जनक कुमार गर्ग की प्रत्यक्ष निगरानी में शुरू हो चुकी है। जीआरपी के एक अधिकारी ने बताया कि एसआईटी के सदस्य मालगाड़ी के सहायक लोको-पायलट मनु कुमार से बयान लेने अस्पताल पहुंचे। सहायक लोको-पायलट को दुर्घटना के बाद इस अस्पताल भर्ती कराया गया है। फिलहाल वह खतरे से बाहर पर दुर्घटना की वजह से सदमे में बताए जा रहे हैं। जीआरपी की एसआईटी को उनके सदमे से उबरने का इंतजार है, ताकि पूछताछ शुरू की जा सके। दुर्घटना के कारणों पर खुलासा करने के लिए उन्हें आखिरी कड़ी माना जा रहा है, क्योंकि कंचनजंघा एक्सप्रेस और मालगाड़ी दोनों के लोको पायलट की मौत हो चुकी है।

व्यापक योग अभियान के साथ अंतर्राष्ट्रीय योग दिवस मनाया

जम्मू। अंतर्राष्ट्रीय योग दिवस मनाने और स्वस्थ जीवनशैली के लिए योग के लाभों को बढ़ावा देने के लिए, भारतीय सेना ने अखनूर के सभी रैंकों और परिवारों के साथ-साथ टांडा के आस-पास के गांवों की नागरिक आबादी के लिए एक व्यापक योग अभियान चलाया। इस पहल में नागरिकों और सेना के जवानों दोनों के लिए व्यापक योग सत्र आयोजित किए गए, जिसका उद्देश्य योग के अभ्यास के माध्यम से शारीरिक और मानसिक स्वास्थ्य को बढ़ाना था।

सत्रों में, जिसमें समग्र स्वास्थ्य और तनाव प्रबंधन में सुधार के लिए योग के महत्व पर प्रकाश डाला गया, अखनूर में तैनात सैनिकों और स्थानीय निवासियों ने उत्साहपूर्वक भाग लिया। अभियान ने समग्र फिटनेस और सामुदायिक जुड़ाव के लिए सेना के समर्पण को रेखांकित किया, जिससे प्रतिभागियों के बीच एकता और मन की भावना को बढ़ावा मिला। यह आयोजन एक शानदार सफलता थी, जिसने योग जैसी पारंपरिक प्रथाओं के माध्यम से एक संतुलित और स्वस्थ जीवनशैली को बढ़ावा देने के लिए भारतीय सेना की प्रतिबद्धता को प्रदर्शित किया। इस पहल ने न केवल शारीरिक स्वास्थ्य के महत्व को मजबूत किया, बल्कि अंतर्राष्ट्रीय योग दिवस के व्यापक लक्ष्यों के साथ जुड़ते हुए मानसिक स्वास्थ्य पर भी जोर दिया।टांडा में योग अभियान सामुदायिक विकास में सेना की भूमिका और नागरिक आबादी के साथ मजबूत संबंध बनाने के प्रयासों का प्रमाण है। ऐसी गतिविधियों के माध्यम से, भारतीय सेना अपने लोगों के बीच स्वास्थ्य और एकजुटता की भावना को बढ़ावा देते हुए उदाहरण पेश करती रहती है।

धूमधाम से सम्पन्न हुआ पिपलू मेला

ऊना। तीन दिवसीय जिला स्तरीय ऐतिहासिक पिपलू मेला धूमधाम के साथ सम्पन्न हुआ। मेले के अंतिम दिन टाउन एवं कंट्री प्लानिंग, आवास प्रबंध, तकनीकी शिक्षा, व्यावसायिक एवं औद्योगिक प्रशिक्षण मंत्री राजेश धर्माणी बतौर मुख्यातिथि उपस्थित हुए जबकि कार्यक्रम की अध्यक्षता विधायक कुटलैहड़ विवेक शर्मा ने की। अपने संबोधन में राजेश धर्माणी ने कहा कि जिला स्तरीय ऐतिहासिक पिपलू मेले में राज्य सरकार और जिला प्रशासन के प्रयासों से काफी अच्छे बदलाव देखने को मिले हैं। सरकारी और गैर सरकारी संस्थाओं द्वारा विभिन्न विकासात्मक प्रदर्शनियां लगाई गई जिसमें अनेक प्रकार की ज्ञानवर्धक जानकारी हासिल हुई है। उन्होंने कहा कि प्रदेश सरकार के प्रयासों से कुटलैहड़ में पर्यटन विकास क्षेत्र को नए पंख लगेंगे। कुटलैहड़ क्षेत्र पर्यटन गंतव्य के रूप में पहचाना जाएगा तथा शीघ्र ही विश्व पर्यटन मानचित्र पर देखने को मिलेगा।

मुख्यमंत्री यादव ने राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मु को जन्मदिन पर दी शुभकामनाएं

भोपाल। भारत की राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू आज गुरुवार को अपना 66वां जन्मदिन मना रही हैं। इस अवसर पर उन्हें देशभर से बधाई संदेश मिल रहे है। मप्र के मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने भी राष्ट्रपति मुर्मु को जन्मदिन पर शुभकामनाएं प्रेषित की हैं।

सीएम डॉ. मोहन यादव ने सोशल मीडिया एक्स पर पोस्ट करते हुए अपने बधाई संदेश में कहा, महामहिम राष्ट्रपति श्रीमती द्रौपदी मुर्मु जी, आपको जन्मदिन की हार्दिक बधाई एवं शुभकामनाएं। त्याग और समर्पण से आपने जीवन का प्रत्येक क्षण देश की सेवा और कमजोर, वंचित वर्ग को सशक्त बनाने में लगा दिया है। बाबा महाकाल से प्रार्थना है कि आपको दीर्घायु एवं उत्तम स्वास्थ्य प्रदान करें।

अपराध पर लगाम लगाने के लिए थानाध्यक्षों के कार्यक्षेत्र में बदलाव

एजेंसी

जौनपुर। जनपद में अपराध पर लगाम लगाने के लिए पुलिस अधीक्षक डॉ अजय पाल शर्मा ने गुरुवार को एक दर्जन से ज्यादा थानाध्यक्षों के कार्य क्षेत्र में भारी फेरबदल किया है। जिनमें प्रमुख रूप से जफराबाद, जलालपुर बक्शा, मछलीशहर, खुटहन, महराजगंज, सरपतहहां, चंदवक के थानाध्यक्षों के कार्य क्षेत्र में परिवर्तन किया गया।

सरपतहां थानाध्यक्ष त्रिवेणी सिंह को चंदवक की कमान तो चंदन राय को लाइन हाजिर किया गया है। सत्य प्रकाश सिंह को क्राइम ब्रांच से मछली शहर कोतवाल,मनोज सिंह को थानाध्यक्ष बक्शा से थानाध्यक्ष जलालपुर की कमान,जय प्रकाश यादव को थाना लाइन बाजार से इंस्पेक्टर जफराबाद,दिव्य प्रकाश सिंह को थानाध्यक्ष महराजगंज से थानाध्यक्ष खुटहन,अरविंद सिंह को थानाध्यक्ष बरसठी से थानाध्यक्ष सरपतहां बनाया गया है।

इसी क्रम में त्रिवेणी सिंह को थानाध्यक्ष सरपतहां से थानाध्यक्ष चंदवक,चंदन राय को चंदवक से लाइन हाजिर,राजेश यादव को जलालपुर से लाइन हाजिर संजय वर्मा को खुटहन से क्राइम

ब्रांच,अवशेषनाथ को इंस्पेक्टर मछलीशहर से अपराध शाखा विवेचना सेल,सुरेंद्र नाथ सिंह को इंस्पेक्टर जफराबाद से प्रभारी आईजीआरएस,कश्यप कुमार सिंह थाना सिकरारा से थानाध्यक्ष बरसठी,अश्वनी कुमार दुबे को प्रभारी आईजीआरए सेल थानाध्यक्ष महराजगंज तेज बहादुर सिंह प्रभारी एचटीयू से प्रभारी निरीक्षक बक्शा शामिल है।

यूपी में आंधी और बारिश का कहर

लखीमपुर में कई जगह गिरीं दीवारें, बच्चे समेत तीन की हुई मौत

एजेंसी

गंगटोक। लखीमपुर खीरी में आंधी और बारिश ने कहर बरपाया। बुधवार रात आई आंधी और बारिश में ईसानगर और नीमगांव थाना इलाके में दीवार ढहने से तीन लोगों की मौत हो गई। मृतकों में महिला और किशोर शामिल है। कुछ लोग गंभीर रूप से घायल भी हुए हैं।

थाना ईसानगर इलाके में बीती रात आई तेज आंधी के चलते गांव गोडवा मजरा गणेशपुर में एक सरकारी नलकूप की पक्की दीवार गिर गई। जिससे तालाब में मछलियों की रखवाली कर रहे परसादी (75) घायल हो गए। जबकि उनके साथ झोपड़ी में सो रहे पोते अजय कुमार (15) पुत्र राम मंतर लाल की मौके पर ही मौत हो गई। दूसरा हादसा ईसानगर इलाके के मोहनपुरवा मजरा शेखपुर में हुआ। यहां अपने घर में सो रही गायत्री

देवी (50) पत्नी मौजी लाल की दीवार के नीचे दबने से मौत हो गई। जबकि उसके पास सो रहा बेटा राजेश (30) और उनकी पांच वर्षीय पोती गंभीर रूप से घायल हो गई। हादसे की सूचना पर पहुंचे थानाध्यक्ष देवेन्द्र कुमार ने सभी घायलों को एम्बुलेंस की मदद से अस्पताल भेजा। मृतकों का शव पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया। उधर, नीमगांव थाना क्षेत्र के आमघट गांव निवासी किशोर की दीवार के नीचे दबने से मौत हो गई। कई मवेशी भी मरे हैं।

इलेक्ट्रिक बसों से सुगम व सस्ती होगी यात्रा, प्रदूषण में आयेगी कमी

एजेंसी

देहरादून। आर्थिक विकास को बढ़ावा एवं कार्यस्थलों तक आने-जाने के लिए सुगम परिवहन उपलब्ध कराने के लिए मेरी बस-मेरी सड़क पहल की शुरूआत की गई प्रदेश सरकार के नगरीय परिवहन निदेशालय ने यूनाइटेड स्टेट्स एजेंसी फॉर इंटरनेशनल डेवलपमेंट (यूएसएआईडी) और काउंसिल ऑन एनर्जी, एनवायरनमेंट एंड वॉटर (सीईईडब्ल्यू) के साथ मिलकर इसकी शुरूआत की है। इसका उद्देश्य राज्य में एक सतत नगरीय परिवहन को प्रोत्साहित करना है। विशेष सचिव नगर विकास व निदेशक नगरीय परिवहन डॉ.राजेंद्र पेंसिया ने कहा कि विकसित भारत के उद्देश्यों को पूरा करने के लिए नगरों को सशक्त सार्वजनिक परिवहन प्रणालियों से सुसज्जित होना होगा। इसके लिए यात्री सेवाओं की बढ़ती मांग को पूरा करना होगा और बढ़ते ट्रैफिक जाम जैसे दुष्प्रभावों को भी रोकना होगाा एनवायरनमेंट एंड वॉटर (सीईईडब्ल्यू) के सौमित्र दास ने कहा कि यूएसएआईडी को मेरी बस, मेरी सड़क पहल का समर्थन करने पर गर्व है, जो उत्तर प्रदेश में नगरीय आवागमन को उन्नत बनाने की दिशा में एक महत्वपूर्ण कदम है। इससे वायु गुणवत्ता, भीड़-भाड़ और सुगम आवागमन जैसी प्रमुख चुनौतियां का समाधान करने में मदद मिलेगी। इस कार्यक्रम में जारी किए गए अध्ययनों का आकलन है कि 2031 तक उत्तर प्रदेश के 26 प्रमुख शहरों में दैनिक यात्रा की आवश्यकता पूरी करने के लिए आवश्यक बसों की खरीद के लिए 15,700 करोड़ रुपये का संयुक्त व्यय चाहिए होगा। इसके अतिरिक्त,अधिकांश बस यात्री और संभावित बस यात्री चाहते हैं कि उनके गंतव्य स्थल तक आवागमन की सुविधा में सुधार हो और वाहन मिलने में कम से कम समय लगे। इसलिए यात्रियों की संतुष्टि को बढ़ाने और नए यात्रियों को जोड़ने के लिए समय पर सेवा उपलब्ध कराना महत्वपूर्ण है।इनमें नगरीय परिवहन निदेशालय के निदेशक डॉ. राजेंद्र पेंसिया, बरेली की नगर आयुक्त निधी गुप्ता वत्स, शाहजहांपुर के नगर आयुक्त डॉ. विपिन कुमार मिश्रा, अयोध्या के नगर आयुक्त संतोष कुमार शर्मा, अलीगढ़ के नगर आयुक्त अमित आसेरी, आईआईटी दिल्ली के ट्रिप-सी में एमेरिटस प्रोफेसर गीतम तिवारी और अर्बन कैटलिस्ट की जेंडर विशेषज्ञ सोनल शाह ने अपने-अपने विचार और अनुभव साझा किए।

राष्ट्रपति मुर्मू को प्रधानमंत्री मोदी, रक्षामंत्री राजनाथ, गृहमंत्री शाह ने जन्मदिन की दी बधाई

एजेंसी

नई दिल्ली। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी, रक्षामंत्री राजनाथ सिंह और केंद्रीय गृहमंत्री अमित शाह ने राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू को आज उनके जन्मदिन पर बधाई दी। राष्ट्रपति आज सुबह जन्मदिन पर सबसे पहले राष्ट्रीय राजधानी दिल्ली स्थित भगवान जगन्नाथ मंदिर पहुंचीं और पूजा-अर्चना की।

प्रधानमंत्री मोदी ने एक्स हैंडल पर लिखा, राष्ट्रपति जी को जन्मदिन की हार्दिक शुभकामनाएं। राष्ट्र के प्रति उनकी अनुकरणीय सेवा और समर्पण हम सभी को प्रेरित करता है। गरीबों और हाशिये पर पड़े लोगों की सेवा करने पर उनकी बुद्धिमत्ता और जोर एक मजबूत मार्गदर्शक शक्ति है। उनकी जीवन यात्रा करोड़ों लोगों को आशा देती है। भारत उनके

अथक प्रयासों और दूरदर्शी नेतृत्व के लिए सदैव उनका आभारी रहेगा। उन्हें लंबे और स्वस्थ जीवन का आशीर्वाद मिले। रक्षामंत्री राजनाथ सिंह ने भी राष्ट्रपति को एक्स हैंडल पर शुभकामनाएं प्रेषित की हैं। उन्होंने लिखा है,राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू को जन्मदिन पर बधाई और शुभकामनाएं। उनका भारत के सर्वांगीण विकास के दृष्टिकोण को व्यापक रूप से सम्मान दिया जाता है। भारत उनकी अंतर्दृष्टि और योगदान से बहुत लाभान्वित हुआ है। समाज के गरीबों और कमजोर वर्गों के कल्याण और सशक्तिकरण के लिए उनका जुनून सराहनीय है। उनके अच्छे स्वास्थ्य और लंबी उम्र के लिए प्रार्थना करता हूं। केंद्रीय गृहमंत्री अमित शाह ने एक्स हैंडल पर राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू के दीर्घायु होने की कामना की है। उन्होंने लिखा है, राष्ट्रपति को जन्मदिन की हार्दिक शुभकामनाएं। राष्ट्र के विकास, गरीबों और समाज के वंचित वर्गों के उत्थान के प्रति उनका समर्पण सभी के लिए प्रेरणा है। मैं ईश्वर से उनके अच्छे स्वास्थ्य एवं दीर्घायु की प्रार्थना करता हू जन्मदिन पर मिल रहे बधाई संदेशों के बीच आज सुबह राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू ने सबसे पहले दिल्ली स्थित भगवान जगन्नाथ मंदिर के दर्शन किए। 20 जून 1958 को जन्मी राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू ने भगवान जगन्नाथ के दर्शन करते हुए देशवासियों के कल्याण की प्रार्थना की। उल्लेखनीय है कि प्रतिभा पाटिल के बाद द्रौपदी मुर्मू देश की दूसरी महिला और पहली आदिवासी महिला राष्ट्रपति हैं।

राज्यपाल ने किये बाबा नीब करौरी महाराज के दर्शन

एजेंसी

नैनीताल। राज्यपाल लेफ्टिनेंट जनरल गुरमीत सिंह (सेवानिवृत्त) ने कैंची धाम पहुंचकर बाबा नीब करौरी महाराज के दर्शन किए और प्रदेश की समृद्धि एवं खुशहाली की कामना की। इस अवसर पर राज्यपाल ने कहा कि कैंची धाम आकर सदैव ही एक अद्भुत आध्यात्मिक शांति और असीम ऊर्जा की अनुभूति होती है। बाबा नीब करौरी महाराज द्वारा स्थापित यह मंदिर अलौकिक शक्ति का केन्द्र है। यहां देश एवं विदेश से अनेकों भक्त दर्शन करने आते हैं। उन्होंने कहा कि राज्य सरकार इस क्षेत्र को विकसित करने के हरसंभव प्रयास कर रही है और भविष्य को ध्यान में रखते हुए यहां पर अवस्थापना सुविधाओं का विकास किया जा रहा है। उन्होंने कहा कि श्रद्धालुओं के लिए पार्किंग, यातायात

व्यवस्था, पेयजल आदि मूलभूत सुविधाओं को मुहैया करवाना हमारी प्राथमिकता होनी चाहिए। इस दौरान उन्होंने मंदिर ट्रस्ट के पदाधिकारी से यहां की चुनौतियों और समस्याओं के बारे में जानकारी ली।

ग्वालियर में तीन मंजिला मकान में आग लगी, पिता और दो बेटियां जिंदा जले

एजेंसी

ग्वालियर। मध्य प्रदेश के ग्वालियर शहर के बहोड़पुर थाना क्षेत्र अंतर्गत कैलाशनगर में बुधवार रात एक तीन मंजिला मकान में आग लग गई। इस हादसे में मकान में रहने वाले एक व्यक्ति और उनकी दो बेटियों की जिंदा जलने से मौत हो गई। सूचना मिलने पर पुलिस और फायर ब्रिगेड के अधिकारी पहुंचे। एसडीआरएफ और एयरफोर्स को भी मदद के लिए मौके पर बुलाया गया। इसके बाद मौके पर एक के बाद एक फायर ब्रिगेड की 13 गाड़ियां पहुंची और कड़ी मशक्कत के बाद आग पर काबू पाया। घटना रात दो से तीन बजे के बीच हुई। आग लगने की वजह शॉर्ट सर्किट बताई जा रही है। बताया गया है कि बहोड़ापुर थाना इलाके के कैलाशनगर में विजय उर्फ बंटी अग्रवाल का तीन मंजिला मकान है, जिसमें इमारत में ग्राउंड फ्लोर पर

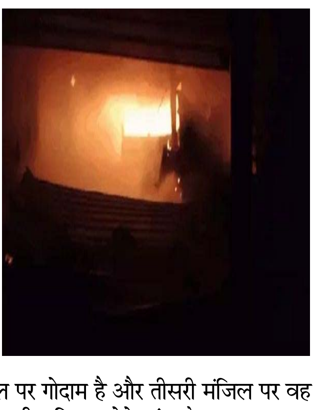

ड्राय फ्रूट्स की दुकान, दूसरी मंजिल पर गोदाम है और तीसरी मंजिल पर वह परिवार के साथ रहते थे। विजय की पत्नी राधिका, बेटे अंश के साथ ससुराल मुरैना गई हुई थीं। घर पर विजय, उनकी दो बेटियां आएशा उर्फ मिनी (15) और यशिका उर्फ यीशू (14) ही थे। बुधवार की रात तीनों खाना खाकर सो गए। देर रात अचानक मकान में आग लग गई। देखते ही देखते आग ने विकराल रूप ले लिया और तेज लपटें उठने लगीं। मकान से बाहर निकलने का एकमात्र रास्ता नीचे से है। यहां आग फैली हुई थी। दूसरा रास्ता मकान के पिछले हिस्से से है, लेकिन वहां उन्होंने अलमारी रखी हुई थी, जिसकी वजह पिता और दोनों बेटियां आग में घिर गए और बाहर नहीं निकल सके।

हर परिवार के पास हो फैमिली आईडी, परिवार की हर जरूरत पूरा करने का बनेगी माध्यम : मुख्यमंत्री

एजेंसी

लखनऊ। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने गुरुवार को आयोजित एक उच्चस्तरीय बैठक में प्रदेश की प्रत्येक परिवार इकाई को जारी की जा रही परिवार आईडी प्रक्रिया की अद्यतन स्थिति की समीक्षा की और इस महत्वपूर्ण योजना का लाभ सभी परिवारों को उपलब्ध कराए जाने के संबंध में आवश्यक दिशा-निर्देश दिए।

उन्होंने कहा कि हर परिवार को सरकार की योजनाओं का लाभ उपलब्ध कराने तथा प्रत्येक परिवार के न्यूनतम एक सदस्य को रोजगार-सेवायोजन से जोड़ने के संकल्प के क्रम में प्रदेश मे परिवार आईडी जारी की जा रही है। वर्तमान में उत्तर प्रदेश में निवासरत लगभग 3.60 करोड़ परिवार के 15.07 करोड़ लोग राष्ट्रीय खाद्य सुरक्षा योजना का लाभ पा रहे हैं। इन परिवारों की राशनकार्ड संख्या ही फैमिली आईडी है जबकि एक लाख से अधिक गैर राशन कार्ड धारकों को फैमिली आईडी जारी की जा चुकी है। ऐसे परिवार जो कि राशन कार्ड धारक नहीं है, उनके लिए https://familyid.up.gov.in पर पंजीयन कर परिवार आईडी प्राप्त

करने की व्यवस्था है। इस योजना का अधिकाधिक प्रचार-प्रसार किया जाए। प्रदेश का कोई भी परिवार इससे वंचित न रहे। एक परिवार-एक पहचान योजना के तहत प्रत्येक परिवार को एक विशिष्ट पहचान जारी की जा रही है, जिससे राज्य की परिवार इकाइयों का एक लाइव व्यापक डेटाबेस स्थापित होगा। यह डेटाबेस लाभार्थीपरक योजनाओं के बेहतर प्रबंधन, समयबद्ध लक्ष्यीकरण, पारदर्शी संचालन एवं योजना का शत-प्रतिशत लाभ पात्र व्यक्तियों तक पहुंचाने और आम जनता को सरकारी सुविधाओं का लाभ उपलब्ध कराने की व्यवस्था के सरलीकरण में सहायक होगा। परिवार आईडी प्रदेश के सभी परिवारों के लिए है। 25 करोड़ जनता को इसका लाभ मिलना चाहिए। परिवार आईडी के माध्यम से प्राप्त एकीकृत डेटाबेस के आधार पर रोजगार से वंचित परिवारों का चिन्हांकन कर उन्हें रोजगार के समुचित अवसर प्राथमिकता पर उपलब्ध कराए जा सकेंगे। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने गुरुवार को आयोजित एक उच्चस्तरीय बैठक में प्रदेश की प्रत्येक परिवार इकाई को जारी की जा रही परिवार आईडी प्रक्रिया की अद्यतन स्थिति की समीक्षा की और इस महत्वपूर्ण योजना का लाभ सभी परिवारों को उपलब्ध कराए जाने के संबंध में आवश्यक दिशा-निर्देश दिए। उन्होंने कहा कि हर परिवार को सरकार की योजनाओं का लाभ उपलब्ध कराने तथा प्रत्येक परिवार के न्यूनतम एक सदस्य को रोजगार-सेवायोजन से जोड़ने के संकल्प के क्रम में प्रदेश मे परिवार आईडी जारी की जा रही है। वर्तमान में उत्तर प्रदेश में निवासरत लगभग 3.60 करोड़ परिवार के 15.07 करोड़ लोग राष्ट्रीय खाद्य सुरक्षा योजना का लाभ पा रहे हैं। इन परिवारों की राशनकार्ड संख्या ही फैमिली आईडी है जबकि एक लाख से अधिक गैर राशन कार्ड धारकों को फैमिली आईडी जारी की जा चुकी है।

सशस्त्र बलों में शामिल होने पर प्रेरक व्याख्यान आयोजित किया

एजेंसी

जम्मू। भारतीय सेना ने गुंडना के युवाओं के लिए सशस्त्र बलों में कैसे शामिल हों विषय पर एक प्रेरक व्याख्यान आयोजित किया, जिसका उद्देश्य योग्य और उत्साही स्थानीय निवासियों के लिए सशस्त्र बलों में कैरियर के अवसरों के बारे में जागरूकता बढ़ाना था। इस कार्यक्रम में 24 युवाओं ने भाग लिया, जिन्होंने बड़े जोश और उत्साह के साथ भाग लिया। व्याख्यान के दौरान, वक्ता ने इस बात पर जोर दिया कि जिले के युवाओं के लिए रोजगार एक बड़ी चिंता का विषय है। उन्होंने योग्य और इच्छुक प्रतिभागियों को रक्षा सेवा

भर्ती एजेंसियों द्वारा आयोजित विभिन्न भर्ती रैलियों की तैयारी करने और उनमें भाग लेने के लिए प्रोत्साहित किया। वक्ता ने सेना की वर्दी पहनने और मातृभूमि की सेवा करने से जुड़ी कुलीनता और संतुष्टि पर प्रकाश डाला, इसे एक गौरवशाली और सम्मानजनक प्रयास के रूप में प्रस्तुत किया। व्याख्यान में शारीरिक और शैक्षिक आवश्यकताओं और सेवाओं में विभिन्न प्रकार की प्रविष्टियों के लिए चयन प्रक्रिया के बारे में विस्तृत जानकारी दी गई। प्रतिभागियों को सशस्त्र बलों में सफलतापूर्वक शामिल होने के लिए आवश्यक तैयारियों और कदमों से अवगत कराया गया। स्थानीय लड़कों को भर्ती रैलियों में उनकी प्रतिस्पर्धात्मकता बढ़ाने के लिए भर्ती-पूर्व प्रशिक्षण आयोजित करने में भारतीय सेना के चल रहे प्रयासों पर भी चर्चा की गई। इस पहल को अच्छी प्रतिक्रिया मिली, स्कूल के कर्मचारियों और छात्रों ने युवाओं को एक महान कैरियर पथ की ओर सशक्त बनाने और मार्गदर्शन करने में सेना के प्रयासों की सराहना की।

मबिकने के बाद भाजपा के गुलाम हुए तीनों निर्दलीय पूर्व विधायक : मुख्यमंत्री

एजेंसी

नालागढ़। मुख्यमंत्री ठाकुर सुखविंदर सिंह सुक्खू ने कहा कि तीनों निर्दलीय पूर्व विधायक बिकने के बाद भाजपा के गुलाम हो चुके हैं। ईमान बेचने के बाद इन्होंने विधायक पद से इस्तीफा दिया। खुद को भाजपा की राजनीतिक मंडी में बेचा न होता तो निर्दलीय विधायक अपने पद से इस्तीफा क्यों देते। पैसा लिया है इसलिए भाजपा के सामने घुटने टेकने को निर्दलीय पूर्व विधायक मजबूर हैं। मुख्यमंत्री यहां कांग्रेस उम्मीदवार हरदीप सिंह बाबा की नामांकन रैली को संबोधित कर रहे थे। इससे पहले मुख्यमंत्री ने हरदीप सिंह का नामांकन पत्र दाखिल करवाया। सुखविंदर सिंह सुक्खू ने रैली में कहा कि नालागढ़ में मुकाबला धनवान और गुणवान के बीच है। यह चुनाव राजनीतिक सुचिता और स्वच्छता के लिए है। इसलिए हरदीप सिंह बाबा को जिताकर विधानसभा भेजें। बाबा जो भी काम लेकर आएंगे, उन्हें किया जाएगा। साढ़े तीन साल में नालागढ़ की सूरत बदल देंगे। सीएम सुक्खू ने कहा कि नालागढ़ के पूर्व विधायक केएल ठाकुर अपने क्रशर का स्टे लेने के लिए हाईकोर्ट की दौड़ लगा रहे हैं। लेकिन, जनता की समस्याओं का।समाधान कराने के लिए कभी शिमला की दौड़ नहीं लगाई। वह अपने निजी काम लेकर ही आते थे, नालागढ़ में विकास कार्य मैंने खुद किए। बिकने के बाद पूर्व विधायक एक महीना अपने विधानसभा क्षेत्र नालागढ़ में नहीं आए। अब वह किस मुंह से दोबारा वोट मांग रहे हैं, जनता ने उन्हें विधायक चुनकर भेजा था। 14 महीने में उन्हें इस्तीफा देने की जरूरत क्यों पड़ी। वह निर्दलीय थे, वैसे भी भाजपा के साथ जा सकते थे, लेकिन जो पैसा उन्होंने अपना ईमान बेचकर लिया था, उसके दबाव में विधायक पद से इस्तीफा देना पड़ा।

मुख्यमंत्री ने कहा कि जयराम ठाकुर फिर आकर झूठ बोलेंगे, लेकिन प्रदेश में उनकी सरकार बनने वाली नहीं है। कांग्रेस के विधायकों की संख्या बढ़कर 38 हो चुकी है। उपचुनाव की तीनों सीटें जीतकर 40 का आंकड़ा पार करेंगे। भाजपा का झूठ व फरेब चलने वाला नहीं है। हमने बिकने वाले को नहीं, ईमानदार हरदीप बाबा को टिकट दिया है। भाजपा के उम्मीदवार केएल बिके कभी जनता के सच्चे हितैषी नहीं हो सकते। जो जनता की भावनाओं का ही सौदा कर दे, वह सच्चा सेवक नहीं हो सकता।

तप का सर्वोत्तम उपाय क्या है ?

परमात्मा की हवा, परमात्मा का पानी, परमात्मा की रोशनी, परमात्मा का खाना, इन चीजों से मनुष्य की शक्ति बनती है। जब मनुष्य मन में यह भावना घर कर लेती है कि मेरी शक्ति से नहीं, उन्हीं की शक्ति से सब कुछ हो रहा है, तब उनमें अनंत शक्ति आ जाती है। परमात्मा की इच्छा से दुनिया की उत्पत्ति हुई है किंतु मनुष्य सोचते हैं कि मेरी कर्मसिद्धि हुई है। कर्मसिद्धि कुछ नहीं हुई है, परमपुरुष की इच्छा की पूर्ति हुई है। वे जैसा चाहते हैं, वैसा हुआ। तुम्हारी ख्वाहिश भी वैसी थी, इसलिए तुम्हारे मन में भावना आई कि मेरी इच्छा की पूर्ति हो गई है। साधक केवल आगे बढ़ेंगे और दुनिया के और व्यक्ति पीछे रह जाएंगे, यह मनोभाव साधक का नहीं है इसलिए कहा जाता है कि साधना का अन्यतम अंग है तप। तप अर्थात अपने स्वार्थ की ओर नहीं ताकना, ताकना है समाज के हित की ओर। सामूहिक कल्याण की भावना जहां है, व्यक्तिगत कल्याण उसमें हो या न हो, उसी का नाम है तप। तप का सर्वोत्तम उपाय क्या है ? जनसेवा जो जनसेवा करते हैं, वे सेवा करते वक्त सेवा प्राप्त करने वाले को नारायण समझते हैं, मनुष्य नहीं। इसलिए जनसेवा से आध्यात्मिक उन्नति तो अवश्य ही होती है। इसके अतिरिक्त मन अत्यन्त निर्मल हो जाता है। उस निर्मल मन से मनुष्य जो कुछ भी करेगा, उसी में उनकी जय-जयकार है।

ज्योतिष विज्ञान के अनुसार शनि की टेढ़ी नजर यानि वक्र दृष्टि हर व्यक्ति के जीवन में हलचल मचाती है। सूर्य पुत्र शनि देव का नाम सुनकर लोग सहम से जाते हैं। शनि की टेढ़ी चाल से किसे डर नहीं लगता, उनके क्रोध से मनुष्य तो क्या देवता भी थर-थर कांपते हैं, यहां तक की भगवान श्री गणेश पर दृष्टि पड़ते ही उनका सिर कट गया।

शनिदेव की दृष्टि से क्यों कांपते हैं

मनुष्य व देवता

शनि एक पाप ग्रह माना जाता है। शनि की वक्र दृष्टि से अच्छे-भले मनुष्य का नाश हो जाता है। ज्योतिष विज्ञान के अनुसार शनि की टेढ़ी नजर यानि वक्र दृष्टि हर व्यक्ति के जीवन में हलचल मचाती है। सूर्य पुत्र शनि देव का नाम सुनकर लोग सहम से जाते हैं। शनि की टेढ़ी चाल से किसे डर नहीं लगता, उनके क्रोध से मनुष्य तो क्या देवता भी थर-थर कांपते हैं, यहां तक की भगवान श्री गणेश पर दृष्टि पड़ते ही उनका सिर कट गया। जानें आगे क्या हुआ

सनातन धर्म में शास्त्रों के अनुसार भगवान श्री गणेश को भगवान श्री कृष्ण चन्द्र का ही अवतार माना गया है। ब्रह्मवैवर्त पुराण के अनुसार पुत्र प्राप्त करने की चाह से मां पार्वती ने भगवान श्री कृष्ण चन्द्र जी का ध्यान किया। अपने भक्त की पुकार सुन कर भगवान श्री कृष्ण चन्द्र जी ने वृद्ध ब्राह्मण का रूप धारण कर माता पार्वती को बताया कि वह गणेश रूप में उनके पुत्र बनकर अवतरित होंगे। इस घटना के उपरांत मनमोहनी छवी का बालक मां पार्वती जी के समक्ष अवतरित हुआ। उस बालक के मुख मंडल पर इतना तेज था कि उसके आकर्षण में बंध कर समस्त देवी-देवता और ऋषि-मुनि बालक के दर्शनों हेतु आ गए। जब शनिदेव को ज्ञात हुआ की सभी देवी-देवता और ऋषि-मुनि मनमोहनी छवी के बालक के दर्शन करने गए हैं तो वो भी श्री गणेश के दर्शनों के अभिलाषी बन कर कैलाश पर्वत पर पंहुच गए।

वे खुशी-खुशी कैलाश पर्वत पर पंहुच तो गए मगर उन्होंने बालक गणेश के दर्शन नहीं किए क्योंकि शनिदेव को उनकी पत्नी का शाप था कि उनकी दृष्टि सदैव नीची ही रहेगी, जिस पर उनकी दृष्टि पड़ेगी उसका सिर कट जाएगा। इस भय से की उनके दर्शन करने से बालक का कोई अहित न हो जाए वह आंखे फेरे खड़े रहे।

माता पार्वती को बहुत आश्चर्य हुआ की सभी देवी-देवता और ऋषि-मुनि उनके पुत्र की मनमोहनी छवी को निहार रहे हैं वही शनि देव नजरे नीचे किए उनके पुत्र से दूरी क्यों बनाए हुए हैं। उन्होंने शनिदेव को अपने समीप बुलाया और कहा, '' शनिदेव सभी देवी-देवताओं और ऋषि-मुनियों ने मेरे पुत्र के दर्शन कर लिए हैं बस आप ही रह गए हैं। लिजिए गोद में उठा लें बालक को।''

शनिदेव बोले, '' माफ करें माता मैं चाह कर भी इस मनमोहने बालक को अपनी गोद में उठा नहीं सकता और न ही इस पर अपनी दृष्टि डाल सकता हूं।''

माता पार्वती हैरानी से शनि देव की ओर देखने लगी। शनिदेव ने उन्हें अपनी पत्नी द्वारा दिए गए श्राप की बात बताई। किंतु माता बनने का सौभाग्य पाकर माता पार्वती बहुत हर्षित थी। उन्होंने शनिदेव की एक न सुनी और बालक गणेश के दर्शन करने को कहा। माता पार्वती के प्रेमपूर्वक किए गए अग्रह को शनिदेव टाल न सके और उन्होंने बालक पर अपनी दृष्टि डाल दी। शनिदेव के बालक गणेश पर दृष्टि डालते ही उनका सिर कट गया। अपने पुत्र की ऐसी दशा देख माता पार्वती विलाप करने लगी। भगवान श्री हरि विष्णु जल्दी से गए और जाकर एक हाथी के बच्चे का सिर काटकर ले आए और उसे बालक गणेश के सिर पर लगा दिया। उसी दिन से श्री गणेश गजानन कहलाए।

राशिनुसार दीवारों के रंग कैसे हों

अपनी राशि के अनुरूप रंगों का चयन करके आप अपने मकान को पेंट करवा सकते हैं।

मेष - लाल, मेहरून, ईंट जैसा

वृषभ - सफेद, चमकीला, हरा, बादामी

मिथुन - गहरा हरा, गहरा नीला, पीच, फिरोजी

कर्क - चांदी, सफेद, आसमानी, परपल

सिंह - पीले रंग के हर शेड्स, जामुनी, नारंगी

कन्या - गुलाबी, हल्का हरा, रामा ग्रीन, सी ग्रीन

तुला - सफेद, बेबी पिंक, ब्राउन, मरीन ब्लू

वृश्चिक - हल्का लाल, लाइट मेजेंटा, पिकॉक ब्लू

धनु - लाइट येलो, हल्दी जैसा पीला, पीच

मकर - ग्रे, डार्क ऑरेंज, ब्राऊन, लाइट ब्लू

कुंभ - ब्लू के सभी शेड्स, खिलता पिंक, मेटल शेड

मीन - ऑरेंज के सभी शेड्स, हल्का बैंगनी, डार्क बादामी

सपनों में छुपा है जीवन का रहस्य

- शास्त्रों के अनुसार सपने में आकाश में उड़ना, नदी या समुद्र में तैरना, तारों या चंद्रमा का दर्शन, महल या पर्वत की चोटी पर आसीन होना शुभ रहता है।
- सपने में पानी वाली जगह जैसे तालाब पोखर में नहाना, सफेद फूल, दर्पण, देवी-देवता, आभूषण से सुसज्जित स्त्री को देखना सुखकारक होता है।
- यदि आप स्वप्न में स्वयं को मल में लिपटा हुआ पाते हैं या सांप ने आपको काट लिया है, तो इसका मतलब है कि आपको धन की प्राप्ति होगी।
- सपने में आपके सिर पर सांप काट ले, तो आपको बेहतरीन नौकरी, पुराना धन मिलने, विवादित या बरसों से बाधित काम के योग बनते हैं।
- सपने में यदि अपने दांत टूटे दिखें, तो इसका मतलब है कि आप बीमार पड़ने वाले हैं। खाई में गिरना पद-हानि, अथवा पतन का प्रतीक माना जाता है।
- स्वप्न में सिर के केशों का गिरना-भयानक बीमारी, सोने के गहने का टूटना या खोना दुर्घटना का सूचक है। सपने में दूध का जलना भी अशुभ माना जाता है।

कैसे करें नवग्रह को प्रसन्न

ज्योतिष के अनुसार हमारे अंतरिक्ष में फैले सौर मण्डल के 9 ग्रहों का धरती पर स्थित सभी प्राणियों, यहां तक कि जल और पेड़-पौधों पर भी प्रभाव पड़ता है। ज्योतिष गणना के मुताबिक प्रत्येक जातक पर जन्म लग्न, दशा-महादशा, अंतरदशा तथा प्रत्यंतरों का प्रभाव निश्चित पड़ता है। लग्न, जन्मराशि तथा नाम राशि से चौथे, आठवें, बारहवें स्थान की स्थिति का प्रभाव सभी पर पड़ता है। नवग्रहों के दुष्प्रभाव को शांत करने के लिए भी कई उपाय ज्योतिष में बताए गए हैं जिनका विधि-विधान से पालन करें तो अवश्य लाभ मिलता है।

सूर्य शांति के लिए आदित्य ह्रदय स्तोत्र का पाठ करें। माता-पिता की सेवा तथा सूर्य को अर्घ्य, जल में रोली तथा लाल पुष्प डालकर देना चाहिए। सोना-तांबा तथा चीनी-गुड़ का दान भी करें। सूर्योदय से पूर्व उठें तथा रविवार का व्रत करें।

ध्यान देने योग्य बातें- नमक का कम उपयोग करें। बुजुर्गों का सम्मान करें। धार्मिक और सामाजिक कार्यों में भाग लें।

चंद्रदेव शांति के लिए नम : शिवाय मंत्र का जप करें। पानी वाला नारियल, सफेद चंदन तथा चांदी का चंद्रमा, विल्वपत्र, सफेद मिष्ठान्न का भगवान शंकर को भोग लगाएं।

ध्यान रखने योग्य बातें- सोमवार का व्रत करें तथा सफेद वस्त्र का दान करें, पहाड़ों की यात्रा करें तथा स्वमाता के चरण छूकर आशीर्वाद प्राप्त करें।

मंगल की शांति के लिए हनुमानजी को चमेली का तेल मिश्रित सिंदूर व शुद्ध घी का चोला चढ़ाएं तथा मंगल स्तोत्र का पाठ करें। इमरती, जलेबी, बूंदी तथा चूरमे का प्रसाद अर्पण करें।

ध्यान रखने योग्य बातें- अपने कुटुंब, सहयोगियों से बैर न रखें। सगे भ्राता को सम्मान दें। मंगलवार का व्रत करें।

बुध ग्रह की शांति के लिए मां दुर्गा की पूजा-अर्चना करनी चाहिए। हरे मूंग भिगोकर पक्षियों को डालें। पालक या हरा चारा गायों को खिलाएं। पक्षियों विशेषकर तोतों को पिंजरों से स्वतंत्रता दिलाएं।

ध्यान रखने योग्य बातें- नौ वर्ष से छोटी कन्याओं के पाद प्रक्षालन अर्थात पैर धोकर उनको प्रणाम करके आशीर्वाद प्राप्त करें। बुधवार का व्रत रखें। मंत्रानुष्ठान हवन करके बुध की अनुकंपा प्राप्त करें।

बृहस्पति देव गुरु की प्रसन्नता के लिए ब्राह्मणों का सम्मान करके उनका आशीर्वाद प्राप्त करें। चने की दाल तथा केशर का मंदिर में दान करें, केशर का तिलक मस्तक पर लगाएं एवं ज्ञानवर्द्धक पुस्तकों का योग्य व्यक्तियों को दान करें।

ध्यान रखने वाली बातें- किन्नरों की सेवा करें। भगवान ब्रह्मा का केले से पूजन करें तथा कुल पुरोहित का सम्मान करके आशीर्वाद प्राप्त करें एवं यथाशक्ति स्वर्ण का दान करें।

शुक्र ग्रह की शांति के लिए कनकधारा महालक्ष्मी का दैनिक पाठ करें। श्वेत और स्वच्छ वस्त्र पहनने चाहिए। गो की सेवा तथा गोशाला में गुड़, हरा चारा, चने की दाल गायों को खिलाएं। विशेष रूप से श्रीविद्या का पूजन कराएं। एकाक्षी ब्राह्मण को कांसे के कटोरे में खीर खिलाकर दक्षिणा देकर आशीर्वाद प्राप्त करें। विशेष परिस्थिति में रोग हो तो मृत संजीवनी का मंत्र जप कराएं।

ध्यान रखने योग्य बातें- अपनी पत्नी का सम्मान करना चाहिए। संयम से रहें। व्यसनों से बचें।

शनि ग्रह की शांति के लिए पीपल वृक्ष तथा भैरव का पूजन करें। इमरती, उड़द की दाल, दही बड़े भैरवजी को चढ़ाएं व प्रसाद में बांटें। श्री हनुमान चालीसा तथा सुंदरकांड का नियमित पाठ करें।

ध्यान रखने योग्य बातें- मजदूरों को तली हुई खाद्य वस्तुओं का दान करें। शनिवार का व्रत करें। पिता के संबंधियों से अच्छे मधुर संबंध बनाए रखें। शनिवार को तिल के तेल का शनि पर अभिषेक करें।

राहु की शांति के लिए मां सरस्वती का पाठ-पूजन करना चाहिए, घर पर बने शुद्ध शाकाहारी भोजन का ही सेवन करें।

ध्यान रखने योग्य बातें- किसी भी प्रकार का बिजली का सामान इकट्ठा न होने दें तथा बिजली का सामान मुफ्त में न लें। मातृपक्ष के संबंधियों की सेवा करें और अश्लील साहित्य या फिल्में न देखें।

केतु ग्रह की शांति के लिए गणेशजी की पूजा-अर्चना करें। बच्चों को केले खिलाएं और किसी भी धर्मस्थल पर ध्वजा चढ़ाएं।

ध्यान रखने योग्य बातें- कुत्तों को तेल चुपड़ी रोटी खिलाएं। कुत्तों को चोट कदापि न पहुंचाएं।

मनुष्य के पापों को कैसे धोती हैं

गंगा, यमुना और सरस्वती

अनेक धार्मिक स्थानों पर लोग अपनी-अपनी इच्छाओं और मन्नतों की पूर्ति के लिए जाते हैं। इन स्थानों पर आकर ही समझ में आता है कि मनुष्य कितना कमजोर और नि-सहाय है। इसमें कोई शक नहीं है कि यहां आकर अच्छे-अच्छों के सिर झुक जाते हैं। नास्तिक भी स्वीकार करेंगे कि यहां पर मनुष्य के अहम् की समाप्ति होती है।

यहां आदमी सेवा, त्याग, दान, चिंतन वह सब कुछ करने को तैयार हो जाता है, करता भी है, जो वह अमूमन अपने घर में नहीं करता। तो क्या यह डर है ? बहुत हद तक। मगर इन सब में प्रमुख यह है कि यहां भी भक्त कहीं न कहीं स्वार्थी ही सिद्ध होती है। तभी तो वह अपने लिए विभिन्न सुख की कामना और दुन्ख के निवारण की प्रार्थना करता है और अधिक हुआ तो अपने परिवार के सदस्यों की सुख-समृद्धि के लिए पूजा-अर्चना करता है। दक्षिण चन्द्रभागा के तट पर श्री विट्ठल भगवान के मंदिर के पास ही प्राय- पांच सौ गज दूरी पर पुण्डरीक का मंदिर है और इस धार्मिक स्थान का बड़ा महात्मय है क्योंकि यह ऐसे माता-पिता के भक्त हुए हैं जिन्होंने उनकी सेवा में अपना सर्वस्व अर्पित कर दिया था यहां तक की भगवान जब उन्हें दर्शन देने आए तो जानें आगे क्या हुआ.

यह पुण्डरीक पहले माता-पिता के भक्त नहीं थे। एक बार वह पत्नी सहित काशी गए और वहां उन्होंने काशी से तीन कोस दूर मातृ-पितृ भक्त महात्मा कुक्कुट के आश्रम में गंगा, यमुना और सरस्वती को उनकी सेवा करते देखा। पुण्डरीक जब उनके चरण स्पर्श करने को आगे बड़े तो वे यह कह कर दूर हट गई की तुम पापी हो, हमें छुना मत। पुण्डरीक के बहुत अनुनय विनय करने पर गंगा, यमुना और सरस्वती ने बताया कि तुम जैसे पापी मनुष्य हम में स्नान करके जो पाप राशि छोड़ जाते हैं उस पाप राशि को धोकर विशुद्ध करने और पुण्य अर्जित करने के लिए महान पुरूषों के आश्रम में आकर उनकी सेवा करती हैं। यह सुनकर पुण्डरीक ने उनसे अपने उद्धार का उपाय पूछा। उन्होंने कुक्कुट ऋषि के पास जाकर उनसे पूछने को कहा। तदनुसार पुण्डरीक ने कुक्कुट ऋषि के पास जाकर अपनी कथा सुनाई और उद्धार का उपाय पूछा। इस पर परम मातृ-पितृ भक्त कुक्कुट ऋषि ने कहा की पुण्डरीक, तू बड़ा मूर्ख है जो माता-पिता की सेवा को छोड़कर यहां काशी तीर्थ के लिए आया है। तुझे यहां क्या फल मिलेगा? माता-पिता की सेवा काशी यात्रा से कहीं अधिक श्रेष्ठ है। जा, यहां से और माता-पिता की सेवा कर। कुक्कुट ऋषि के वचन सुन कर पुण्डरीक वहां से लौट आए और पूर्ण श्रद्धा व प्रेम से माता-पिता की सेवा करने लगे। वे फिर माता-पिता के साथ पण्ढरी में आकर रहने लगे। उनकी मातृ-पितृ भक्ती से प्रसन्न होकर एक दिन उन्हें दर्शन देने के लिए स्वयं भगवान पधारे। उस समय पुण्डरीक अपने माता-पिता की सेवा में व्यस्त थे। उन्होंने भगवान को उचित आदर सत्कार देने की अपेक्षा माता-पिता की सेवा को श्रेष्ठ समझा और भगवान की अपेक्षा न हो इसलिए भगवान की ओर एक ईंट बढ़ा कर प्रार्थना की कि आप इस ईंट पर खड़े रहें। भगवान भक्त वत्सल हैं अर्थात अपने भक्तों के अधीन रहते हैं और भक्त भगवान को अपने प्रेम के वश में करके मनचाही करवा लेते हैं। अत- भगवान भक्त के अग्रह पर उस ईंट पर खड़े हो गए। पुण्डरीक माता-पिता की सेवा से निवृत होकर उसी ईंट के समीप गए और हाथ जोड़कर भगवान की स्तुती करने लगे। भगवान उसकी स्तुति से खुश हुए और उन्होंने उसे वर मांगने को कहा। पुण्डरीक बोले, मेरी अपने माता-पिता के चरणों में इसी प्रकार सेवा और भक्ति बनी रहो। कृपया करके आप इसी रूप में यहां विराजित हो जाए। पुण्डरीक को तथास्तु ! कहकर भगवान पुण्डरीक की इच्छानुसार श्री विग्रह के रूप में ईंट पर ही खड़े हो गए और आज तक उनके श्री विग्रह की पूजा होती है और पुण्डरीक के माता-पिता की समाधि भी उन्हीं के मंदिर के पास विद्यमान है। सारांश यह निकलता है कि केवल माता पिता की सेवा से ही मनुष्य का कल्याण हो सकता है।

शिव पूजा में वर्जित हैं शंखनाद

विश्व के सभी धर्मों में हिन्दू धर्म सबसे पुराना धर्म है। ये वेदों पर आधारित है, यह अपने गर्भ में विभिन्न देवी देवताओं की उपासनाओं, मतों, धार्मिक पंथों, और दर्शनों को समेटे हुए है। हिन्दु धर्म के लोग अपनी-अपनी आस्था के अनुसार अपने इष्ट देव को मानते हैं। मानव मन जिस भी देवी-देवता की लीलाओं से अधिक प्रभावित होता है उसे उस देवता को अपना इष्ट देव बनाना चाहिए और उनका ध्यान करना चाहिए। हिन्दू धर्म की मान्यताओं के अनुसार पांच प्रमुख देवता हैं विष्णु, गणेश, सूर्य, शिव और शक्ति। जो शक्तियों के अलग-अलग रूप हैं। हिन्दू धर्म के इन प्रमुख देवताओं में से भगवान शिव को देवों के देव महादेव कहा जाता हैं। भगवान शिव के 108 नाम हैं। भगवान शिव को सभी विद्याओं का जनक भी माना जाता है। वे तंत्र से लेकर मंत्र तक और योग से लेकर समाधि तक प्रत्येक क्षेत्र के आदि और अंत हैं। यही नहीं वे संगीत के आदि सृजनकर्ता भी हैं, और नटराज के रूप में कलाकारों के आराध्य भी हैं। वास्तव में भगवान शिव देवताओं में सबसे अद्भुत देवता हैं। कोई भी प्रार्थना, पूजा पाठ, आराधना, मंत्र, स्तोत्र और स्तुतियों का फल तभी प्राप्त होता है जब आराधना विधि-विधान और शास्त्रोक्त तरीकों से की जाए। शिव उपासना में शंख का प्रयोग वर्जित माना गया है। पुरातन कथाओं के अनुसार भगवान शिव की पूजा में शंख का प्रयोग नहीं होता। इन्हें शंख से न तो जल अर्पित किया जाता है और न ही शंख बजाया जाता है। आध्यात्मिक ग्रंथों, पौराणिक मतों के अनुसार देवता और दानवों ने अमृत की खोज के लिए मंदराचल पर्वत की मथानी से क्षीरसागर मंथन किया, उससे 14 प्रकार के रत्न प्राप्त हुए। आठवें रत्न के रूप में शंखों का जन्म हुआ। शंख को विजय, समृद्धि, सुख, यश, कीर्ति तथा लक्ष्मी का प्रतीक माना गया है। वैदिक अनुष्ठानों एवं तांत्रिक क्रियाओं में भी विभिन्न प्रकार के शंखों का प्रयोग किया जाता है। पुरातन कथा के अनुसार एक समय श्री राधा रानी गोलोक धाम से कहीं बाहर गई हुई थी। श्री कृष्ण अपनी सखी विरजा के साथ विहार कर रहे थे। संयोगवश उसी समय श्री राधा रानी वहां आ गई। सखी विरजा को अपने प्राण प्रिय श्री कृष्ण के साथ देख कर श्री राधा रानी को बहुत क्रोध आया। क्रोध में उन्होंने कुछ ऐसे शब्दों का प्रयोग किया जिससे विरजा को बहुत लज्जा महसूस हुई। लज्जावश विरजा ने नदी का रूप धारण कर लिया और वह नदी बनकर बहने लगी। श्री राधा रानी के क्रोध भरे शब्दों को सुन कर श्री कृष्ण के मित्र सुदामा को बहुत बुरा लगा उन्हेंने श्री राधा रानी से ऊंचे स्वर में बात की। जिससे क्रोधित श्री राधा रानी ने सुदामा को दानव बनने का श्राप दे दिया।

आवेश में आए सुदामा ने भी हित-अहित का विचार किए बिना श्री राधा रानी को मनुष्य योनि में जन्म लेने का श्राप दे दिया। श्री राधा रानी के श्राप से सुदामा शंखचूर नाम का दानव बना। दंभ के पुत्र शंखचूर का वर्णन शिवपुराण में भी मिलता है। यह अपने बल के खुमार में तीनों लोकों का स्वामी बन बैठा। साधु-संतों को सताने लगा। साधु-संतों की रक्षा के लिए भगवान शिव ने शंखचूर का वध कर दिया। शंखचूर श्री विष्णु और देवी लक्ष्मी का परम प्रिय भक्त था। भगवान विष्णु ने इसकी हड्डियों से शंख का निर्माण किया इसलिए विष्णु एवं अन्य देवी देवताओं को शंख से जल अर्पित किया जाता है। शंख भगवान विष्णु को बहुत ही प्रिय हैं लेकिन शिव जी ने शंखचूर का वध किया था इसलिए शंख भगवान शिव की पूजा में वर्जित माना गया है।

टी20 विश्व कप के शुरुआती दौर से बाहर होने के बाद नसीम शाह और वहाब रियाज पाकिस्तान पहुंचे

एजेंसी

लाहौर। चल रहे टी 20 विश्व कप के ग्रुप चरण में चौंकाने वाली हार के बाद, कुछ पाकिस्तानी खिलाड़ी लाहौर पहुंचे। जियो न्यूज के अनुसार, खिलाड़ी और अधिकारी सुबह एक निजी एयरलाइन की उड़ान से लाहौर के अल्लामा इकबाल अंतरराष्ट्रीय हवाई अड्डे पर पहुंचे। वापस लौटने वाले खिलाड़ियों में नसीम शाह, उस्मान खान और वरिष्ठ प्रबंधक वहाब रियाज शामिल थे। टी-20 विश्व कप के लीग चरण से बाहर होने के बाद 15 सदस्यीय पाकिस्तानी टीम के कुछ खिलाड़ियों ने संयुक्त राज्य अमेरिका में अपने प्रवास को बढ़ाने का फैसला किया। कप्तान बाबर आज़म, इमाद वसीम, हारिस रऊफ, शादाब खान और आज़म खान 22 जून को पाकिस्तान के लिए रवाना होंगे। मोहम्मद आमिर भी इन खिलाड़ियों के साथ रुक गए हैं, लेकिन काउंटी चैंपियनशिप में डर्बीशायर में शामिल होने के लिए कुछ दिनों में इंग्लैंड के लिए रवाना होंगे। जियो न्यूज ने यह भी बताया कि पाकिस्तान के व्हाइट-बॉल हेड कोच गैरी कर्स्टन अपने घर लौट जाएंगे। पाकिस्तान ने रविवार को फ्लोरिडा में आयरलैंड पर तीन विकेट की जीत के साथ अपने अभियान का अंत किया। ग्रुप ए में रखे गए पाकिस्तान को सह-मेजबान यूएसए और फिर अपने कट्टर प्रतिद्वंद्वी भारत के खिलाफ लगातार हार का सामना करना पड़ा। उन्होंने लगातार दो जीत के साथ वापसी की, लेकिन यह उनके दयनीय अभियान को बदलने और सुपर 8 में स्थान सुरक्षित करने के लिए पर्याप्त नहीं था। पाकिस्तान के जल्दी बाहर होने के बाद, पाकिस्तान के व्हाइट-बॉल कप्तान के रूप में बाबर के भविष्य को लेकर सवाल उठाए जाने लगे हैं।

टी20 विश्व कप के पहले दौर से बाहर होने के बाद स्वदेश लौटे श्रीलंकाई खिलाड़ी

कोलंबो। अमेरिका और वेस्टइंडीज की संयुक्त मेजबानी में चल रहे आईसीसी टी-20 विश्व कप के पहले दौर से बाहर होने के बाद श्रीलंकाई टीम स्वदेश लौट आई है और कड़ी सुरक्षा के बीच भंडारनायके अंतरराष्ट्रीय हवाई अड्डे से रवाना हुई। सुबह दुबई से ईके-650 एमिरेट्स की उड़ान के जरिए वानिन्दु हरंगा की टीम के पहुंचने पर भंडारनायके अंतरराष्ट्रीय हवाई अड्डे के अंदर और बाहर विशेष सुरक्षा बल तैनात किए गए थे। हवाई अड्डे पर मीडिया से बात करते हुए कप्तान हसरंगा ने कहा कि टीम पहले ही दौर में बाहर हो गई क्योंकि उसका प्रदर्शन मानक के अनुरूप नहीं था। हम जानते हैं कि हमारे साथ क्या हुआ। हम बल्लेबाजी, गेंदबाजी और क्षेत्ररक्षण में विफल रहे। कप्तान और खिलाड़ी के तौर पर मुझे इस बात का बहुत अफसोस है। दक्षिण अफ्रीका और बांग्लादेश से हार के बाद, श्रीलंका की अगले दौर में आगे बढ़ने की उम्मीदें तब धराशायी हो गईं जब फ्लोरिडा में भारी बारिश के कारण नेपाल के खिलाफ उनका मैच रद्द हो गया। उनकी एकमात्र जीत नीदरलैंड के खिलाफ उनके आखिरी ग्रुप स्टेज मैच में हुई थी।

क्रिस्टियानो रोनाल्डो जैसे खिलाड़ी बाकी खिलाड़ियों से ऊंचे स्तर पर प्रदर्शन करना चाहते हैं: पैट्रिस एवरा

नई दिल्ली। पुर्तगाल ने फ्रांसिस्को कॉन्सेसाओ के 92वें मिनट में किये गए गोल की बदौलत अपने यूईएफए यूरो 2024 अभियान की शुरुआत चेक गणराज्य पर 2-1 की रोमांचक जीत के साथ की। वहीं, अनुभवी पेपे ने इतिहास रच दिया, वे 41 वर्ष और 113 दिन की उम्र में यूईएफए यूरो टूर्नामेंट में खेलने वाले सबसे उम्रदराज खिलाड़ी बन गए। पुर्तगाली टीम के शानदार प्रदर्शन के बीच, सोनी स्पोर्ट्स नेटवर्क पर यूईएफए यूरो 2024 के लिए उल्लेखनीय विशेषज्ञ पैनलिस्टों में से एक, फ्रांस के दिग्गज फुटबॉलर पैट्रिस एवरा ने पुर्तगाली दिग्गज क्रिस्टियानो रोनाल्डो के प्रदर्शन की तारीफ करते हुए कहा, क्रिस्टियानो रोनाल्डो ने अच्छा खेल दिखाया और हर जगह हमले में दिखाई दिए। वह अपने साथियों को पासिंग में मदद कर रहे थे और अपनी टीम के लिए ओपनिंग गोल के लिए बॉक्स में शानदार मूवमेंट कर रहे थे। यह वह प्रभाव है जो वह पुर्तगाली टीम में लाते हैं। एवरा ने आगे बताया, रोनाल्डो जैसे खिलाड़ी हमेशा खुद से ज़्यादा की मांग करते हैं। वे मैच दर मैच बेहतर प्रदर्शन करना चाहते हैं और उच्चतम संभव स्तर पर प्रदर्शन करना चाहते हैं। उनके लिए, एक खराब खेल को उनका सबसे खराब खेल माना जाता है, और यहां तक कि एक बेहतरीन प्रदर्शन को भी सिर्फ़ 'अच्छा' माना जाता है। रोनाल्डो हर एक खेल में सीमाओं को लांघने में माहिर हैं, यही उनकी मानसिकता है।

भारत बनाम दक्षिण अफ्रीका दूसरे वनडे में लगे 4 शतक, भारत 4 रन से जीता मैच

बेंगलुरु। बेंगलुरु के एम चिन्नास्वामी स्टेडियम में भारत बनाम दक्षिण अफ्रीका महिला के बीच खेले गए दूसरे वनडे में 4 शतक लगे लेकिन आखिर में टीम इंडिया 4 रन से जीत दर्ज करने में सफल रही। स्मृति पहले वनडे में भी शतक लगाने में सफल रही थी। दूसरे वनडे में उन्होंने शतक लगाकर मिथाली राज (7 शतक भारत के लिए) का रिकॉर्ड बराबर कर लिया। बहरहाल, भारत ने पहले खेलते हुए मंधाना के 120 गेंद में 18 चौकों और दो छक्कों से 136 तो हरमनप्रीत के 88 गेंद में 9 चौकों और 3 छक्कों से नाबाद 103 रन की बदौलत 3 विकेट खोकर 325 रन बनाए। जवाब में दक्षिण अफ्रीका की ओर से कप्तान लौरा वोल्वार्ड्ट और मेरिजाना केप ने शतक लगाए लेकिन अंतिम ओवरों में उन्हें चार रन से हार झेलनी पड़ी। तीन वनडे मैचों की सीरीज में इसी के साथ भारत के पास 2-0 की अजेय बढ़त हो गई है। भारत ने पहला वनडे 143 रन से जीता था।

वेस्टइंडीज की कप्तान हेले मैथ्यूज श्रीलंका के खिलाफ अंतिम वनडे मैच से बाहर

एजेंसी

सेंट जॉन्स। क्रिकेट वेस्टइंडीज (सीडब्ल्यूआई) ने देर रात को घोषणा की है कि वेस्टइंडीज महिला क्रिकेट टीम की कप्तान हेले मैथ्यूज बीमारी के कारण श्रीलंका के खिलाफ तीसरे और अंतिम वनडे से बाहर हो गई हैं। मैथ्यूज ने हंबनटोटा में दूसरे महिला वनडे में भी हिस्सा नहीं लिया था, जहां वेस्टइंडीज की टीम 31 ओवर में 92 रन पर आउट हो गई थी और श्रीलंका ने 21.2 ओवर में लक्ष्य हासिल कर पांच विकेट से जीत दर्ज की थी।

मैथ्यूज की अनुपस्थिति में, शमीन कैम्पबेले ने दूसरे मैच में वेस्टइंडीज टीम की कप्तानी की और 21 जून को हंबनटोटा में होने वाले तीसरे वनडे में भी उनके कप्तान बने रहने की उम्मीद है। हालांकि, सीडब्ल्यूआई को उम्मीद है कि मैथ्यूज 24 जून से इसी स्थान पर शुरू होने वाली तीन मैचों की टी20 सीरीज के लिए समय पर ठीक हो जाएंगी। सीडब्ल्यूआई की ओर से जारी बयान में कहा गया, वेस्टइंडीज की कप्तान हेली मैथ्यूज बीमारी के कारण श्रीलंका के खिलाफ चल रही वनडे सीरीज से बाहर हो गई हैं। सीडब्ल्यूआई की मेडिकल टीम

उनकी निगरानी करती रहेगी और उम्मीद है कि वह टी20 सीरीज के लिए समय पर ठीक हो जाएंगी। सीडब्ल्यूआई में हर कोई उनके जल्द ठीक होने की कामना करता है। मैथ्यूज पिछले डेढ़ साल से वेस्टइंडीज की मुख्य खिलाड़ी रही हैं। वह 2023 की शुरुआत से वनडे में वेस्टइंडीज की ओर से सबसे ज्यादा रन बनाने वाली खिलाड़ी हैं। उन्होंने नौ मैचों में 519 रन बनाए हैं, जिसमें 74.14 की औसत है, जिसमें तीन शतक शामिल हैं। इस दौरान उन्होंने 11 विकेट लिए हैं, जो एफी फ्लेचर के साथ सबसे ज्यादा विकेट लेने के मामले में बराबरी पर हैं। वेस्टइंडीज पहले ही तीन मैचों की वनडे सीरीज हार चुकी है और 0-2 से पीछे चल रही है। पिछले शनिवार को उन्होंने अपना पहला मैच छह विकेट से गंवाया था, लेकिन मंगलवार को टीम को फिर से हार का सामना करना पड़ा। मैथ्यूज ने पहला वनडे खेला, जिसमें उन्होंने 53 गेंदों पर 38 रन बनाए और पांच ओवर में बिना कोई विकेट लिए 33 रन दिए।

विश्व कप की हार से नाखुश ब्रायन मसाबा ने दिया कप्तानी से इस्तीफा

एजेंसी

नई दिल्ली। टी20 विश्व कप 2024 में सपर-8 की शुरुआत हो चुकी है। दो मुकाबले खेले जा चुके हैं। बहुत जल्द फैंस को सेमीफाइनल में पहुंचने वाली टीमें मिल जाएंगी। इस बीच युगांडा की टीम के कप्तान ने ब्रायन मसाबा ने कप्तानी से इस्तीफा दे दिया। उनकी टीम ग्रुप स्टेज से ही बाहर हो गई थी।

चार में से तीन मैचों में मिली शिकस्त

दरअसल, मौजूदा टूर्नामेंट में कुछ नई टीमों को खेलना मौका मिला। इनमें एक युगांडा की टीम भी थी। ग्रुप सी में शामिल इस टीम ने अपने अभिया की शुरुआत अफगानिस्तान के खिलाफ मैच से की थी। इस मैच में उन्हें नौ विकेट से हार का सामना करना पड़ा। अगला मुकाबला वेस्टइंडीज के खिलाफ खेला जिसमें युगांडा को 134 रनों से करारी शिकस्त मिली। वहीं, तीसरे मैच में उन्होंने पीएनजी के खिलाफ तीन विकेट से जीत दर्ज की। हालांकि, चौथे मैच में एक बार फिर टीम हार गई और सुपर-8 की दौड़ से बाहर हो गई।

मसाबा ने छोड़ी कप्तानी

ग्रुप सी की अंक तालिका में दो अंक और -4.510 के नेट रनरेट के साथ अपना सफर खत्म करने वाली

टीम के कप्तान ब्रायन मसाबा ने अब कप्तानी छोड़ने का फैसला किया है। उन्होंने कहा, ÷मैं पिछले काफी समय से इस मुद्दे पर विचार कर रहा था। युगांडा क्रिकेट टीम की अगुवाई करना मेरे लिए सबसे सम्मानजनक बात रही। ना केवल जारी टी20 वर्ल्ड कप में, बल्कि पिछले 5 सालों से मैं युगांडा की टीम का अगुवाई कर रहा था। कप्तान रहते हुए व्यक्तिगत रूप से मेरे जीवन में काफी विकास हुआ है। इस दौरान मैंने कैसी लीडरशिप की जाती है और साथ ही त्याग भावना हो अच्छी तरह से सिखा। यह चीज जीवन भर मेरे काम आएगी।

मसाबा का करियर

मसाबा ने अपने अब तक के करियर में कुल 63 टी20 अंतरराष्ट्रीय मुकाबले खेले। इनमें उन्होंने 24 विकेट हासिल किए। इसके अलावा 32 वर्षीय खिलाड़ी के नाम 439 रन भी दर्ज हैं। युगांडा क्रिकेट एसोसिएशन ने मसाबा का एक वीडियो साझा किया है जिसमें उन्हें कप्तानी से इस्तीफा देने की बात करते देखा जा सकता है।

यूरो 2024 : जर्मनी ने हंगरी को 2–0 से हराकर अंतिम 16 में किया प्रवेश

एजेंसी

बर्लिन। जमाल मुसियाला और इल्के गुंडोगन के गोलों की मदद से जर्मनी ने हंगरी पर 2-0 से लगातार दूसरी जीत हासिल कर यूरो 2024 के अंतिम 16 में प्रवेश कर लिया, जबकि अल्बानिया ने ग्रुप चरण के दूसरे दौर में क्रोएशिया के साथ 2-2 से ड्रा खेला। हंगरी ने बेहतर शुरुआत की और पहले मिनट में ही गोल करने का सुनहरा मौका चूक गया। जर्मनी के गोलकीपर मैनुअल नेउर ने जोशुआ किमिच के रिटर्न पास को रोलैंड सलाई के पास पहुंचने से पहले ही रोक लिया।

मैच के 22वें मिनट में विली ओर्बन ने अपने बॉक्स के अंदर गेंद को फंसा दिया, जिससे गुंडोगन को मुसियाला के लिए गोल सेट करने का मौका मिला। मुसियाला ने इस मौके का पूरा फायदा उठाया और जर्मनी को 1-0 की बढ़त दिला दी।

हंगरी ने बराबरी के लिए बहुत

ज़ोर लगाया, लेकिन उन्हें सफलता नहीं मिली और मध्यांतर तक जर्मनी 1-0 से आगे रहा मैच दोबारा शुरु होने के बाद जर्मनी नियंत्रण में रहा। मैच के 67वें मिनट में मैक्सिमिलियन मिटेलस्टैड ने गुंडोगन को बॉक्स में स्क्वायर पास दिया, जिसे उन्होंने गोल में बदलकर जर्मनी को 2-0 की बढ़त दिला दी और अंत में यही स्कोर निर्णायक साबित हुआ।

इस जीत के साथ, जर्मनी ग्रुप ए में दो जीत के साथ शीर्ष पर बना हुआ है, उसके बाद स्विट्जरलैंड, स्कॉटलैंड और हंगरी की टीमें हैं।

ग्रुप ए के दूसरे मुकाबले में, स्विट्जरलैंड ने स्कॉटलैंड के साथ 1-1 से ड्रा खेला। ग्रुप बी में, अल्बानिया के क्लॉस गजसुला ने क्रोएशिया को 2-2 की बराबरी के साथ चौंका दिया। अल्बानिया ने काज़िम लैसी के ज़रिए स्कोरिंग की शुरुआत की, इसके बाद क्रोएशिया के आंद्रेज क्रामारिक ने गोल कर स्कोर बराबर किया। गजसुला ने मैच का अपना दूसरा गोल करते हुए क्रोएशिया को 2-1 की बढ़त दिला दी, लेकिन डार्मस्टैड के मिडफील्डर ने इंजरी टाइम में गोल कर अल्बानिया को 2-2 से बराबरी दिला दी और अंत में यही स्कोर निर्णायक साबित हुआ।

टी-20 विश्व कप : ऑस्ट्रेलियाई कप्तान मिशेल मार्श गेंदबाजी के लिए उपलब्ध

एजेंसी

एंटीगुआ। ऑस्ट्रेलियाई क्रिकेट टीम के कप्तान मिशेल मार्श ने 2024 टी20 विश्व कप के सुपर आठ चरण में गेंदबाजी के लिए खुद को तैयार घोषित किया है, जिससे ऑस्ट्रेलिया को एंटीगुआ में बांग्लादेश के खिलाफ मैच से पहले एक और विकल्प मिल सके। मार्श ने हैमस्ट्रिंग की चोट के कारण आईपीएल छोड़ने के बाद से गेंदबाजी नहीं की है और उनकी वापसी के लिए सतर्क दृष्टिकोण अपनाया गया है। मार्श ने गुरुवार को क्रिकेट ऑस्ट्रेलिया के हवाले से कहा, मैं गेंदबाजी के लिए उपलब्ध रहूंगा। हमारे पास जो लाइन-अप है, उसे देखते हुए मुझे वास्तव में गेंदबाजी करने की आवश्यकता नहीं दिखती है, लेकिन मुझे लगता है कि इस प्रारूप में विकल्प होना वास्तव में महत्वपूर्ण है और हमारे पास बहुत सारे विकल्प हैं।

ऑस्ट्रेलिया को मार्श के गेंदबाजी से दूर रहने के कारण कोई कमी महसूस नहीं हुई है, क्योंकि मार्कस स्टोइनिस ने महत्वपूर्ण भूमिका निभाई है, जबकि स्कॉटलैंड के खिलाफ उन्होंने सुपर आठ में संभावित परिस्थितियों को देखते हुए 12 ओवर स्पिन का इस्तेमाल किया। अगर ऑस्ट्रेलिया ने एश्टन एगर को दूसरे फ्रंटलाइन स्पिनर के रूप में फिर से मैदान में उतारा और फैसला किया कि उन्हें सीम के कुछ अतिरिक्त ओवरों की आवश्यकता है, तो मार्श की गेंद के साथ भूमिका अधिक संभावित परिदृश्य बन जाएगी। मार्श ने कहा, शारीरिक रूप से अच्छा महसूस कर रहा हूँ। गेंदबाजी से थोड़ा ब्रेक लेना हमेशा अच्छा लगता है और मैं अक्सर इस बारे में मज़ाक करता हूँ। लेकिन मार्कस और मैं अक्सर ऑलराउंडर के तौर पर इस बारे में बात करते हैं, हमें खेल में बने रहना पसंद है।

क्वींस क्लब चैंपियनशिप के बीच मैच से हटे एंडी मरे, विंबलडन में खेलना संदिग्ध

एजेंसी

लंदन। पीठ की समस्या के कारण क्वींस क्लब चैंपियनशिप के दूसरे दौर से बाहर होने के बाद तीन बार के ग्रैंड स्लैम चैंपियन एंडी मरे ने कहा है कि उनकी चोट कितनी चिंताजनक है, यह जानने के लिए स्कैन कराया जाएगा, जिससे यह तय होगा कि वह आगामी विंबलडन 2024 में खेलेंगे या नहीं।

तीन बार के ग्रैंड स्लैम चैंपियन मरे जॉर्डन थॉम्पसन के खिलाफ दूसरे दौर के मैच से पांच गेम के बाद अपनी पीठ की समस्या के कारण रिटायर हो गए। एटीपी के अनुसार मरे ने कहा, जाहिर है कि यह बहुत अच्छा नहीं था। मैं कुछ समय से अपनी पीठ की समस्या से जूझ रहा था। मेरे दाहिने पैर में ताकत की कमी थी। इसलिए नियंत्रण में कमी थी, समन्वय नहीं था। हां, मैं हिल नहीं सकता था। पीठ की समस्या से जूझना मरे के लिए कोई नई बात नहीं थी, 37 वर्षीय मरे ने खुलासा किया कि एटीपी 500 मैच से पहले उन्हें बहुत दर्द हो रहा था। मरे ने जॉर्डन थॉम्पसन के खिलाफ अपने दूसरे दौर के मैच से नाम वापस ले लिया, जबकि शुरुआती सेट में वे 4-1 से पीछे थे। तीन गेम के बाद, उन्होंने अपने कूल्हे और पीठ के निचले हिस्से के दर्द का इलाज करवाया। बाद में, यह पता चला कि मरे को पीठ की समस्या थी मरे ने कहा, मैच के दौरान मुझे बहुत दर्द हुआ। लेकिन मैं इसे मैनेज करने में सक्षम था। मैं खेलने में सहज नहीं था, लेकिन मैं इसे मैनेज किया। मैच से पहले वार्मअप के दौरान, मैं बहुत असहज था, और फिर मैं कोर्ट पर जाने से ठीक पहले सीढ़ियों से ऊपर चढ़ा, मेरे दाहिने पैर में सामान्य ताकत नहीं थी। यह सामान्य भावना नहीं थी 37 वर्षीय मरे ने कहा, मुझे नहीं पता कि आप में से कितने लोग देख रहे थे, लेकिन वार्मअप में मैंने जो पहली दो गेंदें मारी, मेरा दाहिना पैर बहुत ही असंयोजित था। मेरा कोई समन्वय नहीं था। दाहिना पैर ठीक से काम नहीं कर रहा था। मरे ने कहा कि वह पिछले 10 वर्षों से पीठ की समस्याओं से जूझ रहे हैं। उन्होंने कहा, मुझे ठीक से नहीं पता कि समस्या क्या है। मैंने पहले ऐसा अनुभव नहीं किया था। मैं अपने करियर के पिछले 10, 11 वर्षों से पीठ दर्द से जूझ रहा हूँ, लेकिन मैंने पहले कभी ऐसा अनुभव नहीं किया। इसलिए मुझे नहीं पता कि प्रक्रिया क्या होगी या वास्तव में क्या उम्मीद करनी है।

रोहित शर्मा ने एडु-फिनटेक स्टार्टअप लिओ-वन में किया निवेश

मुंबई। भारतीय क्रिकेट टीम के कप्तान रोहित शर्मा ने एडु-फिनटेक स्टार्टअप LEO1 (लियो-वन) में निवेश किया है। यह उनका किसी फिनटेक कंपनी में पहला निवेश है। LEO1 शैक्षणिक संस्थानों में लंबे समय से चले आ रहे नकदी प्रवाह के मुद्दे को हल करने और छात्रों को नवीन वित्तीय समाधान देने पर काम करता है। इस निवेश का इस्तेमाल कंपनी इनोवेशन, टेक्नोलॉजी और व्यापार के विस्तार के लिए करेगी। पिछले तीन वर्षों में LEO1 ने 35 मिलियन डॉलर (लगभग 291 करोड़ रुपये) जुटाए हैं। यह प्रगति और निवेशकों के विश्वास को दर्शाता है। QED इनवेस्टर्स, आविष्कार कैपिटल, आर्डेंट इनवेस्टर्स LLC, 9 यूनिकॉर्न, डीएमआई फाइनेंस, एमएस फिनकैप, एंजल ब, रत्ना फिन कैपिटल, न्यूएवा कैपिटल, एएआर ईएम वेंचर्स और कई अन्य निवेशकों ने भी LEO1 में निवेश किया हुआ है।

रोहित शर्मा ने इस निवेश पर प्रसन्नता व्यक्त करते हुए कहा कि मैं शिक्षा को क्रांतिकारी बनाने और गुणवत्तापूर्ण शिक्षा को सभी के लिए सुलभ बनाने के LEO1 के मिशन का समर्थन करने के लिए उत्साहित हूं। उनका दृष्टिकोण, प्रतिबद्धता और कार्य शैली एवं छात्रों और उनके माता-पिता के जीवन को सकारात्मक रूप से प्रभावित करने का जूनून वास्तव में प्रेरणादायक हैं। यह साझेदारी मेरे लिए ऐसी पहलों का समर्थन करने का एक अद्भुत अवसर प्रस्तुत करती है जो पूरी एक पीढ़ी के लिए महत्वपूर्ण अंतर ला सकती हैं।

रबाडा को 3 विकेट, यूएसए ने 18 रन से गंवाया रोचक मुकाबला

एजेंसी

एंटीगुआ । एंटीगुआ के मैदान पर सुपर 8 के पहले ही मुकाबले में यूएसए का दक्षिण अफ्रीका के हाथों 18 रन से हार झेलनी पड़ी। हालांकि 195 के लक्ष्य का पीछा करने उतरी यूएसए एक समय अपने बल्लेबाजों एंड्रीज गूस और हरमीत सिंह की बदौलत जीत की ओर जाती दिख रही थी लेकिन हरमीत का विकेट गिरते ही यूएसए बैकफुट पर आ गई। आखिरी ओवरों में स्कोर नहीं बन पाए जिससे यूएसए को 18 रन से हार झेलनी पड़ी। अमेरिका को रोकने में कागिसा रबाडा का बड़ा योगदान रहा। उन्होंने 4 ओवर में 18 रन देकर 3 विकेट लीं। इससे पहले दक्षिण अफ्रीका ने डीकॉक के 40 गेंदों पर 74, कप्तान मार्कराम के 46 रनों की बदौलत 4 विकेट खोकर 194 रन बनाए थे।

साऊथ अफ्रीका : 194-4 (20 ओवर)

- अफ्रीका के लिए क्विंटम डीकॉक के साथ रीजा हेंड्रिक्स ओपनिंग के लिए आए। रीजा महज 11 रन बनाकर तीसरे ओवर में आऊट हो गए। उन्हें यूएसए के तेज गेंदबाज सौरभ नेत्रवलकर ने कोरी एंडरसन के हाथों कैच आऊट

करवाया। भारतीय मूल के सौरभ टीम इंडिया के लिए ग्रुप स्टेज के मुकाबले में भी अपनी बेहतरीन गेंदबाजी के कारण विराट कोहली और रोहित शर्मा का विकेट निकालने में सफल रहे थे

- डीकॉक ने इसके बाद पारी को संभाला और विकेट के चारों ओर शॉट लगाए। उन्होंने कप्तान ऐडन मार्कराम के साथ मिलकर स्कोर 126 तक पहुंचाया। डीकॉक ने 40 गेंदों पर 7 चौके और 5 छक्कों की मदद से 74 रन बनाए। डीकॉक के आऊट होते ही डेविड मिलर भी पहली ही गेंद पर आऊट हो गए। इनकी विकेट हरमीत सिंह ने निकाली। जोकि गेंदबाजी करते हुए काफी किफायती भी रहे।

- कप्तान ऐडन मार्कराम ने 32 गेंदों पर 4 चौके और 1 छक्के की मदद से 46 रन का योगदान दिया। तभी हेनरिक क्लासेन ने ट्रिस्टन स्टब्स के साथ मिलकर स्कोर आगे बढ़ाया। दोनों शानदार लय में दिखे। हेनिरक क्लासेन ने जहां 22 गेंदों में 3 छक्कों की मदद से 36 रन बनाए तो ट्रिस्टन ने 16 गेंदों पर दो चौकों की मदद से 20 रन बनाकर स्कोर 194 तक पहुंचा दिया।

यूएसए = 176/6 (20 ओवर)

- स्टीवन टेलर और एंड्रीज गूस ने लक्ष्य का पीछा करते हुए यूएस को बढ़िया शुरूआत दी। दोनों ने शुरूआत में 3.3 ओवर में 33 रन जोड़े। टेलर 14 गेंदों पर 4 चौके और एक छक्के की मदद से 24 रन बनाने में सफल रहे। इसके बाद नितिश कुमार 8 और कप्तान आरोन जोंस ने 0 पर ही विकेट गंवा दिया।

- मध्यक्रम में कोरी एंडरसन 12 गेंदों पर 12 रन बनाकर एनरिक का शिकार हुए तो जहांगीर ने शम्सी की गेंद पर पगबाधा आऊट होने से पहले 9 गेंदों पर 3 रन बनाए। यूएसए को एंड्रीज गूस और हरमीत सिंह ने सहारा दिया। हरमीत ने 22 गेंदों पर 2 चौके और 3 छक्कों की मदद से 38 रन बनाए। गूस अंत तक टिके रहे लेकिन अपनी टीम को जीत नहीं दिला पाए। उन्होंने 47 गेंदों पर 5 चौके और 5 छक्कों की मदद से 80 रन बनाए।

सॉल्ट–बेयरस्टो की आतिशी पारियां, इंग्लैंड ने वेस्टइंडीज को 8 विकेट से हराया

एजेंसी

ग्रॉस आइलेट। फिल सॉल्ट नाबाद (87) और जॉनी बेयरस्टो नाबाद (48) की आतिशी पारियों के दम पर इंग्लैंड ने टी-20 विश्वकप के सुपर आठ मुकाबले में वेस्टइंडीज को आठ विकेट से हरा दिया है।

सेंट लूसिया के डैरेन सैमी स्टेडियम में इंग्लैंड के कप्तान जॉस बटलर ने टॉस जीतकर पहले गेंदबाजी करने का फैसला किया। बल्लेबाजी करने उतरी वेस्टइंडीज की ब्रैंडन किंग और जॉनसन चार्ल्स की सलामी जोड़ी ने अच्छी शुरुआत की। ब्रैंडन किंग (23) के रिटायर्ड हर्ट तक वेस्टइंडीज ने 40 रन बना लिए थे। इसके बाद बल्लेबाजी करने आए निकोलस पूरन ने जॉनसन चाल्स का बखूबी साथ निभाया।

12वें ओवर में मोइन अली ने जॉनसन चार्ल्स (38) को आउट कर इंग्लैंड को पहली सफलता दिलाई। 15वें ओवर में कप्तान रोवमेन पॉवेल (36) और उसके बाद निकोलस पूरन भी (36) रन बनाकर आउट हुए। शेरफेन रदरफोड 'नाबाद 28 रन बनाए। वेस्टइंडीज ने निर्धारित 20 ओवर में चार विकेट पर 180 रन का स्कोर खड़ा किया। इंग्लैंड की ओर से जोफ्रा आर्चर, आदिल रशिद, मोइन अली और

लियाम लिविंगस्टोन को 1-1 विकेट मिला।

181 रनों के लक्ष्य का पीछा करने उतरी इंग्लैंड अच्छी शुरुआत करते हुए पहले विकेट लिये 67 रन जोड़े। आठवें ओवर में कप्तान जॉस बटलर (25) को पगबाधा आउट कर रॉस्टन चेज ने वेस्टइंडीज को पहली सफलता दिलाई। इसके बाद 11वें ओवर में आंद्रे रसल ने मोईन अली (13) को अपना शिकार बनाया। बटलर और सॉल्ट के बीच 46 गेंदों में 67 रन की साझेदारी हुई। मोईन अली के बाद बल्लेबाजी करने आये जॉनी बेयरस्टो ने सलामी बल्लेबाज फिल सॉल्ट के साथ पारी को संभाला।

फिल सॉल्ट ने 47 गेंदों में सात चौके और पांच छक्के लगाते हुए नाबाद (87) रनों की पारी खेली। वहीं जॉनी बेयरस्टो ने 26गेंदों में पांच चौके और दो छक्के लगाते हुए नाबाद 48 रन बनाए। इंग्लैंड ने 17.3 ओवर में दो विकेट पर 181 रन बनाकर मुकाबला आठ विकेट से जीत लिया। फिल सॉल्ट को उनकी शानदार बल्लेबाजी के लिए प्लेयर ऑफ द मैच से नवाजा गया। वेस्टइंडीज की ओर से आंद्रे रसल और रॉस्टन चेज ने एक-एक बल्लेबाज को आउट किया।

साल्ट ने इस खिलाड़ी को दिया धमाकेदार पारी का श्रेय, कहा- उन्होंने मुझ पर से दबाव हटा दिया

ग्रॉस आइलेट। फिल साल्ट के 47 गेंद में नाबाद 87 रन की मदद से गत चैम्पियन इंग्लैंड ने टी20 विश्व कप सुपर आठ चरण के अपने पहले मैच में सह मेजबान वेस्टइंडीज को आठ विकेट से हराया। साल्ट ने अपनी धमाकेदार पारी का श्रेय साथी जॉनी बेयरस्टो को दिया जिन्होंने उन पर से दबाव हटा दिया जिससे उन्हें मैदान पर खुलकर खेलने का मौका मिला। मैच के बाद साल्ट ने कहा, एक समय ऐसा भी था जब मैंने बहुत अधिक गेंदों का सामना नहीं किया, बाउंड्री सूख गई थी, लेकिन जॉनी (बेयरस्टो) ने अपनी सोची-समझी बल्लेबाजी से मुझ पर से दबाव हटा दिया, उनकी पारी बहुत महत्वपूर्ण थी। सलामी बल्लेबाज ने बताया कि बीच के ओवरों में स्पिनरों के खिलाफ खेलना थोड़ा मुश्किल था। साल्ट ने 16वें ओवर में रोमारियो शेफर्ड के खिलाफ 4, 6, 4, 6, 6 और 4 रन बनाए। उन्होंने कहा, मुझे यहां बल्लेबाजी करना पसंद है, लेकिन मैं टीम की जीत में योगदान देकर अधिक खुश हूं।

जिम्बाब्वे की सीनियर पुरुष क्रिकेट टीम के मुख्य कोच नियुक्त हुए जस्टिन सैमंस

हरारे। जस्टिन सैमंस को जिम्बाब्वे की सीनियर पुरुष क्रिकेट टीम का मुख्य कोच नियुक्त किया गया है, जिम्बाब्वे क्रिकेट ने बोर्ड बैठक के बाद घोषणा की। सैमंस की पूर्णकालिक मुख्य कोच के रूप में नियुक्ति डेव ह्यूटन द्वारा जिम्बाब्वे के टी 20 विश्व कप 2024 के लिए अर्हता प्राप्त करने में विफल रहने के बाद पद से हटने के छह महीने से अधिक समय बाद हुई है। सैमंस को जिम्बाब्वे के पूर्व क्रिकेटर डियोन इब्राहिम का समर्थन प्राप्त होगा, जो सहायक कोच के रूप में टीम में शामिल होंगे।

ह्यूटन के इस्तीफे के बाद, वाल्टर चावागुटा इस साल जनवरी में श्रीलंका दौरे के दौरान टीम के साथ अंतरिम मुख्य कोच के रूप में थे। स्टुअर्ट मैट्सिकेनेरी ने मई में बांग्लादेश दौरे के दौरान जिम्बाब्वे टीम के लिए इसी तरह की भूमिका निभाई थी। सैमंस पहले दक्षिण अफ्रीका के उच्च प्रदर्शन कार्यक्रम का हिस्सा थे और उन्होंने कई घरेलू टीमों के साथ काम किया है। वह 2021 और 2023 के बीच दक्षिण अफ्रीका टीम के बल्लेबाजी सलाहकार भी थे। इब्राहिम, जिन्होंने 29 टेस्ट और 82 वनडे में जिम्बाब्वे का प्रतिनिधित्व किया, बाद में न्यूजीलैंड में कोचिंग करियर बनाया और ब्लैक कैप्स से भी जुड़े रहे। जिम्बाब्वे क्रिकेट ने खुलासा किया कि जिम्बाब्वे टीम के लिए बाकी सहयोगी स्टाफ की नियुक्ति सैमंस के परामर्श से की जाएगी।

ये बस वक्त की बर्बादी है

सोनाक्षी सिन्हा और जहीर इकबाल की शादी पर Swara Bhaskar ने किया कमेंट

सोनाक्षी सिन्हा अपनी शादी को लेकर चर्चा बटोर रही हैं। सोशल मीडिया पर एक्टर जहीर इकबाल संग उनके वेडिंग की खबरें छाई हुई हैं। हालांकि, अभिनेत्री ने अभी तक कुछ भी आधिकारिक तौर पर नहीं कहा है। इस बीच अब स्वरा भास्कर ने सोनाक्षी सिन्हा और जहीर इकबाल की शादी पर कमेंट किया है स्वरा भास्कर अपने बेबाक अंदाज के लिए जानी जाती हैं। सोशल मीडिया पर एक्ट्रेस अक्सर अपने स्टेटमेंट के चलते ध्यान खींचती हैं। अब उन्होंने सोनाक्षी सिन्हा की शादी पर बात की है।

स्वरा ने झेली थी ट्रोलिंग

स्वरा भास्कर ने बीते साल समाजवादी पार्टी के नेता और सोशल एक्टिविस्ट फहाद अहमद से शादी कर हैरान कर दिया था। दोनों ने 16 फरवरी 2023 को कोर्ट मैरिज की थी। एक्ट्रेस ने अपने हालिया इंटरव्यू में कहा कि जब वो शादी कर रही थीं, तब कई एक्सपर्ट उनकी आलोचना करने आ गए थे।

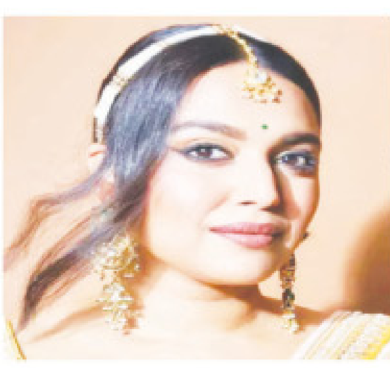

वही, अब सोनाक्षी सिन्हा और जहीर इकबाल की शादी को लेकर हो रहा है।

लव जिहाद बड़ा मिथ है

स्वरा भास्कर ने कहा कि दूसरे धर्म में शादी करने वाले कपल्स को बिना वजह ट्रोल किया जाता है और ये अब आम बात हो गई है। सिने कनेक्ट के साथ इंटरव्यू में अभिनेत्री ये भी कहा कि भारत में लव जिहाद सबसे बड़ा मिथ है। एशिया में लोगों को दूसरी की जिंदगी में दखलअंदाजी करने में बहुत दिलचस्पी होती है।

सोनाक्षी की शादी पर बोलीं स्वरा

सोनाक्षी सिन्हा और जहीर इकबाल को लेकर बात करते हुए स्वरा भास्कर ने कहा, ﬖमेरी शादी के दौरान भी कई एक्सपर्ट्स ने आ गए थे और अपनी राय दी थी। यहां हम दो अडल्ट के बारे में बात कर रहे हैं। वो अपनी पर्सनल लाइफ में क्या करते हैं, शादी करते हैं या नहीं करते, ये सब उनका निजी फैसला है। अगर वो एक साथ रह रहे हैं, कोर्ट में शादी कर रहे हैं या निकाह कर रहे हैं या आर्य समाज में शादी कर रहे हैं तो इससे किसी को कोई लेना-देना नहीं है।

समय बर्बाद करने वाली बात है

उन्होंने आगे कहा, ये एक पुरुष-महिला और उनके परिवार के बीच की बात है। ये सोनाक्षी की लाइफ है, उन्होंने अपना पार्टनर चुन लिया है और उनके पार्टनर ने भी उन्हें चुन लिया है। अब ये उन दोनों और उनके परिवारों के बीच है। इससे किसी और का कोई लेना- देना नहीं है। इस पर बात करना मुझे समय बर्बाद करने वाली बहस लगती है।ﬞ

वड़ा पाव गर्ल बनीं अनिल कपूर के शो की पहली कंफर्म कंटेस्टेंट, ये सेलिब्रिटी भी हो सकते हैं शामिल

दिल्ली की 'वड़ा पाव गर्ल' चंद्रिका गेरा दीक्षित अनिल कपूर के 'बिग बॉस ओटीटी' सीजन 3 की पहली कंफर्म कंटेस्टेंट बन गई हैं. हाल ही में मुंबई में हुए 'बिग बॉस ओटीटी 3' के लॉन्च इवेंट में 'वड़ा पाव गर्ल' का प्रोमो जारी किया गया. एमपी की रहने वाली चंद्रिका, शादी के बाद दिल्ली शिफ्ट हुई थीं. बेटे की बीमारी की वजह से उन्होंने अपनी नौकरी छोड़ दी. और ठेले पर वड़ा पाव बेचना शुरू कर दिया. चंद्रिका अपने वड़ा पाव से ज्यादा उनके ऐटिट्यूड, झगड़ों के लिए जानी जाती हैं.

चंद्रिका दीक्षित गेरा, सोशल मीडिया पर अक्सर ट्रोलिंग का शिकार होती आई हैं. एक तरफ वो दावा करती हैं कि वो वड़ा पाव बेचकर अपने परिवार का पेट पालती हैं, और दूसरी तरफ वो लाखों रुपये का लेटेस्ट आईफोन खरीदती हुई नजर आती हैं. कुछ दिन पहले रास्ते पर ठेला लगाकर वड़ा पाव बेचने वाली चंद्रिका को करोड़ रुपये की मस्टैंग में घूमते हुए स्पॉट किया गया था. हाल ही में उन्होंने अपना नया स्टॉल भी ओपन किया था. लेकिन अब 'बिग बॉस ओटीटी' का नया प्रोमो देखकर लगता है कि दिल्ली की इस वड़ा पाव गर्ल ने अपनी नई मंजिल तलाश ली है.

प्रोमो में दिखा अलग अंदाज

'बिग बॉस ओटीटी 3' के लॉन्च पर जारी किए गए प्रोमो में हम 'वड़ा पाव गर्ल' चंद्रिका गेरा दीक्षित को ये कहते हुए देख सकते हैं कि लाइफ में मैंने अपने काम और फैमिली को हमेशा सबसे ऊपर रखा. लेकिन मुझपर सवाल उठाने वालों को हमेशा निशाने पर. अब अपनी पर्सनालिटी को आप सबके सामने लाने के लिए मैं आ रही हूं 'बिग बॉस' के घर में. चंद्रिका गेरा दीक्षित के साथ एक्टर साई केतन राव, सना मकबूल, टेम्पटेशन आइलैंड की मशहूर जोड़ी चेष्टा भगत और निखिल मेहता, सोशल मीडिया इन्फ्लुएंसर बिशाल पांडे, मॉडल पौलमी दास भी अनिल कपूर के शो का हिस्सा बनने जा रहे हैं.

OTT पर राज करने वालों के लिए खतरे की घंटी, अजय देवगन बनाने जा रहे हैं ये मिस्ट्री थ्रिलर सीरीज!

अजय देवगन की इस साल सबसे पहले फिल्म 'शैतान' रिलीज हुई. इसने बॉक्स ऑफिस पर अच्छा प्रदर्शन किया. फिल्म को दर्शकों का काफी प्यार मिला. लेकिन वहीं इसके बाद रिलीज हुई उनकी फिल्म 'मैदान' का जादू लोगों पर नहीं चल पाया. फिल्म का क्लैश अक्षय कुमार और टाइगर की फिल्म 'बड़े मियां छोटे मियां' के साथ देखने को मिला था. इन दो फिल्मों के बाद भी अजय देवगन की इस साल औरों में कहां दम था, सिंघम अगेन और रेड 2 आनी बाकी हैं.लेकिन अजय देवगन यहीं नहीं रुकने वाले हैं.औरों में कहां दम था, सिंघम अगेन और रेड 2 इन तीनों फिल्मों के बाद भी अजय एक वेब सीरीज बनाने की तैयारी कर रहे हैं. इस वेब सीरीज के लिए डायरेक्टर को भी फाइनल कर लिया गया है. रिपोर्ट्स के मुताबिक अजय ने अब अपने प्रोडक्शन हाउस के बैनर तले एक थ्रिलर सीरीज को हरी झंडी दे दी है, जिसका निर्देशन हनी त्रेहान करेंगे.

हनी त्रेहान डायरेक्ट करेंगे

इस प्रोजेक्ट पर काम चल रहा है, जो अभी स्क्रिप्टिंग लेवल पर है. ये इस साल के एंड तक फ्लोर पर आ सकती है. बताया जा रहा है कि ये एक मिस्ट्री थ्रिलर हो सकती है. हालांकि सीरीज की कास्टिंग से लेकर ये किस ओटीटी प्लेटफॉर्म पर आएगी, इसकी कोई जानकारी नहीं दी गई है. हनी त्रेहान एक कास्टिंग डायरेक्टर हैं. उन्होंने नवाजुद्दीन सिद्दीकी, राधिका आप्टे की 2020 में आई फिल्म, 'रात अकेली है' सेडायरेक्शन में कदम रखा. उन्होंने दिलजीत दोसांझ और अर्जुन रामपाल स्टारर 'पंजाब 95' का भी निर्देशन किया है. हालांकि अभी ये रिलीज नहीं हुई है.

रूद्रा द एज ऑफ डार्कनेस'

ये अजय देवगन की दूसरी वेब सीरीज होगी. इससे पहले अजय 'रूद्रा द एज ऑफ डार्कनेस' वेब सीरीज में दिखे थे. ये एक ब्रिटिश सीरीज लूथर की रिमेक थी. हालांकि ये स्पष्ट नहीं है कि अजय देवगन इस सीरीज से बतौर एक्टर भी जुड़ेंगे या नहीं. बहरहाल अजय 'दे दे प्यार दे 2' की शूटिंग में अभी बिजी हैं. ये साल 2019 में आई फिल्म का सीक्वल है. इसके अलावा वो अपनी और फिल्मों के सीक्वल की तैयारी में भी हैं.

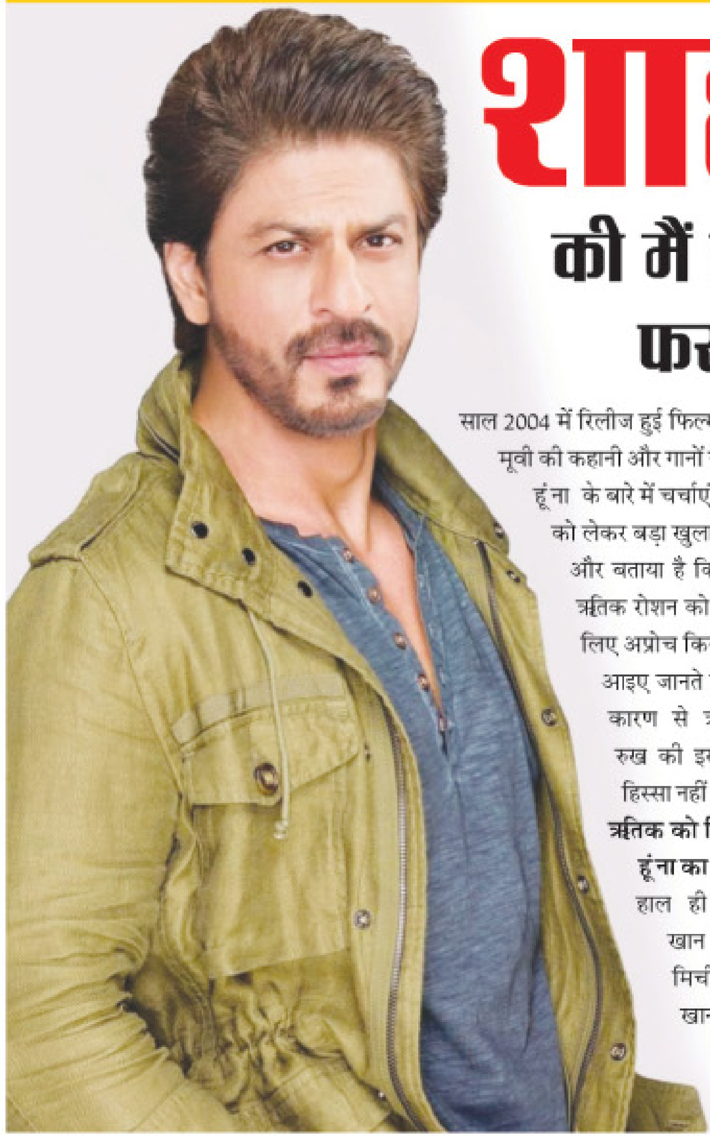

शाह रुख खान की मैं हूं ना के लिए ऋतिक रोशन थे पहली पसंद, फराह खान ने बताया क्यों ठुकराई फिल्म

साल 2004 में रिलीज हुई फिल्म मैं हूं ना शाह रुख खानके करियर की सबसे की इस मूवी की कहानी और गानों ने फैंस का दिल बखूबी जीता। आज 20 साल बाद भी मैं हूं ना के बारे में चर्चाएं होती रहती हैं। इस बीच फराह ने फिल्म की स्टार कास्ट को लेकर बड़ा खुलासा किया है और बताया है कि सुपरस्टार ऋतिक रोशन को मैं हूं ना के लिए अप्रोच किया गया था। आइए जानते हैं कि किस कारण से ऋतिक शाह रुख की इस मूवी का हिस्सा नहीं बन सके।

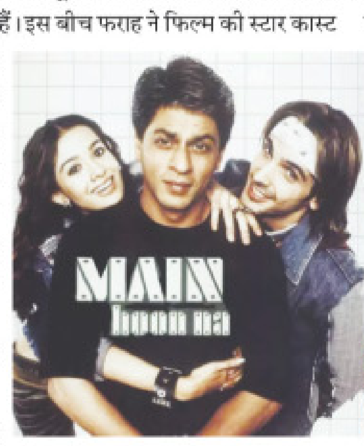

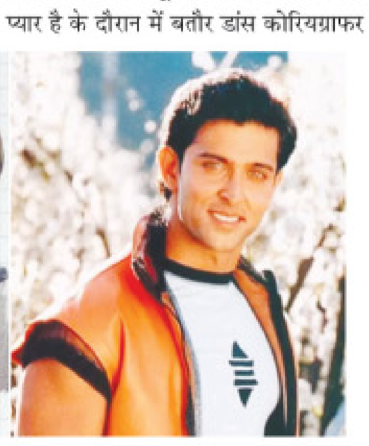

ऋतिक को मिला था मैं हूं ना का ऑफर

हाल ही में फराह खान ने रेडियो मिर्ची को एक इंटरव्यू दिया है। इस दौरान उन्होंने शाह रुख खान स्टारर फिल्म मैं हूं ना को लेकर खुलकर बात की। मालूम हो कि मैं हूं ना बतौर डायरेक्टर फराह खान की पहली फिल्म थी। इस मूवी को लेकर काफी एक्साइटेड थीं।

उन्होंने बताया है- मैं हूं ना के लिए मैंने ऋतिक रोशन को लेकर विचार किया था। कहो प्यार है के दौरान में बतौर डांस कोरियग्राफर काम कर रही थी और मैंने ऋतिक के टैलेंट को भांप लिया था। मैंने राकेश जी से इसको लेकर बात की और ऋतिक से कहा कि मैं एक फिल्म (मैं हूं ना) की कहानी लिख रही हूं और उसके लिए तुम पहली पसंद हो।उसमें शाह रुख खान भी लीड रोल में मौजूद हैं। शाह रुख का नाम सुनकर ऋतिक काफी खुश हुए थे और वह इसके लिए राजी हो गए थे। उस वक्त कहो न प्यार की शूटिंग चल रही थी।

इस एक्टर ने ली ऋतिक की जगह

अपनी बात को आगे जारी रखते हुए फराह खान ने बताया- लेकिन जैसी ही कहो न प्यार है रिलीज हुई और उसके बाद ऋतिक रोशन रातोंरात सुपरस्टार बन गए। बाद में वह मैं हूं ना में सेकंड रोल करने लिए तैयार नहीं हुए। फिर जाकर हमनें जायद खान को लकी के रूप में चुना।